अमित शाह ने कहा- भगोड़ों को वापस लाने को निश्चित प्रणाली जरूरी - 12

वैश्विक बाजारों में तेजी से दूसरे दिन सेंसेक्स 862 अंक और निफ्टी 262 अंक चढ़ा - 12

रूस के मिसाइल और ड्रोन से ताबड़तोड़ हमलों के बाद अंधेरे में डूबा पूरा यूक्रेन - 13

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम पर्थ पहुंची - 14

आज का मौसम
32.0° अधिकतम तापमान
21.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.09 सूर्यास्त 05.39

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष एकादशी 11:12 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2025, वर्ष 35, अंक 259, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

गुजरात में भूपेंद्र सरकार के सभी 16 मंत्रियों का इस्तीफा

गांधीनगर, एजेंसी

- नई कैबिनेट आज लेगी शपथ, नए चेहरों पर फोकस

गुजरात में मंत्रिपरिषद विस्तार से एक दिन पहले गुरुवार को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को छोड़कर सभी 16 मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया। भाजपा सूत्रों ने यह जानकारी दी।

राज्य सरकार ने सुबह ही घोषणा कर दी थी कि पटेल शुक्रवार को अपनी मंत्रिपरिषद का विस्तार करेंगे। भाजपा के एक सूत्र ने कहा कि पार्टी ने सभी 16 मंत्रियों के इस्तीफे ले लिए हैं। मुख्यमंत्री पटेल को छोड़कर सभी मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है।, मंत्रिपरिषद विस्तार शुक्रवार पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे होगा। गुजरात की मौजूदा मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री पटेल सहित 17 मंत्री हैं। आठ कैबिनेट स्तर के मंत्री हैं जबकि इतने ही राज्य मंत्री (एमओएस) हैं। कुल 182 सदस्यों वाली राज्य विधानसभा में सदन की कुल संख्या का 15 प्रतिशत या 27 मंत्री हो सकते हैं। इस महीने की शुरुआत में गुजरात सरकार में राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, केंद्रीय मंत्री सी आर पाटिल की जगह भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई के नए अध्यक्ष बने थे।

बिहार में राजद—कांग्रेस कर रहे बुर्के की शरारत : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने कहा, उक्त दलों के लोग फर्जी वोट डलवाएंगे, लेकिन चेहरा नहीं दिखाना चाहते
- दानापुर व सहरसा में योगी की दहाड़ से गरमाया बिहार का चुनावी माहौल

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनाव के रण में उतरते ही विपक्ष पर हमलावर नजर आए। दानापुर और सहरसा में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित नामांकन रैलियों में उन्होंने राजद व कांग्रेस को विकास विरोधी बताते हुए कहा कि बिहार जब विकास की बात कर रहा है, तब ये 'बुर्के' की शरारत कर बहस छेड़ रहे हैं।

ये लोग फर्जी वोट डलवाएंगे, लेकिन चेहरा नहीं दिखाना चाहते। योगी ने कहा कि बिहार में विकास की दौड़ को बाधित करने के लिए राजद, कांग्रेस व इंडी गठबंधन के सहयोगी दलों ने विकास बनाम बुर्के की शरारत शुरू की है। जब बिहार विकास की चर्चा कर रहा है तो कांग्रेस, राजद ने बुर्के की नई बहस को बढ़ाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि इन्हें फर्जी पोलिंग का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। राजद व कांग्रेस फर्जी पोलिंग करवाने की चेष्टा कर रहे हैं, लेकिन विदेशी घुसपैठियों को यहां आकर बिहार के नागरिकों, गरीबों व दलितों के अधिकार पर डकैती की छूट नहीं मिलनी चाहिए। यह लोग ईवीएम नहीं, बल्कि पहले के जैसे जबरदस्ती मतदान और मतपत्रों की छिनैती करना चाहते हैं।

बिहार के दानापुर में भाजपा प्रत्याशी रामकृपाल यादव की नामांकन रैली को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राम-जानकी जैसी अटूट है यूपी-बिहार की आत्मीयता

योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश और बिहार का रिश्ता भगवान राम और माता जानकी जैसा अटूट है। अयोध्या के श्रीराम मंदिर और बिहार में निर्माणाधीन मां जानकी मंदिर का उल्लेख करते हुए योगी ने कहा कि जब कांग्रेस—राजद कहते थे कि मंदिर नहीं बनेगा, तब हमने कहा था कि अवश्य बनेगा। आज अयोध्या में श्रीराम विराजमान हैं और बिहार में मां जानकी का 900 करोड़ रुपये का मंदिर बन रहा है।

योगी ने कहा कि राजद और कांग्रेस मिलकर बिहार को फिर उसी 'जंगलराज' और अराजकता के युग में ले जाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे वर्ष 1990 से 2005 तक हर बिहारवासी त्रस्त रहा। उन्होंने कहा कि बिहार ने विश्व को लोकतंत्र का पाठ पढ़ाया, लेकिन इन दलों ने इसे अपराध और परिवारवाद की भूमि बना दिया। विकास का पैसा चारा घोटाले में हजम कर लिया गया। योगी ने नीतीश कुमार सरकार के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि बिहार अब लालटेन नहीं, एलईडी की दूधिया रोशनी में आगे बढ़ रहा है। कांग्रेस—राजद के लिए विकास नहीं, परिवार ही सब कुछ है। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि 140 करोड़ भारतीय मेरा परिवार हैं, जबकि लालू जी कहते हैं कि राबड़ी देवी का परिवार ही मेरा परिवार है।

ब्रीफ न्यूज

5 लाख की रिश्वत लेते डीआईजी गिरफ्तार

चंडीगढ़। सीबीआई ने गुरुवार को पंजाब के पुलिस उप महानिरीक्षक हरचरण सिंह भुल्लर को भ्रष्टाचार से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों ने बताया कि भुल्लर को उनके मोहाली स्थित कार्यालय से गिरफ्तार किया गया। इस बारे में विस्तृत ब्यौरे की प्रतीक्षा है। 2007 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी भुल्लर डीआईजी (रोपड़ रेंज) के पद पर कार्यरत हैं।

शिल्पा शेट्टी ने विदेश यात्रा की अनुमति वाली याचिका वापस ली

मुंबई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने मुंबई उच्च न्यायालय को बताया कि वह विदेश यात्रा की अनुमति के अनुरोध वाली अपनी याचिका वापस ले रही हैं। शिल्पा और उनके पति राज कुंद्रा 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में आरोपी हैं। उन्होंने कहा, भविष्य में जब भी शिल्पा और उनके पति विदेश यात्रा करना चाहेंगे, वे अदालत से अनुमति के लिए नयी याचिका दायर करेंगे। शिकायतकर्ता दीपक कोठारी ने दंपति पर आरोप लगाया था कि 2015 से 2023 के बीच दंपति ने उन्हें (कोठारी) अपनी कंपनी बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड में 60 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए प्रेरित किया लेकिन इस राशि का उपयोग उन्होंने अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए किया।

अवैध लौह अयस्क निर्यात में ईडी का छापा

नई दिल्ली/बेंगलुरु। ईडी ने कर्नाटक और हरियाणा में कई स्थानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी कर्नाटक के बेलेकेरी बंदरगाह के माध्यम से कथित अवैध लौह अयस्क निर्यात से संबंधित धनशोधन जांच के तहत की गई। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत बेंगलुरु और होसपेट (विजयनगर जिला) के कम से कम 20 परिसरों के अलावा हरियाणा के गुरुग्राम में भी कुछ परिसरों पर छापेमारी की गई।

21वीं सदी भारत की, 2047 तक विकसित होने का सपना होगा साकार : प्रधानमंत्री

मोदी बोले- मेक इन इंडिया के तहत ऑपरेशन सिंदूर में घरेलू स्तर पर निर्मित चीजों की ताकत देखी

- आंध्र प्रदेश को 13,000 करोड़ की विकास परियोजनाएं सौंपी

कुरनूल, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि 21वीं सदी 140 करोड़ भारतीयों की है और 2047 तक विकसित भारत का सपना साकार हो जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पर बिजली क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप भी लगाया। भारत के मेक इन इंडिया पारिस्थितिकी तंत्र की तारीफ करते हुए मोदी ने कहा, हमने ऑपरेशन सिंदूर में घरेलू स्तर पर निर्मित उपकरणों की ताकत देखी, जो 22 अप्रैल के पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान व उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ चलाया गया सैन्य अभियान था।

प्रधानमंत्री ने आयकर छूट की सीमा 12 लाख रुपये किए जाने और जीएसटी के ढांचे में सुधार जैसे हालिया घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए कहा कि नागरिक-केंद्रित विकास राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि लोगों के जीवन को आसान बनाने के लिए लगातार सुधार किए जा रहे हैं। मोदी ने आंध्र प्रदेश के लिए 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास करने के बाद यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, जैसा कि (आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री) चंद्रबाबू नायडू ने कहा है, 2047 में आजादी के शताब्दी वर्ष तक विकसित भारत का सपना साकार हो जाएगा। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि 21वीं सदी भारत की होगी। 21वीं सदी 140 करोड़ भारतीयों की है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया भारत को 21वीं सदी के नए विनिर्माण केंद्र के रूप में देख रही है और इस सफलता का आधार आत्मनिर्भर भारत का दृष्टिकोण है, जबकि आंध्र प्रदेश इसकी सफलता का प्रमुख केंद्र बन रहा है। मोदी ने आरोप लगाया कि 11 साल पहले जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब प्रति व्यक्ति बिजली की औसत खपत 1,000 यूनिट से भी कम थी, लेकिन उस समय देश को ब्लैकआउट जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता था और हमारे गांवों में बिजली के खंभे तक नहीं थे।

आज देश के हर गांव तक बिजली पहुंच चुकी है। प्रति व्यक्ति बिजली की खपत बढ़कर 1,400 यूनिट हो गई है। आंध्र प्रदेश के पास अब मुख्यमंत्री चंद्रबाबू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के रूप में एक दूरदर्शी नेतृत्व है तथा केंद्र सरकार राज्य को पूरा सहयोग दे रही है। कहा कि गूगल के एआई हब निवेश से एक नया अंतर्राष्ट्रीय सब-सी गेटवे विकसित होगा, जिससे कई देशों की समुद्र के नीचे बिछाई गई केबल प्रणालियां जुड़ी होंगी और ये पूर्वी तट पर विशाखापत्तनम तक आएंगी।

कुरनूल में विकास कार्यों के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह में उपस्थित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● एजेंसी

आंध्र प्रदेश में निर्मित रक्षा उपकरण भारत के रक्षा निर्यात को देंगे बढ़ावा

प्रधानमंत्री ने कहा, आंध्र प्रदेश में निर्मित रक्षा उपकरण भारत के रक्षा निर्यात को बढ़ावा देंगे। हमने ऑपरेशन सिंदूर में भारत में निर्मित उपकरणों की ताकत देखी है। इससे पहले, मोदी ने राज्य के विभिन्न हिस्सों के लिए विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं उद्योग, बिजली, सड़क, रेलवे, रक्षा विनिर्माण और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस जैसे प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ी हुई हैं।

बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के 2 दोषियों को फांसी की सजा

संवाददाता, लखनऊ

- आगरा का मामला, 18 महीने बाद आया पॉक्सो कोर्ट का फैसला

आगरा में पॉक्सो कोर्ट ने 18 महीने की सुनवाई में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के 2 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। इस मामले में 18 गवाहों की गवाही हुई। इसके बाद कोर्ट ने अपराध को जघन्य और घृणित मानते हुए दोनों आरोपियों को दंड दिया है।

जानकारी के अनुसार बाह में रिश्ते के चाचा ने अपने साथी के साथ मिलकर घर के बाहर खेल रही पांच वर्षीय बच्ची का अपहरण कर लिया। दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी। यही नहीं, परिवार से नाटकीय क्रम कर छह लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। मामले में न्यायालय ने चाचा और उसके एक साथी को भी दोषी माना है। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट सोनिका चौधरी ने बाह के फरेरा निवासी अमित और होलीपुरा के निखिल को फांसी की सजा सुनाई है। न्यायालय ने अपराध को जघन्य और घृणित माना है। बता दें कि 18 माह पूर्व 18 मार्च 2024 में बाह थाना क्षेत्र के एक गांव में घर के बाहर खेल रही बच्ची को उसके रिश्ते के चाचा अमित और उसका साथी निखिल बहला कर बाइक पर बिठा कर ले गए। फिर घटना को अंजाम दिया।

पुलिस की माने तो मामले को दूसरी दिशा देने को आरोपितों ने 19 मार्च को एक मोबाइल नंबर से बच्ची के पिता को कॉल कर छह लाख की फिरौती मांगी। इसके बाद पिता ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपितों को 20 मार्च को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों की निशानदेही पर शव को बरामद किया गया।

जूता उछालने का प्रयास करने वाले वकील पर चलेगा अवमानना का केस

- अटॉर्नी जनरल ने कार्रवाई शुरू करने की सहमति दी

नई दिल्ली। अटॉर्नी जनरलने भारत के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंकने का प्रयास करने वाले वकील के खिलाफ अवमानना कार्रवाई शुरू करने की सहमति दे दी है।

गुरुवार को उच्चतम न्यायालय को इस बारे में सूचित किया गया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के प्रमुख एवं वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे. बागची की पीठ से अनुरोध किया कि प्रधान न्यायाधीश पर जूता फेंकने वाले वकील राकेश किशोर के खिलाफ अवमानना मामले की सुनवाई की जाए। सिंह ने कहा कि 6 अक्टूबर को हुई इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर अनगिनत सामग्री प्रसारित हुई है, जो संस्थागत अखंडता और गरिमा को ठेस पहुंचा रही है। मेहता और सिंह ने अदालत से सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री पोस्ट करने पर रोक से संबंधी आदेश पारित करने का अनुरोध करते हुए कहा कि हर तरह की अपमानजनक टिप्पणियां की जा रही हैं।

डिजिटल अरेस्ट के जरिए व्यवसायी से 58 करोड़ की ठगी

मुंबई। मुंबई में जालसाजों ने खुद को सीबीआई और ईडी का अधिकारी बताकर 72 वर्षीय एक व्यवसायी को 'डिजिटल अरेस्ट' का शिकार बनाया तथा उनसे कथित तौर पर 58 करोड़ रुपये ठग लिए। यह ठगी 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े मामले में किसी व्यक्ति से की गई सबसे बड़ी ठगी में से एक हो सकती है। महाराष्ट्र साइबर विभाग ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

एक्सप्रेस-वे पर दो विदेशी नागरिकों की गई जान

संवाददाता बांगरमऊ, उन्नाव

- श्रावस्ती से दिल्ली जाते समय बांगरमऊ हवाई पट्टी पर घटी घटना

अमृत विचार: बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की हवाई पट्टी के पास लघुशंका के लिए कार से उतरे दो थाईलैंड नागरिकों को तेज रफ्तार कार ने रौंद दिया। इसमें दोनों की मौके पर मौत हो गई।

वहीं कार चालक गंभीर घायल हो गया। हादसे में कार में बैठी थाईलैंड की महिला व पुरुष बाल-बाल बच गए। जानकारी के अनुसार थाईलैंड देश के चार बौद्ध धर्मावलंबी श्रावस्ती के बौद्ध मंदिरों में रहते हैं। चारों पर्यटक जिला श्रावस्ती के मोहल्ला कटरा नवीन मंडी निवासी चालक प्रकाश (35) वर्ष पुत्र पारस नाथ के साथ बौद्ध मंदिर ट्रस्ट की कार से दिल्ली जा रहे थे। तभी कोतवाली क्षेत्र के आगरा एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार शाम करीब साढ़े चार बजे किलोमीटर संख्या 240 गांव नसिरापुर हवाई पट्टी के चालक ने लघुशंका के लिए कार रोक दी। चालक के साथ ही थाईलैंड निवासी धर्मावलंबी सकूलसक (50) व अनन (57) भी लघुशंका के लिए कार से उतर गए। तभी पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने थाईलैंड के दोनों नागरिकों को कुचलते हुए चालक को भी टक्कर मार दी। विदेशी नागरिकों के हादसे का शिकार होने सूचना पर हड़कंप मच गया। सभी घायलों को सीएचसी लाया गया। जहां डॉक्टर ने जांच में दोनों विदेशी नागरिकों को मृत घोषित कर दिया। वहीं चालक को जिला अस्पताल भेजा गया।

त्योहारों पर कड़ी सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के दिए निर्देश

संवाददाता, लखनऊ

- डीजीपी ने सोशल मीडिया की निगरानी व भ्रामक पोस्ट करने वालों पर कार्रवाई के निर्देश दिए

उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने आगामी त्योहारों के मौके पर मातहत अधिकारियों को चौकसी बरतने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी निर्देश दिए हैं।

डीजीपी ने प्रदेश के सभी क्षेत्रीय, परिक्षेत्रीय पुलिस महानिदेशकों, आयुक्तों, महानिरीक्षकों, उप महानिरीक्षकों तथा जिला पुलिस प्रमुखों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैयादूज आदि के संबंध में जारी दिशानिर्देशों में छोटी से छोटी सूचनाओं को भी गंभीरता से लेकर कार्रवाई करने, सोशल मीडिया की सघन निगरानी करने और भ्रामक पोस्ट करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की हिदायत दी है। कृष्ण ने धनतेरस, दीपावली आदि के अवसर पर सर्राफा बाजारों तथा अन्य बाजारों में भीड़-भाड़ के मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश देते हुए यह भी कहा कि बाजारों में 'एंटी रोमियो स्क्वाड' को भी सक्रिय रखा जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस के अधिकारी छोटी से छोटी सूचनाओं को भी गंभीरता से लें।

दावा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस पर दबाव बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया

ट्रंप बोले- मोदी ने रूस से तेल नहीं खरीदने का दिया आश्वासन

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उनके मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत अब रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। ट्रंप ने साथ ही कहा कि यह कदम यूक्रेन पर आक्रमण रोकने के लिए रूस पर दबाव बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।

पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बावजूद भारत द्वारा रूस से पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद जारी रखना एक बड़ा मुद्दा बन गया है। इसका भारत और अमेरिका के संबंधों पर गंभीर प्रतिकूल असर पड़ा है। ट्रंप ने बुधवार को अपने ओवल कार्यालय में पत्रकारों से कहा कि अमेरिका इस बात से खुश नहीं है कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसी खरीद से रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को युद्ध के लिए वित्तपोषण में मदद मिलती है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक सवाल के जवाब में कहा, वह (मोदी) मेरे मित्र हैं, हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। हम उनके द्वारा रूस से तेल खरीदे जाने से खुश नहीं थे क्योंकि इससे रूस को यह बेतुका युद्ध जारी रखने का मौका मिला। इस युद्ध में उन्होंने लाखों लोगों को खो दिया।

उन्होंने कहा, मैं इस बात से खुश नहीं था कि भारत तेल खरीद रहा है और (मोदी) ने आज मुझे आश्वासन दिया कि वे रूस से तेल नहीं खरीदेंगे। यह एक बड़ा कदम है। अब हमें चीन से भी यही करवाना होगा। 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के अनुसार, चीन के बाद भारत रूस से कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि भारत खरीद में संभवतः तुरंत कटौती नहीं कर पाएगा, लेकिन प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने कहा, हम राष्ट्रपति पुतिन से बस यही चाहते हैं कि वह इसे रोक दें, यूक्रेनियों और रूसियों को मारना बंद करें। वे बहुत सारे रूसियों की भी जान ले रहे हैं। यह एक ऐसा युद्ध है जिसे उन्हें एक सप्ताह में जीत लेना चाहिए था और अब यह अपने चौथे साल में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री को एक महान व्यक्ति बताते हुए कहा, वह ट्रंप से प्यार करते हैं मैं नहीं चाहता कि आप प्यार शब्द को किसी और तरह से लें मैं उनका राजनीतिक करियर बर्बाद नहीं करना चाहता। ट्रंप ने मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की।

भारत ने कहा- ऊर्जा खरीद के आधार को व्यापक व विविधतापूर्ण बना रहे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद में कटौती का आश्वासन दिए जाने के अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे के कुछ ही घंटे बाद, भारत ने कहा कि वह बाजार की परिस्थितियों के अनुरूप ऊर्जा स्रोत के आधार को व्यापक और विविध बना रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ट्रंप के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अस्थिर ऊर्जा परिदृश्य में भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना सरकार की निरंतर प्राथमिकता रही है। भारत की आयात नीतियां पूरी तरह राष्ट्रीय हित से निर्देशित हैं और देश अमेरिका के साथ भी ऊर्जा संबंधों के विस्तार पर विचार कर रहा है। जायसवाल ने कहा, स्थिर ऊर्जा मूल्य और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करना हमारी ऊर्जा नीति के दोहरे लक्ष्य रहे हैं। पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद भारत द्वारा रूस से पेट्रोलियम उत्पादों की निरंतर खरीद एक बड़ा मुद्दा बन गया है, जिसके परिणामस्वरूप नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंधों में भारी गिरावट आई है।

न्यूज ब्रीफ

ओबीसी छात्रों को आज छात्रवृत्ति देंगे मुख्यमंत्री

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को लोकभवन स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित छात्रवृत्ति वितरण समारोह में प्रदेश के लगभग पांच लाख छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करेंगे। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से 4.83 लाख से अधिक छात्रों के बैंक खातों में 126.68 करोड़ की राशि ट्रांसफर करेंगे। वित्तीय वर्ष 2025-26 में पहली बार छात्रवृत्ति वितरण का कार्य सितंबर माह से ही प्रारंभ किया गया है। पहले चरण में 2.5 लाख से अधिक अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) छात्रों को लगभग 62.13 करोड़ की छात्रवृत्ति दी जा चुकी है।

अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ, रायबरेली और उन्नाव जनपदों में अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत गुरुवार को संयुक्त आबकारी टीमों ने बड़ी कार्रवाई की। संयुक्त अभियान में लखनऊ से आबकारी निरीक्षक राम श्याम त्रिपाठी (क्षेत्र-3), राहुल सिंह (सेक्टर-11) और अखिलेश कुमार (क्षेत्र-2) अपनी टीमों के साथ शामिल रहे। उन्नाव से निरीक्षक निशांत सिंह (क्षेत्र-4, पूर्वा) और रायबरेली से निरीक्षक रॉबिन आर्या (क्षेत्र-2, बछरावां) अपनी टीमों के साथ मौजूद थे। छापेमारी सई नदी के किनारे और आसपास के जंगल व बगीचों के संदिग्ध स्थलों पर की गई। दबिश के दौरान लगभग 80 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई, जबकि 500 किलोग्राम लहन को मौके पर नष्ट कर दिया गया।

मजहब नहीं ले सकता धर्म का स्थान : रंजन

अमृत विचार, लखनऊ: भारत दुनिया का एकमात्र धर्मप्राण देश है। साम्यवादियों ने सबसे अधिक नुकसान भारत का ही किया है। 'धर्म' का स्थान कभी भी 'रिलीजन' या 'मजहब' नहीं ले सकता। यह बातें गुरुवार को गोमतीनगर स्थित सीएमएस सभागार बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वान्त रंजन ने वरिष्ठ पत्रकार व लेखक नरेंद्र भदौरिया की 16वीं पुस्तक 'अमिय' के विमोचन समारोह में कहीं। रंजन ने कहा कि भदौरिया जैसे लेखक अपनी रचनाओं के माध्यम से भारतीय विचार परंपरा की शुद्धता और राष्ट्रीय आत्मबोध को सशक्त करते हैं। उनकी पुस्तकों में अमृत कलश के समान विचारों की निर्मलता और संस्कृति के प्रति समर्पण झलकता है। विशेष अतिथि के रूप में अवध प्रांत के प्रांत प्रचारक कौशल जी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संयुक्त क्षेत्र प्रचार प्रमुख (उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड) कृपा शंकर ने कहा कि भदौरिया ने लेखन को कभी विश्राम नहीं दिया, चाहे आपातकाल हो या कोई अन्य दौर, उन्होंने निर्भीकता से अपना पक्ष रखा। उनके लेखन में अनुभवों का विशाल भंडार है। दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संस्थापक डॉ. आशीष गौतम ने कहा कि 'अमिय' सत्य कहने का साहस जगाने वाली पुस्तक है। वहीं राष्ट्र सेविका समिति की क्षेत्र प्रचारिका शशि दीदी ने कहा कि साहित्य समाज जागरण का माध्यम है।

छापे में पनीर-दूध मिला मिलावटी

दीपावली से पहले मिलावटखोर सक्रिय, खाद्य विभाग ने की छापेमारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पनीर निर्माण में रसायन का प्रयोग किए जाने पर 5 प्रतिष्ठानों पर एफआईआर दर्ज
- दो खाद्य सुरक्षा अधिकारी निलंबित, 8 डेयरी व 2 दुकानों के लाइसेंस निलंबित
- बदायूं, गाजीपुर, बुलंदशहर, प्रयागराज, संभल, कानपुर, सहारनपुर में हुई कार्रवाई

अमृत विचार : प्रदेश में दीपावली से पहले तमाम मिलावटखोर सक्रिय हैं। धर-पकड़ के दौरान मिलावटी पनीर, मावा ही नहीं दूध, देशी घी तक में मिलावटी मिल रही है। ऐसे स्वास्थ्य की नजर से हानिकारक खद्य पदार्थों को मौके पर ही नष्ट कराया जा रहा है। प्रदेशभर में दीपावली के मद्देनजर खाद्य विभाग की छापामारी जारी है और इस कड़ी में आमजन से मिल रहीं शिकायतों पर भी राज्य सरकार कार्रवाई कर रही है।

कार्रवाई के तहत न केवल मथुरा के माठ क्षेत्र के खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेन्द्र कुमार और तहसील गोवर्धन क्षेत्र के मोहर सिंह, को निलंबित कर दिया गया, बल्कि, कई संस्थानों के लाइसेंस रद्द करते हुए उनपर एफआईआर भी दर्ज करायी गई है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश द्वारा चलाए जा रहे अभियान में अब तक प्रदेशभर में 5,464 निरीक्षण और 2,448 छापों के दौरान 3,369 नमूने एकत्र किए गए हैं। कुल 3,394 क्विंटल मिलावटी खाद्य सामग्री (476 लाख मूल्य) जब्त की गई है, जबकि 1,463 क्विंटल सामग्री (234 लाख मूल्य) नष्ट कराई गई।

सचिव खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार प्रदेश को मिलावट मुक्त बनाने के उद्देश्य से यह अभियान लगातार प्रभावी परिणाम दे रहा है। 16 अक्टूबर को की गई कार्यवाही में प्रदेश के कई जनपदों में भारी मात्रा में मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त और नष्ट किए गए। उन्होंने कहा कि दीपावली और छठ जैसे त्योहारों के पावन अवसरों पर जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मथुरा में बाजना क्षेत्र की चार डेयरियों में अपमिश्रक का प्रयोग पाए जाने पर चार एफआईआर दर्ज की गईं और छह लाइसेंस निलंबित किए गए। अलीगढ़ में 19,500 किग्रा मिलावटी खाद्य पदार्थ (17.37 लाख रु.) नष्ट कराए गए और 4,188 किलोग्राम सामग्री (23.55 लाख रु.) जब्त की गई। वहीं बदायूं में 2,100 किलोग्राम छेना मिठाई और 960 किलोग्राम पनीर, गाजीपुर में 1,439 किलोग्राम मिलावटी देशी घी, बुलंदशहर में 1,325 किलोग्राम मिलावटी पनीर, प्रयागराज में 5,295 किलोग्राम मिलावटी खाद्य तेल, सम्भल में 2,500 लीटर दूध, सहारनपुर में 1,060 किलोग्राम मिठाइयां तथा कानपुर नगर में 550 किलोग्राम मिलावटी खोया नष्ट कराया गया।

छोटे कारोबारियों, स्टाफ और मजदूरों पर नहीं होगी कार्रवाई : डॉ. जैकब

डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि आगरा के गबाना, खैर और मथुरा के बजना क्षेत्र ऐसे संवेदनशील क्षेत्र हैं, जहां बड़ी डेयरियां और पनीर फैक्ट्रियां संचालित हैं, जो मुख्यत: दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में दूध और पनीर की आपूर्ति करती हैं। मुख्यमंत्री की इच्छा के अनुरूप इन क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों में मिलावट के गिरोहों और माफिया तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए उनकी कमर तोड़ने का अभियान चलाया जाएगा। इसी प्रकार नकली दवाओं के गिरोहों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को यह स्पष्ट निर्देश दे दिए हैं कि छोटे कारोबारियों जैसे पनीर और मिठाई की छोटी दुकानों, स्टाफ या मजदूरों पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जाएगी।

हमारी स्वस्थ राजनीति, सरकार की प्रशंसा लोगों को अच्छी नहीं लगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी व उत्तराखंड प्रभारियों की बैठक में मायावती ने राजनीतिक सत्ता की मास्टर चाबी दोबारा हासिल करने का किया आह्वान

बैठक के दौरान बसपा प्रमुख मायावती।

अमृत विचार: बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) द्वारा बीती 9 अक्टूबर को राजधानी स्थित कांशीराम स्मारक स्थल पर संपन्न श्रद्धांजलि सभा सिर्फ सभा नहीं थी, बल्कि इसके माध्यम से पार्टी प्रमुख मायावती ने आने वाले पंचायत व विधानसभा चुनावों की चुनावी रणनीति का शंखनाद कर दिया है। उक्त सभा में सरकारी बसों के प्रयोग को लेकर उठे सवालों पर मायावती ने विरोधियों सपा-कांग्रेस को ''खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे'' की कहावत से जवाब देते हुए तीखा हमला बोला है, उन्होंने कहा कि हमारी स्वस्थ राजनीति, सरकार की प्रशंसा लोगों को अच्छी नहीं लगी, इन दलों में राजनीतिक ईमानदारी और साहस नहीं है।

बसपा प्रमुख, गुरुवार को माल एवन्यू स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय में यूपी स्टेट व उत्तराखंड प्रभारियों को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि रैली में बसपा के समर्थक अपना धन खर्च करके दूर-दूर से आए थे। रैली में सरकारी बसों के इस्तेमाल की बातें आधारहीन हैं। इतना ही नहीं, स्मारकों के रखरखाव को लेकर प्रदेश सरकार के प्रति मेरा आभार प्रकट करना इन लोगों को पसंद नहीं आया।

बैठक में मायावती ने जहां कार्यकर्ताओं को आयोजन की सफलता के लिए बधाई दी, वहीं उन्होंने साफ कर दिया कि अब पार्टी को "राजनैतिक सत्ता की मास्टर चाबी" दोबारा हासिल करनी है।

जन्मदिन पर आर्थिक सहयोग की अपील

मायावती ने पार्टी कार्यकर्ताओं से 15 जनवरी को उनके जन्मदिन पर आर्थिक सहयोग की परंपरा बनाए रखने की अपील की है, उन्होंने उस नीति को फिर दोहराया है, जिसमें बीएसपी किसी बाहरी पूंजी पर निर्भर नहीं रहना चाहती। उन्होंने एक ओर कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए विरोधियों पर तीखा प्रहार किया और पार्टी की आत्मनिर्भर पहचान को पुख्ता किया।

इसके लिए उन्होंने बहुजन समाज से अपील भी की है। विरोधी दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि बसपा दूसरी पार्टियों की तरह "पूंजीपतियों के इशारों पर चलने वाली पार्टी नहीं है, बल्कि जनकल्याणकारी सोच की अंबेडकरवादी पार्टी है।

लखनऊ स्थित शिव शांति आश्रम पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्मलीन पीठाधीश्वर संत शिरोमणि साईं चांडूराम के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन कर अर्पित की श्रद्धांजलि, साथ में अन्य।

मुख्यमंत्री योगी ने किए संत शिरोमणि साईं चांडूराम के अंतिम दर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को लखनऊ स्थित शिव शांति आश्रम पहुंचे और पीठाधीश्वर संत शिरोमणि साईं चांडूराम जी के पार्थिव शरीर के दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। योगी ने संत शिरोमणि के चरणों में नमन करते हुए कहा कि सिंधी समाज के प्रमुख धर्मगुरु का निधन न केवल अनुयायियों के लिए, बल्कि पूरे आध्यात्मिक जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने संत शिरोमणि साईं चांडूराम के पार्थिव शरीर पर केसरिया अंगवस्त्र ओढ़ाया और पुष्पांजलि अर्पित की। गौरतलब है कि संत शिरोमणि साईं चांडूराम बुधवार को ब्रह्मलीन हो गए थे।

वित्तीय शिक्षा वर्तमान समय की आवश्यकता

संवाददाता, रानीगंज, प्रतापगढ़। अमृत विचार : स्वामी करपात्री जी महाराज राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पूरे गोसाईं में गुरुवार वित्तीय शिक्षा विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का समापन हुआ। प्राचार्य प्रो. विजय कुमार मिश्र, एनआईएसएम की शिप्रा श्रीवास्तव एवं कौशिक कुणाल ने शुभारंभ किया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए विशेषज्ञ शिप्रा श्रीवास्तव ने कहा कि वित्तीय शिक्षा वर्तमान की आवश्यकता है। प्रत्येक युवा धन को वित्तीय प्रबंध बचत निवेश और वित्तीय सुरक्षा के मूल सिद्धांतों की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। इससे वह न केवल स्वयं को आर्थिक रूप से सशक्त बना सके बल्कि समाज में भी वित्तीय जागरूकता फैला सके। कौशिक कुणाल ने जागरूक किया। प्रो. श्याम नारायण यादव ने सभी का स्वागत एवं संयोजक डॉ.ज्योति शुक्ला ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर डॉ.गंगाराम वर्मा, डॉ.अंशुमान सिंह, डॉ.संदीप वर्मा, डॉ.नीलिमा सिन्हा, डॉ.श्रद्धा सिन्हा, डॉ.रेशम यादव, डॉ.संजय कुमार, मोहित कुमार ने भी संबोधित किया।

निराश्रित अनाथ नहीं, अब राज्याश्रित

लखनऊ : श्रम एवं सेवायोजन विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. एमके शन्मुगा सुन्दरम् ने कहा कि अटल आवासीय विद्यालयों को देश के आदर्श रेजिडेंशियल स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा। साथ ही कहा कि अब तक "निराश्रित-अनाथ" कहे जाने वाले विद्यार्थियों को आगे से "राज्याश्रित" कहा जाएगा।

मानसिक दिव्यांगों के पुनर्वास को मिला अनुदान

अमृत विचार, लखनऊ : शासन ने प्रदेशभर में मानसिक मंदित एवं मानसिक रूप से प्रशिक्षित दिव्यांगजनों के पुनर्वास के लिए संचालित एमआर होम (आश्रय गृह सह-प्रशिक्षण केंद्र) व हाफ वे होम व लांग स्टे होम चलाने वाली 15 स्वैच्छिक संस्थाओं को 2.12 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की है। इस अनुदान से लखनऊ, बदायूं, बरेली, गोरखपुर, फर्रुखाबाद और आजमगढ़ जनपदों की संस्थाएं लाभान्वित होंगी। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार, यह राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रथम किश्त के रूप में स्वीकृत की गई है। 12 एमआर होम संचालित संस्थाओं को कुल 1.73 करोड़ और तीन हाफ वे व लांग स्टे होम संचालित संस्थाओं को 38.50 लाख की राशि दी गई है।

आवश्यकता है

दिव्य कृपाल महाविद्यालय गोसवा मल्लावॉ हरदोई में विज्ञान संकाय के अन्तर्गत बी0एस0सी0 पाठ्यक्रम में रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वनस्पतिविज्ञान, भौतिक विज्ञान व गणित में सात – सात पद, तथा परास्नातक भौतिक विज्ञान में –04 पद

योग्यता व वेतन यूजीसी व ल0वि0वि0 मानक के अनुसार।

आवेदन

divyakripalpgcollege@gmail-com मो0–9161797179 पर भेजे।

प्रबंधक – श्री राकेश कुमार वर्मा

हेतु संदर्भित करने की सूचना/साधारण प्रारूप

न्यायालय श्रीमान् अपर आयुक्त न्यायिक प्रथम लखनऊ मण्डल लखनऊ

वाद संख्या–1834/2023
अं0धारा–24(4) उ0प्र0
राजस्व संहिता 2006
जिला रायबरेली

अरविन्द कुमार ....अपीलकर्ता

बनाम

राम खेलावन ....विपक्षी

राम खेलावन पुत्र बिन्दा दीन निवासी–ग्राम जातपुर, परगना डलमऊ, तहसील ऊँचाहार, जिला रायबरेली। ....**विपक्षी**

चूँकि उपरोक्त नामांकित वादी मैं इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि विपक्षी अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए 28.11.2025 के दिवस को 10:00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनुष्टि अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजाता हूँ और ऐसा न करने में असफल रहने पर उनके आवेदन की एक पक्षी रून सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

आंगनबाड़ी के 69,206 रिक्त पदों पर होगी भर्ती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्य सचिव ने की बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के कार्यों की समीक्षा
- कहा, भर्ती के लिए समय-सारिणी करें निर्धारित

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने प्रदेश के सभी जिलों में आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं आंगनबाड़ी सहायिकाओं के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए समय-सारिणी निर्धारित करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि समय सारिणी में प्रत्येक चरण के लिए समय-सीमा और तिथियां तय की जाएं, ताकि पूरे प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया में एकरूपता बनी रहे। भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाए।

उन्होंने हिदायत दी कि इससे पूर्व इन पदों को भरने के लिए सभी जिलों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति का गठन कर लिया जाए। इससे पूर्व इन पदों को भरने के लिए सभी जिलों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति का गठन कर लिया जाए। मुख्य सचिव ने ये निर्देश बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के कार्यों समीक्षा के दौरान दिए।

प्रकरण लंबित न रहें : गोयल

मुख्य सचिव एसपी गोयल ने चेतावनी देते हुए कहा कि पीड़ितों को सहायता देने के मद्देनजर प्रकरण अनावश्यक रूप से किसी भी स्तर पर लंबित न रहें। अनावश्यक रूप से अधिक समय तक प्रकरण को लंबित रखने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एसीएस ने दिया रिक्त पदों का ब्योरा

अपर मुख्य सचिव महिला कल्याण लीना जौहरी ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के 7,952 तथा आंगनबाड़ी सहायिकाओं के 61,254 पद रिक्त हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के रिक्त पदों में 2,123 पूर्व चयन प्रक्रिया से आच्छादित पद, 306 नव सृजित आंगनवाड़ी केंद्रों से संबंधित पद और 5,523 मिनी आंगनबाड़ी कार्यकत्री के पदों को मुख्य आंगनबाड़ी कार्यकत्री पद में परिवर्तित पद शामिल हैं। इसी प्रकार, आंगनबाड़ी सहायिकाओं के रिक्त पदों में 38,994 सेवानिवृत्ति, मृत्यु आदि कारणों से रिक्त पद और 22,260 मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों को मुख्य केंद्रों में अपग्रेड किए जाने से नव सृजित पद सम्मिलित हैं। कुल मिलाकर 69,206 रिक्त पदों को शीघ्र भरने की प्रक्रिया शुरु की जा रही है।

पंडित जी के आदर्शों पर चलने की आवश्यकता : डॉ. अखिलेश

संवाददाता, प्रतापगढ़।

पंडित बद्री प्रसाद पांडेय के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते प्रबुद्ध जन।

अमृत विचार : सामाजिक सद्भाव और धार्मिक सहिष्णुता के प्रतीक पं. बद्री प्रसाद पांडेय के जन्मतिथि पर उनके जन्म स्थान पूरे छतऊ के सद्भावना गार्डन में एक भव्य राष्ट्रीय सद्भावना समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राज्य निर्वाचन आयोग के विशेष कार्याधिकारी/सचिव डॉ. अखिलेश चन्द्र मिश्र ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए पंडित जी के आदर्शों पर चलने की आवश्यकता है। उन्होंने अपनी कविताओं के माध्यम से जीवन की क्षणभंगुरता और प्रेम-भाव को व्यक्त किया। धर्माचार्य मौलाना हयात उल्ला चतुर्वेदी ने कहा कि पंडित के रास्ते पर चलकर राष्ट्रीय ही नहीं, विश्व भर के मानव समाज को एक सूत्र में बांधा जा सकता है। लोकतंत्र सेनानी श्री रामसेवक त्रिपाठी ने उनके संस्मरण सुनाए। धर्माचार्य ओम प्रकाश पांडेय अनिरुद्ध रामानुज दास ने बताया कि पंडित जी ने धर्म सम्राट स्वामी करपात्री जी से दीक्षा ग्रहण करने के बाद उनके आदेश पर मध्य प्रदेश में अखिल भारतीय राम राज्य परिषद से विधानसभा का चुनाव लड़ा। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य शिव प्रकाश मिश्र सेनानी ने कहा कि पिता की स्मृति को नमन करके और सद्भावना का प्रसार करते हुए डा.शक्ति कुमार पांडेय ने समाज के सामने एक आदर्श प्रस्तुत किया है। संघ के विभाग प्रचारक ओम प्रकाश, संघचालक विजय कुमार पांडेय, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता आलोक कुमार पांडेय, विभाग बौद्धिक प्रमुख डॉ. सौरभ पांडेय ने भी संबोधित किया। राजमूर्ति सिंह सौरभ, शेख मुंशी रजा अनीस देहाती, प्रेम कुमार त्रिपाठी प्रेम ने काव्य पाठ किया। आयोजक सद्भावना फाउण्डेशन के अध्यक्ष डॉ. शक्ति कुमार ने पांडेय जी की स्मृतियों को रखा। अध्यक्षता सुविख्यात व्यंग्यकार डॉ.राजेन्द्र सिंह राज एवं संचालन सुप्रसिद्ध गीतकार सुनील प्रभाकर ने किया। हिमांशु पांडेय ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। उच्च न्यायालय के विनायक प्रसाद पांडेय, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रदेश सचिव सुरेंद्र प्रसाद पांडेय, जिला महामंत्री राजेश मिश्र, सुशील कुमार पांडेय, दिवाकर पांडेय, रूपेश पांडेय सहित प्रबुद्ध जन मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/फ्रेट, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल– वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लौट सं0	MSS-LKO-AYC-PS-134-25-1 (Misc-Static-Services-Parcel Scanner)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	15.10.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	31.10.2025 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	31.10.2025 at 10:30 hrs.
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है	E- Auction Module of www.ireps.gov.in

सं.: C/ParcelScanner/eauction/2025/SJK Date:- 15.10.2025 3201/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा0, मंडल रेल प्रबंधक हज़रतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.	ई–निविदा सूचना सं0	1186–वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता– उत्तर रेलवे– लखनऊ–तृतीय कॉल दिनांक– 16.10.2025
2.	कार्य का नाम	लखनऊ मंडल के अंतर्गत विभिन्न रेलवे कॉलोनियों में स्थित विभिन्न प्रकार के रेलवे आवासों की विद्युत परिसंपत्तियों की मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य।
3.	अनुमानित लागत	रु. 1,01,91,976.91/– (एक करोड़ एक लाख इक्यानवे हजार नौ सौ छिहत्तर रुपये एवं इक्यानवे पैसा)
4.	ई–निविदा की कीमत	शून्य
5.	बयाना राशि	रु. 2,01,000/– (दो लाख एक हजार रुपये मात्र)
6.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह।
7.	ई–निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 11.11.2025 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:00 बजे के बाद वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा0, उत्तर रेलवे, हज़रतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
8.	प्रस्ताव की वैधता	ई–निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
9.	उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर चेक की जा सकती है।

नं. 1186–वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता – उत्तर रेलवे – लखनऊ–तृतीय कॉल दिनांक– 16.10.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3206/25

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना सं. 47/2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है:–

क्रम सं.-1, कार्य का विवरण: विलासपुर रोड–रूद्रपुर सिटी अनुभाग के मध्य डब्ल्यू–बीम मेटल क्रैश बैरियर फेन्सिंग का शेष कार्य। (स्वीकृत कार्य के अन्तर्गत रूद्रपुर सिटी–रामपुर अनुभाग के मध्य 130 किमी/घंटा की गति बढ़ाने तक के मद्देनजर सेफ्टी फेन्सिंग (88.12 किमी.) का प्रावधान। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 9,05,07,593.65, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 6,02,500/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि: 06 माह। क्रम सं.-2, कार्य का विवरण: इज्जतनगर मंडल में समइं/काशीपुर के अधिकार क्षेत्र में लेवल क्रासिंग–सड़क, गेट लॉज आदि का रखरखाव। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 74,10,380.40, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 1,48,200/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि: 12 माह। क्रम सं.-3, कार्य का विवरण: इज्जतनगर मंडल में समइं/पीलीभीत के अधिकार क्षेत्र में लेवल क्रासिंग–सड़क, गेट लॉज आदि का रखरखाव। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 78,91,623.02, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 1,57,800/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि: 12 माह। क्रम सं.-4, कार्य का विवरण: (1) रामनगर स्टेशन पर लिनिन स्टोरेज, सफाई सामग्री एवं सुपरवाइजर रूम के साथ लालकुआँ स्टेशन पर लाउन्ड्री के लिये तेल भंडारण कक्ष का प्रावधान। (2) काठगोदाम स्टेशन पर बायो–टॉयलेट अपशिष्ट परीक्षण सुविधाओं के लिये कमरों का निर्माण। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 48,30,648.94, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 96,600/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि: 06 माह। क्रम सं.-5, कार्य का विवरण: वमइं/।/इज्जतनगर के अधिकार क्षेत्र में पीलीभीत, रूद्रपुर सिटी एवं काठगोदाम अनुभाग में इज्जतनगर मंडल में समपारों पर ओवरहेड टैंक के साथ नल के पानी की आपूर्ति का प्रावधान। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 73,95,145.19, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 1,47,900/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि: 06 माह। क्रम सं.-6, कार्य का विवरण: टनकपुर यार्ड, इसके पहुंच मार्गो एवं इज्जतनगर मंडल के समइं/पीलीभीत अनुभाग में विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण को रोकने के लिये बाउंड्री वॉल का निर्माण। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 8,23,69,325.17, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 5,61,900/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि: 12 माह।

(1) ई-निविदा दिनांक 06-11-2025 को 15:00 बजे तक आनलाइन जमा कर सकेंगे।
(2) ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाईट www.ireps.gov.in पर देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी.), इज्जतनगर
मुजाधि/डब्लू-297

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैंने अपना नाम Zubeda से बदल कर SIRAJUL W/O SIDDIK रख लिया है अब से मुझे मेरे सभी अभिलेखों में इसी नाम को लिखा ,पढ़ा व समझा जाये। निवासी -189, Babaganj Ghughter Ghunghter, Barabanki , 225302

सूचना

मैंने अपना नाम MOHAMMAD SIDDIQ से बदल कर SIDDIK S/O ABDUL GAFFAR रख लिया है अब से मेरे सभी अभिलेखों में इसी नाम को लिखा, पढ़ा व समझा जाये। निवासी-189, Babaganj Ghughter Ghunghter, Barabanki, U.P.) 225302

सूचना

मैंने अपने पुत्र सुबूर आलम खां व उनसे जुड़े सभी लोगों के गलत आचरण के कारण उनको अपनी चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध विच्छेद कर लिए है। उनके किये कार्यो/ लेनदेन की जिम्मेदारी उनकी ही होगी। **शाहिद आलम पुत्र आलम शेर नजमा परवीन पत्नी शाहिद आलम 88/368 फ्लैट नं0 –104, प्रथमतल चमनगंज कानपुर**

Public Notice

I, ASHFAQUE AHMAD(Given Name) Holding Indian Passport number N8263939 issued at RIYADH on 31/05/2016 hereby announced to change my name as ASFAQUE(Given Name) AHMAD (Surname) for all the future purpose.

सूचना

मैं, अमन सिंह पुत्र राजेश सिंह, निवासी जसापुर, मंगलपुर, डाकघर मंगलपुर, जिला कानपुर देहात, उत्तर प्रदेश–209310, घोषणा करता हूँ कि मेरे सीबीएसई 10वीं कक्षा के शैक्षिक दस्तावेज़ों में, जिनका रोल नंबर 5079887/2015 है, मेरा नाम गलती से राठौर अमन सिंह लिख दिया गया है। मेरा वास्तविक नाम अमन सिंह है, और मेरे माता–पिता के नाम भी मेरे सीबीएसई 10वीं कक्षा के शैक्षिक दस्तावेज़ों में मेरी माँ का नाम राजेश सिंह और मेरे पिता का नाम सरला लिखा गया है। हालाँकि, मेरी माँ का वास्तविक नाम सरला है और मेरे पिता का नाम राजेश सिंह है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थनी शबाना परवीन उम्र 41 वर्ष पत्नी मो.उबैद खान मोहल्ला बारिया टोला रौनाही, तहसील सोहावल जिला अयोध्या की मूल निवासी है। प्रार्थनी के पुत्र मो.हैदर उबैद खान विद्यालय में कक्षा 10 का छात्र है। विद्यालय के अभिलेखों में त्रुटिवश मो. हैदर उबैद खान की माता का नाम शबाना परवीन की स्थान पर शबाना खान अंकित हो गया, जो गलत है।सभी सरकारी दस्तावेजों में प्रार्थनी का नाम शबाना परवीन है। प्रार्थनी को इसी नाम से पुत्र के विद्यालय अभिलेखों में भी इसी नाम से अंकित कर जाना और पहचाना जाये।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शपथी के पिता मुन्नालाल पुत्र छोटे लाल का चाल चलन ठीक नहीं है और इनकी सोचने समझने की क्षमता क्षीण हो चुकी है शपथी के पिता मुन्नालाल अगर किसी भी व्यक्ति को अपनी जमीन जायदाद मकान आदि चल अचल संपति का हिबानामा वसीयत मुख्तार खास बैनामा अथवा किसी प्रकार की लिखा पढ़ी करते है तो वह मान्य नहीं होगा अवैध माना जाय लिखाने वाले व्यक्ति की इसकी सारी जिम्मेदारी होगी। **विजय कुमार पुत्र मुन्नालाल ग्राम सिंधौरा तह0 मिल्कीपुर जिला अयोध्या।**

सूचना

मैं हिमांशी यादव पुत्री जय सिंह यादव निवासी ग्राम करमी, पोस्ट चन्दनपुर, जिला उन्नाव पिन – 229501 की हूं भारतीय जीवन बीमा निगम पॉलिसी संख्या– 215580104 में मेरा नाम कुमारी शैली देवी (KM- SHAILI DEVI) अंकित है, जबकि अन्य अभिलेखों में हिमांशी यादव (HIMANSHI YADAV) दर्ज है। ये दोनों ही नाम मेरे हैं। अत: मुझे दोनों ही नामों से जाना–पहचाना व माना जाए।

सूचना

मैंने अपने भाई यशपाल सिंह पुत्र रामनरेश सिंह के गलत आचरण एवं चाल चलन के चलते समस्त प्रकार के संबंध विच्छेद कर लिये है। उसके किसी भी कृत्य या लेनदेन से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता या सरोकार नहीं होगा ,वह स्वयं जिम्मेदार होगा। **आशुतोष सिंह गौर पुत्र रामनरेश सिंह गौर, निवासी – नहर बाजार –अछल्दा –थाना – अछल्दा –तहसील – बिधूना ––जिला –औरैया।**

सूचना

सूचित हो कि मैं जीवन बाबू पुत्र जगरूप सिंह, निवासी वार्ड नं0–7, अम्बेडकरनगर अकबरपुर तहसील अकबरपुर जनपद कानपुर देहात, मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी पुत्री का नाम AKRTI तथा जन्मतिथि–05.10.2015 दर्ज है। जबकि पुत्री के आधार कार्ड सं0–3264 0482 2900 में पुत्री AKRATI व जन्मतिथि – 05.08.2014 दर्ज है जो कि सत्य व सही है। मेरी पुत्री का शुद्ध व सही नाम AKRATI व जन्मतिथि 05.08.2014 है। जिसे ही सही माना जाये।

अमृत विचार

देवा मेले में आज

अपराह्न 3 बजे से सायं 5 बजे तक प्रेक्षागृह में स्कूली बच्चों द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किये जायेंगे

सायं 5 बजे से कार्यक्रम की समाप्ति तक समापन समारोह स्मारिका विमोचन, प्रशस्ति पत्र वितरण

रात्रि 8 बजे से कार्यक्रम की समाप्ति तक लेजर-शो, इको-फ्रेंडली आतिशबाजी

(देवा मेला से संबंधित खबरें पेज 8 पर)

न्यूज ब्रीफ

शिविर में 65 मरीजों का किया परीक्षण

रामनगर, बाराबंकी : ग्राम चुरैलिया में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने प्राथमिक विद्यालय परिसर में शिविर लगाकर 65 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। डॉक्टर बीपी राज, फार्मासिस्ट अखिलेश और लैब टेक्नीशियन अर्चना की टीम ने सर्दी, जुकाम और बुखार से पीड़ित 35 मरीजों को निशुल्क दवाइयां वितरित कीं। साथ ही 13 लोगों की डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड की जांच की गई, जिनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई। सीएचसी अधीक्षक प्रणव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि गांव में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के साथ सतर्कता बरतने की सलाह भी दी जा रही है।

तीन घंटे में बरामद हुआ गुमशुदा किशोर

बाराबंकी, अमृत विचार : थाना कुर्सी पुलिस ने गुमशुदा को तीन घंटे के अंदर सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया। विद्यावती पत्नी सूरजभान निवासी खंडवा थाना देवा द्वारा थाना कुर्सी पुलिस को सूचना दी गई कि उनका लड़का सुमित उम्र 13 वर्ष कहीं गुम हो गया है, जो कुर्सी के टिकैतगंज में मोटर साइकिल की दुकान पर काम करता था। प्रभारी निरीक्षक कुर्सी के निर्देशन में त्वरित कार्यवाही करते हुए चौकी प्रभारी ओदार श्रीकांत मिश्रा द्वारा गुमशुदा को तीन घंटे के अंदर सकुशल बरामद कर उसके परिजन मां विद्यावती पत्नी सूरजभान को सुपुर्द किया गया।

पराली उठाने में सुस्त गति से किसान परेशान

रामनगर, बाराबंकी : क्षेत्र के किसानों ने पराली उठाने वाली संस्था की धीमी कार्यप्रणाली से रबी की फसलों की बुवाई में देरी होने की शिकायत की है। कई किसानों ने बताया कि पराली उठाने के नाम पर अग्रिम सुविधा शुल्क मांगा जाता है, जबकि शुल्क न देने वालों की पराली उठाने में बाधा आती है। तहसील फतेहपुर में किसानों द्वारा शिकायत पत्र देने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। किसानों का कहना है कि संस्था के कर्मचारियों का व्यवहार भी उदासीन है और अशोकपुर चाबु सराय स्थित सेंटर पर बार-बार संपर्क करने के बाद भी कोई समाधान नहीं मिल रहा।

टेट नियमों में बदलाव के खिलाफ विरोध

हैदरगढ़, बाराबंकी : टेट से जुड़ी समस्या को लेकर प्रदेश और देशभर के शिक्षकों में भारी चिंता बनी हुई है। गुरुवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र हैदरगढ़ पर शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में दिल्ली में टेट प्रकरण पर व्यापक आंदोलन की तैयारी जारी है। जिला उपाध्यक्ष विवेक कुमार गुप्ता ने बताया कि जिन शिक्षकों ने भर्ती के समय न्यूनतम योग्यता पूरी कर कई वर्षों से सेवा दी है, उनके नियमों में अचानक बदलाव से मानसिक दबाव बढ़ा है। इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह, महामंत्री कुलदीप मिश्रा समेत कई शिक्षक मौजूद रहे।

गांव लौट रहे चार लोगों पर जानलेवा हमला

फतेहपुर, बाराबंकी : कोतवाली क्षेत्र में जिला मुख्यालय से अपने गांव लौट रहे चार लोगों पर जानलेवा हमला कर लहूलुहान कर दिया गया। अगली बार जान से मारने की धमकी देकर आरोपी फरार हो गए। घायलों में एक की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। ग्राम गनेशपुरवा निवासी संतराम पुत्र रामदुलारे ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा कि 15 अक्टूबर की दोपहर वह तीन अन्य लोगों के साथ गांव लौट रहा था। तभी रामहरख, हरिचन्द्र, खुशीराम, अतुल कुमार और हरिचन्द्र की पत्नी ने बांका, फावड़ा और बेलचा आदि से संतराम, विक्रम, अंकित और नौमीलाल के सिर पर जानलेवा वार किए। बताया कि हमले से तीनों व्यक्ति खून से लथपथ होकर बेहोश हो गए। आरोपियों ने धमकी दी कि अगली बार नहीं छोड़ेंगे। संतराम ने बताया कि उनके घर के सदस्य आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे तो चारों घायल हालत में मिले। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उधर, गंभीर चोटों के कारण घायल व्यक्तियों को नजदीकी के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

900 किलो से अधिक नकली मिठाई, पनीर व दूध नष्ट

- श्रीराम स्वीट्स (समोसा सम्राट) के प्रतिष्ठान पर हुई बड़ी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

कार्रवाई करते एसडीएम व सहायक आयुक्त खाद्य। अमृत विचार

अमृत विचार: त्योहारों को देखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने गुरुवार को व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देशन में एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी नीरद पाण्डेय के नेतृत्व में गठित टीमों ने जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सघन निरीक्षण और प्रवर्तन कार्रवाई की। दशहराबाग स्थित श्रीराम स्वीट्स (समोसा सम्राट) के प्रतिष्ठान पर उपजिलाधिकारी नवाबगंज व खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने छापा मारा। छापे के दौरान मिठाई निर्माण में बेहद गंदगी व अस्वच्छता पाई गई। टीम ने यहां से पिन्नी मिठाई, छेना और पनीर के नमूने संग्रहीत करते हुए लगभग 300 किलोग्राम पिन्नी मिठाई, 150 किलोग्राम चीनी की मिठाई, 20 किलोग्राम गरी, 50 लीटर लाल चटनी, 50 किलोग्राम छेना, 50 किलोग्राम साबूत धनिया और 25 किलोग्राम पनीर जब्त किया। इनका अनुमानित मूल्य करीब दो लाख पच्चीस हजार रुपये आंका गया। गंदगी और मिलावट की आशंका को लेकर प्रतिष्ठान को इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किया गया है, और तय समयसीमा में सुधार न होने पर लाइसेंस निरस्त कर प्रतिष्ठान बंद करने की चेतावनी दी गई है। स्टेशन रोड स्थित सब्जी मंडी में खुले में बिक रहे पनीर का निरीक्षण भी टीम द्वारा किया गया। जांच के दौरान लगभग 150 किलोग्राम पनीर संदिग्ध पाया गया, जिसे नगर पालिका के वाहन द्वारा जेसीबी की सहायता से गड्ढा खोदकर नष्ट कर दिया गया। इस पनीर का मूल्य तीस हजार रुपये बताया गया। इसी क्रम में तहसील फतेहपुर कुर्सी स्थित ललित डेयरी का निरीक्षण किया गया, जहां खट्टा एवं दुर्गंधयुक्त 550 लीटर दूध पाया गया। इस दूषित दूध को मौके पर ही नष्ट करा दिया गया। अमृतपुर क्षेत्र स्थित एक खोया भट्ठी से भी 100 किलोग्राम खराब खोया जब्त कर नष्ट किया गया। तहसील रामसनेहीघाट के देवीगंज क्षेत्र में हिमांशु यज्ञसैनी के प्रतिष्ठान से 400 किलोग्राम रसभरी रसगुल्ला सीज किया गया है, जिसका अनुमानित मूल्य पचास हजार रुपये है। रसगुल्लों की गुणवत्ता को लेकर संदेह जताया गया है, और जांच के लिए नमूने प्रयोगशाला भेजे गए हैं। इसके अतिरिक्त मसौली स्थित लक्ष्मी स्वीट्स का भी निरीक्षण किया गया, जहां खाद्य सुरक्षा मापदंडों में कई खामियां पाई गईं। इन खामियों को लेकर भी इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किया गया है। पूरे अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरुण कुमार, भगौती प्रसाद, डॉ. अंकिता यादव, पल्लवी तिवारी, अनुराधा और अर्शी फारूकी मौजूद रहे। डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि कार्रवाई के दौरान कुल पांच नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विद्यार्थियों ने पेश किए रंगारंग कार्यक्रम

हैदरगढ़, बाराबंकी : ग्राम्यांचल महाविद्यालय में स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। रंगोली, मेहंदी, पोस्टर मेकिंग और चित्रकला प्रतियोगिताओं में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पर्यावरण, नारी सशक्तिकरण और स्वतंत्रता जैसे विषयों पर प्रतिभागियों ने रचनात्मकता का परिचय दिया। निर्णायक मंडल में बीडीओ पूजा सिंह, साहित्यकार रामेश्वर द्विवेदी और महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. लालमणि शुक्ल सहित अन्य मौजूद रहे। स्थापना सप्ताह के अंतर्गत 17 से 24 अक्टूबर तक खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी रहेगी। समारोह के संरक्षक पं. सिद्धार्थ अवस्थी ने कहा कि इस तरह के आयोजन छात्रों में आत्मविश्वास और समग्र विकास को प्रोत्साहित करते हैं।

लोगों को संबोधित करते यातायात प्रभारी रामयतन यादव। अमृत विचार

यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी, अमृत विचार : मिशन शक्ति फेज-5 के दृष्टिगत महिला थाना प्रभारी व यातायात पुलिस द्वारा टीआरसी महाविद्यालय सतरिख में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन कर महिलाओं, बालिकाओं को महिला सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरुक किया गया। जागरुकता कार्यक्रम में महिला थाना प्रभारी मुन्नी देवी द्वारा सभी को महिला सुरक्षा के प्रति जागरुक कर शासन व पुलिस के स्तर से संचालित समस्त योजनाओं एवं प्रबन्धों की जानकारी दी गई। साथ ही यातायात प्रभारी रामयतन यादव द्वारा सड़क सुरक्षा सम्बन्धी शपथ दिलाकर यातायात नियमों के प्रति जागरुक किया गया।

अब सुबह 10 से 1 बजे तक होगा डाक समाधान दिवस

- हर माह दो बार मिलेगी शिकायत निस्तारण की सुविधा

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी, अमृत विचार: बाराबंकी डाक मंडल में जनसामान्य की समस्याओं के समाधान के लिये प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय शुक्रवार को आयोजित होने वाले डाक समाधान दिवस के समय में परिवर्तन किया गया है। डाक अधीक्षक किरण सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि अब डाक समाधान दिवस प्रधान डाकघर बाराबंकी में सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित किया जाएगा। पूर्व में यह समाधान दिवस सुबह 8 से 11 बजे तक होता था। यह पहल पोस्टमास्टर जनरल लखनऊ मुख्यालय क्षेत्र के सुनील कुमार राय द्वारा आरंभ की गई थी, जिसका उद्देश्य डाक सेवाओं से जुड़ी शिकायतों का पारदर्शी और त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने जनसामान्य से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी समस्याएं एवं सुझाव लेकर निर्धारित तिथियों पर मुख्य डाकघर में उपस्थित होकर इस सुविधा का लाभ उठाएं।

50 लाख से अधिक की परियोजनाओं की समीक्षा

बाराबंकी, अमृत विचार: कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन के साथ 50 लाख से अधिक लागत वाली निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न विभागों व कार्यदायी संस्थाओं के अभियंताओं और नोडल अधिकारियों से परियोजना की प्रगति का फीडबैक लिया गया। डीएम ने निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य समयसीमा के भीतर, मानक के अनुरूप व गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। जिन परियोजनाओं की समीक्षा की गई उनमें बनीकोडर, नवाबगंज और सिरौलीगौसपुर में आईटीआई, रामसनेहीघाट का कल्याण मंडप, भिटरिया बस स्टेशन, पॉलिटेक्निक छात्रावास, महिला चिकित्सालय की लैब, होम्योपैथिक अस्पताल, विभिन्न थानों के भवन, ट्रांजिट हॉस्टल, अवसानेश्वर मंदिर व कई स्कूल-स्वास्थ्य परियोजनाएं शामिल रहीं। बैठक मंव पीडब्ल्यूडी, जल निगम, बाढ़ खंड, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित सभी तकनीकी अधिकारी मौजूद रहे।

लोगों को संबोधित करते विधायक साकेंद्र वर्मा। अमृत विचार

जीएसटी दरों में कटौती से देश को आर्थिक लाभ

फतेहपुर, बाराबंकी : ब्लॉक सभागार में आयोजित आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान विधानसभा सम्मेलन में विधायक साकेंद्र वर्मा ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीएसटी दरों में कटौती से देश को आर्थिक लाभ हुआ है। उन्होंने बताया कि छेना, साबुन, साइकिल, टीवी, वॉशिंग मशीन, ट्रैक्टर सहित कई वस्तुओं पर टैक्स कम किया गया है और 33 जीवन रक्षक दवाओं को टैक्स फ्री कर दिया गया है। विधायक ने व्यापारियों और जनता से अपील की कि वे विदेशी उत्पादों की बजाय स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता दें। उन्होंने चैनपुरवा क्षेत्र के दीपक निर्माताओं का उदाहरण देते हुए स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने की भी बात कही। साथ ही व्यापारियों को सरकार की ओर से दी गई सुविधाओं का लाभ उठाने और किसी भी समस्या के समाधान के लिए सरकार से संपर्क करने को कहा। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष अरविंद मौर्य, ब्लाक प्रमुख अनिल वर्मा, व्यापार मंडल अध्यक्ष रवींद्र वर्मा सहित कई व्यापारी मौजूद रहे।

पिकअप की टक्कर से ई-ऑटो चालक की मौत

सात घायल

संवाददाता, रामनगर, बाराबंकी

हादसाग्रस्त पिकअप। अमृत विचार

हादसे में क्षतिग्रस्त ऑटो। अमृत विचार

संजीत कुमार। (फाइल फोटो)

अमृत विचार: गुरुवार सुबह तेज रफ्तार पिकप ने सवारी लेकर जा रहे ई आटो में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में आटो चालक की मौत पर ही मौत हो गई जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हे इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। इनमें पांच लोगों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार को ग्राम धौखरिया निवासी 30 वर्षीय ऑटो चालक संजीत कुमार पुत्र अनूप लाल ऑटो में सवारियां बैठाकर बाराबंकी से रामनगर की ओर आ रहे था। ई आटो थाना क्षेत्र में गोंडा बहराइच हाईवे स्थित ग्राम मलिहामऊ के निकट पहुंचा ही था, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकप ने आटो में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में क्षतिग्रस्त आटो चालक की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि चार महिलाओं समेत 7 लोग घायल हो गए। सूचना पाते ही पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल महिला मुन्नी देवी पत्नी जय प्रकाश व उसके 7 वर्षीय पुत्र रितेश निवासी भौका जवारीपुर, रीना पत्नी वृजेश ग्राम हजरतपुर, शिवदेवी पत्नी आलोक ग्राम कटियारा को सीएचसी रामनगर भेजा गया। वहीं गम्भीर रूप से घायल पिंकू यादव पुत्र मनोहर ग्राम कुतलुपुर को सीएचसी बड़ागांव में भर्ती कराया गया। पांचों लोगों को हालत गंभीर होने से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। दो अज्ञात लोगों ने निजी अस्पताल में अपना इलाज कराया। पुलिस ने मृत ऑटो चालक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा है।

13 वर्षों से देवा मेला मंच की पहचान बने आशीष पाठक

आशीष पाठक।

देवा, बाराबंकी: देवा मेला की रौनक केवल झूलों और दुकानों तक सीमित नहीं है, इसकी असली आत्मा उस सांस्कृतिक मंच से झलकती है जहां देशभर के नामचीन कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से समां बांधते हैं। इस मंच की पहचान बन चुके हैं मंच संचालक आशीष पाठक, जिनकी जादुई आवाज और साहित्यिक अंदाज ने पिछले 13 वर्षों से दर्शकों के दिल में खास जगह बना ली है। शब्दों के जादूगर आशीष पाठक सिर्फ एंकर नहीं, एक सधी हुई प्रस्तुति के सूत्रधार हैं, जो हर कार्यक्रम को खूबसूरत अल्फाजों में पिरोकर दर्शकों तक पहुंचाते हैं। उनकी विशिष्ट शैली ही है कि वे रूप कुमार राठौड़, जावेद अली, पद्मश्री पीनाज मसानी, मालिनी अवस्थी, चंदन दास, विनोद राठौड़, निजामी बंधु जैसे कलाकारों के कार्यक्रमों की शान बन चुके हैं। दूरदर्शन और आकाशवाणी पर उनके विज्ञान विषयक कार्यक्रम भी प्रसारित हो चुके हैं। आशीष पाठक आज देवा मेला की पहचान बन चुके हैं। उनकी प्रतिभा को देखते हुए पूर्व जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार, रोशन जैकब, योगेश्वर राम मिश्रा, अखिलेश तिवारी सहित कई प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उन्हें सम्मानित किया जा चुका है। देवा मेला, महादेवा महोत्सव और राजधानी लखनऊ के अनेक कार्यक्रमों में उनकी आवाज आयोजन की गरिमा बढ़ाती है।

पत्नी के साथ न आने पर लगा ली फांसी

रामसनेहीघाट, बाराबंकी: दरियाबाद कोतवाली क्षेत्र में बुधवार देर रात एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा कि युवक अपनी पत्नी को मायके से लाने गया था, लेकिन पत्नी के साथ न लौटने पर विवाद के बाद उसने यह कदम उठाया। जानकारी के अनुसार ग्राम अंबरपुरवा निवासी 24 वर्षीय राजकुमार उर्फ अंकित का विवाह करीब दो वर्ष पूर्व हुआ था। बुधवार को वह अपनी पत्नी को लाने रामसनेहीघाट थाना क्षेत्र के हथौंधा गांव स्थित ससुराल गया था। पत्नी के साथ न आने को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। गुरुवार सुबह जब परिजन कमरे में पहुंचे तो उन्होंने अंकित का शव फंदे से लटका देखा।

पत्नी व उसके जीजा के उकसाने पर युवक ने लगाई थी फांसी

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी: तीन माह पहले लोनीकटरा थाना क्षेत्र में हुई आत्महत्या की घटना में नया मोड़ आ गया है। पिता ने मृतक की पत्नी व इसके जीजा पर सुसाइड के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए कोर्ट में गुहार लगाई। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना लोनीकटरा क्षेत्र के ग्राम छेदी का पुरवा निवासी बाबूलाल पुत्र सुखदीन ने अपने पुत्र संदीप की मौत को आत्महत्या न मानते हुए पत्नी मोहिनी व उसके जीजा रामसुमिरन उर्फ सुमिरन पर मानसिक उत्पीड़न व उकसाने का गंभीर आरोप लगाया। न्यायालय में गुहार लगाते हुए बाबूलाल ने बताया कि उनका पुत्र संदीप मुंबई में काम करता और पत्नी मोहिनी के खाते में नियमित रूप से पैसा भेजता था लेकिन मोहिनी का चाल-चलन ठीक न होने के कारण दोनों में अक्सर विवाद होता था। 18 जुलाई की रात संदीप का अपनी पत्नी से झगड़ा हुआ, जिसके बाद मोहिनी ने उसे कहा कि अगर तुम्हें बुरा लगता है तो जाकर जान दे दो। दूसरी सुबह उसका शव बाग में पेड़ से लटका मिला। पिता का कहना है कि मोहिनी का अपने जीजा रामसुमिरन उर्फ सुमिरन निवासी रायबरेली से अवैध संबंध था। दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत की रिकॉर्डिंग व कॉल डिटेल्स मौजूद हैं। आरोप है बहू मोहिनी व उसके जीजा के उकसाने पर परेशान होकर फांसी लगा ली।

निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

बाराबंकी, अमृत विचार : लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) सुनील कुमार वर्मा ने गुरुवार को बाराबंकी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्यों को तेज़ गति से पूरा करने के निर्देश दिए।

मंडल रेल प्रबंधक सुनील कुमार वर्मा वर्मा ने बताया कि स्टेशन की नई बिल्डिंग का लगभग आधा निर्माण कार्य पूरा हो चुका है चूंकि यह ग्रीन फील्ड प्रोजेक्ट नहीं है, इसलिए स्टेशन को चालू रखते हुए निर्माण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रेलवे प्रशासन का लक्ष्य यात्रियों को जल्द ही आधुनिक और सुविधायुक्त स्टेशन उपलब्ध कराना है।

शुभारंभ करतीं जिला पंचायत अध्यक्ष व एमएलसी। अमृत विचार

खेलों से होता है नेतृत्व क्षमता का विकास

बाराबंकी, अमृत विचार : रफी मेमोरियल इंटर कॉलेज मसौली में माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 73वीं जनपदीय एथलेटिक्स एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत और विधान परिषद सदस्य उमेश कुमार द्विवेदी ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। राजरानी रावत ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। खेलों से नेतृत्व क्षमता और सामूहिकता की भावना का विकास होता है। वहीं उमेश द्विवेदी ने खिलाड़ियों को खेल भावना से भाग लेने की प्रेरणा दी। श्वेत कपोत उड़ाकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत और आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर ओपी त्रिपाठी, संतोष कुमार मौर्य, डीपी तिवारी, अशोक त्रिपाठी, अर्चना पांडेय, नंदिता सिंह समेत कई प्रधानाचार्य, शिक्षक व खेल अधिकारी रहे।

प्रमाण-पत्र देते डॉ. सुजीत चतुर्वेदी व अन्य। अमृत विचार

पोस्टर प्रतियोगिता से दिया सामाजिक संदेश

बाराबंकी, अमृत विचार : सतरिख स्थित टीआरसी लॉ कॉलेज में दीपोत्सव महापर्व 2025 के उपलक्ष्य में अंतरविद्यालयी रंगोली एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के शासी निकाय अध्यक्ष डॉ. सुजीत चतुर्वेदी, सामाजिक कार्यकर्ता श्वेता चतुर्वेदी, जीआईसी हरख की प्रधानाचार्या संगीता चौधरी एवं पायनियर कॉलेज की पूर्व प्रधानाचार्या रेखा मिश्रा ने दीप प्रज्वलन कर किया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न कॉलेजों से 13 रंगोली व 6 पोस्टर टीमों ने हिस्सा लिया। छात्राओं ने पहलगाम हमले व ऑपरेशन सिंदूर जैसे विषयों पर रंगोली व पोस्टर बनाकर संदेशात्मक प्रस्तुति दी। निर्णायक मंडल में शामिल शिक्षिकाओं ने रचनात्मकता की सराहना करते हुए विजयी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए। रंगोली में ग्राम्यांचल विधि महाविद्यालय प्रथम, ममता डिग्री कॉलेज द्वितीय और श्यामा देवी डिग्री कॉलेज तृतीय स्थान पर रहे।

बाराबंकी डायरी

दो महिलाएं रहस्यमय ढंग से लापता

बाराबंकी, अमृत विचार : अलग-अलग थाना क्षेत्रों से दो विवाहित महिलाएं संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गईं। पहला मामला थाना असन्द्रा क्षेत्र का है। जहां के निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर दी कि उनकी पत्नी 12 अक्टूबर को रोजमर्रा का सामान लेने गई थी, जिसके बाद से घर नहीं लौटी। काफी खोजबीन के बावजूद कोई पता नहीं चल सका। आशंका है कि उसकी पत्नी किसी अज्ञात व्यक्ति के संपर्क में थी, जिससे वह फोन पर बात करती थी। महिला का मोबाइल नंबर भी बंद है। वहीं दूसरा मामला थाना फतेहपुर क्षेत्र का है। यहां के निवासी युवक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी पत्नी 14 अक्टूबर की शाम घर से कहीं चली गई, जिसके बाद से वो लापता है। वो अपने साथ 10 हजार रुपये नकद, करीब 100 ग्राम चांदी के पायल, एक सोने की नथ और तीन चांदी की अंगूठियां लेकर गई है। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला।

मारपीट प्रकरण में 4 साल की सजा

बाराबंकी, अमृत विचार : न्यायालय ने गंभीर मारपीट की घटना में अभियुक्त को 5 वर्ष का कारावास व 4 हजार रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया है। थाना सतरिख पर गंभीर मारपीट के अपराध की घटना के सम्बन्ध में पंजीकृत भादवि से सम्बन्धित अभियुक्त मनोज यादव पुत्र विश्राम निवासी परेठिया थाना सतरिख को विभिन्न धाराओं में न्यायालय जिला सत्र न्यायाधीश डीजे कोर्ट द्वारा दोषसिद्ध करते हुए 5 वर्ष का कारावास व अर्थदण्ड से दण्डित किया गया वहीं दो धाराओं में दोषमुक्त किया गया। संक्षिप्त विवरण के अनुसार 2 अगस्त 2023 को वादिनी ममता यादव पत्नी मनोज यादव निवासी परेठिया थाना सतरिख ने अभियुक्त मनोज यादव पुत्र विश्राम के विरुद्ध वादिनी को धारधार हथियार से मारने पीटने के सम्बन्ध में तहरीर दी गयी। तत्कालीन विवेचक उपनिरीक्षक कमलेशराज द्वारा साक्ष्य संकलन कर वैज्ञानिक विधि से विवेचना पूर्ण कर अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया गया।

गर्भवती महिला की बिगड़ी तबीयत, संदिग्ध हालात में मौत

रामसनेहीघाट, बाराबंकी : दरियाबाद थाना क्षेत्र में आठ माह की गर्भवती महिला की संदिग्ध दशा में मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के कुशफर गांव में गुरुवार को 26 वर्षीय अंजू पत्नी कुशमेश की अचानक तबीयत बिगड़ गई। मृतका लगभग आठ माह की गर्भवती थी, जिसे तबीयत खराब होने पर परिजन मथुरानगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बजाया जा रहा कि मृतका का विवाह लगभग पांच वर्ष पूर्व हुआ था। सीएचसी अधीक्षक अमित दुबे ने बताया कि जब महिला अस्पताल पहुंची, तब उसके नाक और मुंह से झाग निकल रहा था।

ट्रॉली विवाद में युवक को पीटा, मौत

सफदरगंज, बाराबंकी : थाना क्षेत्र के एक गांव में कुछ लोगों ने एक युवक को लात-घूंसों से पीटकर घायल कर दिया जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना बबुरिहा मजरे डमौरा में हुई। यहां के धीरेन्द्र वर्मा (34) की ट्रैक्टर ट्राली उनके घर के बाहर खड़ी थी। इस बीच गांव के कमल कुमार की धान की बोरियां कल्टीवेटर पर लादकर सुनील, सुभाष और ललित कुमार निकल रहे थे। रास्ते में कल्टीवेटर पर रखी एक बोरी धीरेन्द्र की ट्राली में फंसकर फट गई, जिससे विवाद शुरू हो गया। कुछ ही देर में दूसरे पक्ष के करीब एक दर्जन लोग और महिलाएं धीरेन्द्र के घर पहुंचकर हंगामा करने लगे। इसका विरोध करने पर आरोपियों ने धीरेन्द्र को इतना पीटा कि वो बेहोश होकर गिर गया। डरे सहमे परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों में मातम पसरा है वहीं गांव में तनाव का माहौल है।

पराली जलाने पर होगी कार्रवाई

सूरतगंज, बाराबंकी : पराली प्रबंधन को लेकर सूरतगंज के सभागार कक्ष में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गुंजिता अग्रवाल की अध्यक्षता में प्रधानों व पंचायत सहायकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पराली जलाने पर कड़ी कार्रवाई और अर्थदंड वसूलने की चेतावनी दी गई। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने कहा कि फसल कटाई के बाद किसान खेतों में पराली जला रहे हैं, जिससे मिट्टी की उपजाऊ शक्ति नष्ट हो रही है। शासन के निर्देशों के तहत अब किसी भी हाल में पराली जलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। तहसीलदार विपुल सिंह ने प्रधानों से जागरूकता फैलाने व फार्म रजिस्ट्री कार्यों में सहयोग की अपील की।

नकली किन्नर बन वसूली करते धराया

रामसनेहीघाट, बाराबंकी : कोतवाली क्षेत्र में भिटरिया चौराहे पर नकली किन्नर बनकर लोगों से अवैध वसूली कर रहा बहरूपिया स्थानीय किन्नरों की टीम के हाथों पकड़ा गया। एक युवक भिटरिया चौराहे के करीब किन्नर के वेश में लोगों से अवैध वसूली कर रहा था। इस बात की सूचना मिलने पर रामसनेहीघाट क्षेत्र में रहने वाली सानिया किन्नर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंची। बताया गया कि शराब के नशे में धुत युवक खुद को किन्नर बता रहा था। जब सानिया किन्नर टीम ने उससे किन्नर होने का प्रमाण दिखाने के लिए कहा, तो युवक टालमटोल करने लगा। टीम ने युवक से उसके कपड़े उतरवाकर जांच करने की बात कही, तो युवक का भेद खुल गया।

ऑनलाइन गेम से बिगड़ रही युवा पीढ़ी

शहर से लेकर गांव तक ऑनलाइन गेम से युवाओं पर पड़ रहा प्रतिकूल प्रभाव

वली चौधरी, सीतापुर

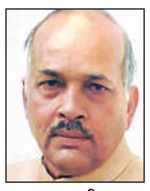
एजाज नकवी।

मनोज श्रीवास्तव।

अमृत विचार: क्रिकेट मैच और शेयर बाजार में इन दिनों युवा बढ़-चढ़कर जुड़ रहे हैं। ऑनलाइन और पर्चों के इस खेल में नई उम्र के लोग बिगड़ रहे हैं। बिगड़ती स्थितियों पर जानकारों का मानना है कि हालात सुधारने के लिए समाज के हर वर्ग को आगे आना ही होगा। क्योंकि शासन युवाओं के लिए तमाम से योजनाएं जो चला रहा है।

जनपद के युवाओं में सबसे अधिक असर पुराने शहर में देखने को मिला। वरिष्ठ समाजसेवी और रेलवे के पूर्व चीफ ट्रेन मैनेजर एजाज नकवी का कहना है कि विज्ञान के लाभ और हानि के बीच की धुरी मोबाइल बन गया। इससे युवा सीख कम बिगड़ अधिक रहे हैं। पहले अभिभावक बच्चों को बैठाकर किस्से-कहानियों के माध्यम से प्रोत्साहित करते थे, लेकिन अचानक आए बदलाव में बड़ी संख्या में बच्चे और युवा ऑनलाइन गेम के साथ सट्टा भी खेलने लगे। वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज श्रीवास्तव का मानना है कि बड़ी संख्या में युवाओं ने कम समय में बड़ा बनने की चाह में सट्टा बाजार की ओर रुख किया है। समाज में अपराधिक प्रवृत्तियों में वृद्धि हुई है।

> शहर और आसपास शातिरों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जुआरी ही नहीं बड़े अपराध करने वाले आरोपित भी बड़ी संख्या में जेल भेजे जाते रहे हैं। मिशन शक्ति अभियान के तहत युवाओं को जागरूक किया जा रहा है
> –विनायक गोपाल भोसले, सहायक पुलिस अधीक्षक

महमूदाबाद सर्किल में दिन में पांच बार खुलता है नंबर: महमूदाबाद सर्किल क्षेत्र में भी सट्टेबाजी का नेटवर्क तेजी से फैला है। नगर में कुछ एजेंट छोटे कस्बों में क्रिकेट सट्टे की पर्चियां काट रहे हैं। दिन में पांच बार विभिन्न शेयर मार्केट पे खुलने वाले नंबरों पर दांव भी युवा लगाते देखे जा सकते हैं।

व्हाट्सएप पर नंबरों का दांव, गूगल पे से भुगतान: अब सटोरिये तकनीक का पूरा इस्तेमाल कर रहे हैं। व्हाट्सएप ग्रुप पर टीमों के भाव, ओवर-दर-ओवर लाइन और नंबर साझा किए जाते हैं। जीत-हार का हिसाब डिजिटल वॉलेट, गूगल पे और फोनपे से निपटाया जाता है। इससे पुलिस को साक्ष्य जुटाने में मुश्किलें आ रही हैं।

बच्चे विषयवार नोटबुक का लें सहारा: डीएम

सीतापुर, अमृत विचार: जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने परसेण्डी विकास खण्ड के ग्राम पंचायत राही स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय राही का आकस्मिक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कक्षा कक्ष में जाकर छात्रों से विभिन्न विषयों पर चर्चा की। जिलाधिकारी ने छात्रों को प्रेरित किया कि पूर्ण मनोयोग से पढ़ाई करें। कक्षा में पढ़ाये गये विषय को नोटबुक पर अवश्य लिखें। जिलाधिकारी ने बच्चों की अभ्यास पुस्तिकाओं का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी निरीश चन्द्र साहू सहित संबंधित अधिकारी रहे।

रन फार वूमेन में प्रतिभाग करतीं छात्राएं। अमृत विचार

छात्राओं ने सीखे आत्मरक्षा के गुर

सीतापुर, अमृत विचार : महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य से शनिवार को रन फॉर वूमेन इंपावरमेंट का आयोजन हुआ। शहर के तरणताल स्टेडियम से पुलिस लाइन तक तीन किलोमीटर की इस दौड़ में स्कूली छात्राओं के साथ सैकड़ों महिला रिक्रूट आरक्षियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व एएसपी उत्तरी आलोक सिंह और सीओ सदर नेहा त्रिपाठी ने किया। दौड़ के दौरान छात्राओं ने बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ और सेल्फ डिफेंस इज सेल्फ रिस्पेक्ट के नारों से माहौल को ऊर्जावान बना दिया। पुलिस विभाग की ओर से प्रतिभागियों को आत्मरक्षा के टिप्स दिए गए। मार्शल आर्ट ट्रेनर योगेश व उनकी टीम ने सेल्फ डिफेंस की बारीकियां सिखाईं। मिशन शक्ति अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

न्यूज ब्रीफ

अलग–अलग स्थानों से पकड़े गए 7 वांछित

सीतापुर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर शातिरों को पकड़ने का अभियान चला। प्रभावी कार्रवाई थाना नैमिषारण्य, कमलापुर, महोली, रामपुर मथुरा की पुलिस टीमों द्वारा की गई। जिसमें थाना नैमिषारण्य से रमेश, धनीराम, दुलारे को गिरफ्तार किया। कमलापुर पुलिस ने वारंटी श्यामू की गिरफ्तारी की। महोली से वांछित रतिराम और रामपुर मथुरा पुलिस ने उदयराम ने आरोपी को जेल भेजा।

सभी पात्रों को मिले योजनाओं का लाभ

सीतापुर, अमृत विचार : जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने परसेण्डी विकास खण्ड के ग्राम पंचायत राही स्थित पंचायत भवन का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। उन्होंने पंचायत भवन के माध्यम से मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि नियमानुसार सभी सुविधाएं पंचायत भवन के माध्यम से उपलब्ध करायी जायें तथा लाभार्थीपरक योजनाओं से अधिक से अधिक पात्रों को लाभान्वित किया जाये। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी निरीश चन्द्र साहू, खण्ड विकास अधिकारी रजनीश कुमार शुक्ला सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पिपरा गांव के विद्यालय का किया निरीक्षण

कमलापुर, अमृत विचार : ब्लॉक कसमंडा की ग्राम पंचायत ऊंचाखेरा के पिपरा गांव स्थित विद्यालय ग्राम विकास अधिकारी ने निरीक्षण किया। बताते हैं कि निरीक्षण के दौरान स्कूल में शौचालय निर्माण और अन्य स्थानों पर गड्ढों को देखकर मरम्मत किये जाने के निर्देश दिये। इस दौरान ग्राम प्रधान किरन रावत सहित बड़ी संख्या में अभिभावक भी मौजूद रहे।

पुलिस ने विस्फोटक के साथ किया गिरफ्तार

इमलिया सुल्तानपुर : इमलिया सुल्तानपुर थाना पुलिस ने अवैध विस्फोटक पदार्थ सहित एक युवक को गिरफ्तार किया। पकड़े गए युवक पर विस्फोटक अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की गई है। इमलिया सुल्तानपुर थाना पुलिस ने सहादतनगर गांव से छापेमारी के दौरान आरोपित गांव निवासी अर्श पुत्र कमाल अहमद को उसी के घर से गिरफ्तार किया। पुलिस का दावा है कि आरोपी के कब्जे से 43 किलो विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ। छापेमारी के थानाध्यक्ष श्यामू कनौजिया और उनकी टीम मौजूद थी।

गणित ओलंपियाड में मिला प्रथम स्थान

खैराबाद, अमृत विचार : खैराबाद के पूर्व माध्यमिक विद्यालय दहेलिया श्रीरंग विद्यालय के कक्षा 7 के छात्र अक्षयदीप प्रजापति ने जनपद स्तरीय गणित ओलम्पियाड परीक्षा में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय व माता–पिता का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता डायट खैराबाद में संपन्न हुई। प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अक्षयदीप को बुधवार को उपशिक्षा निदेशक द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर मनीषा (प्रतियोगिता नोडल गणित प्रवक्ता), शिक्षक अरविंद त्रिपाठी आदि लोग मौजूद रहे। सभी ने उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पुलिस अधीक्षक ने किया बाजार का भ्रमण

सीतापुर, अमृत विचार : एसपी अंकुर अग्रवाल ने शहर की मुख्य बाजार का भ्रमण किया। इस दौरान कारोबारियों से संवाद किया गया। मुख्य मार्ग पर राहगीरों को निर्देश दिये गए। भ्रमण के दौरान बस स्टाप और रेलवे स्टेशन के नजदीक सघन चेकिंग अभियान भी चलाया गया।

फॉलोअप: दुकान समेत हाईवे के खंगाले गए सीसीटीवी फुटेज

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

गोपाल टंडन।

नितिन सिंह।

अमृत विचार: सेल्समैन सोनू के साथ हुई लूट की जांच आगे बढ़ चली है। हाइवे की कई दुकानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। जानकारों की मानें तो एसओजी टीम ने कई संदिग्धों से पूछताछ भी की।

माना जा रहा है कि वारदात का खुलासा पुलिस जल्द कर लेगी। हालांकि इस वारदात के बाद बीट पुलिस से जुड़े जिम्मेदारों की कार्यशैली पर सवाल खड़े किये जा रहे हैं। गौरतलब है कि देशी शराब की दुकान के सेल्समैन सोनू जायसवाल से बदमाशों ने नकदी लूट ली थी।

दर्ज अभियोग में सोनू ने नकदी का उल्लेख तो नहीं किया लेकिन घटना के तुरंत बाद राहगीरों को दिए गए बयानों में पांच लाख लूटे जाने की बात कही। इसी के बाद एसओजी टीम सक्रिय हुई। सूत्रों की मानें तो खैराबाद, हुसैनगंज सहित कई अन्य स्थानों के कुछ संदिग्धों से एसओजी टीम पूछताछ की। उधर, समाज सेवी गोपाल टण्डन का कहना है कि मुख्य मार्ग, संपर्क मार्ग और हाइवे पर सीसीटीवी लगाया जाना आवश्यक है। सभासद नितिन सिंह का कहना है कि पुल के नजदीक बिजवार चौकी है, ऐसे में बीट पुलिस का न होना जिम्मेदारी पर सवाल खड़े कर रहा है। क्षेत्राधिकारी सदर नेहा त्रिपाठी का कहना है कि केस पहले ही दर्ज किया जा चुका है, घटना के खुलासे को लेकर टीमें लगी हुई हैं। सीसीटीवी फुटेज का सहारा लेकर कई संदिग्धों से भी पूछताछ की जा रही है।

नौवें दिन समाप्त हुआ धरना

संवाददाता, इमलिया सुल्तानपुर

अमृत विचार: ऐलिया ब्लॉक मुख्यालय पर पसनैका के ग्रामीणों का आठ दिन चला धरना नौवें दिन समाप्त हो गया। ग्रामीणों ने मांगे पूरी न होने पर जब मुख्यमंत्री कार्यालय के लिए पैदल मार्च करने की घोषणा की तो प्रशासन के हाथ- पैर फूलने लगे। आनन- फानन में प्रशासन ने पुलिस का सहारा लिया, जिसके बाद सीओ महोली नागेंद्र चतुर्वेदी ने मामले का निराकरण कराने की जिम्मेदारी लेते हुए धरनारत ग्रामीणों को लखनऊ कूच करने से पहले मना लिया। अपनी मांगों के निस्तारण का आश्वासन पाकर सरोज सिंह आदि ने धरना स्थगित करने का ऐलान किया।

1279 शिक्षार्थियों को किया साक्षर

- ब्लॉक संसाधन केंद्र पर साक्षरता प्रमाण पत्र वितरण समारोह
- 90 शिक्षार्थियों को वितरित किए गए प्रमाण-पत्र

संवाददाता रामपुर मथुरा, सीतापुर

अमृत विचार: रामपुर मथुरा स्थित ब्लॉक संसाधन केंद्र पर विज्ञान फाउंडेशन एवं शिव नाडर फाउंडेशन के सहयोग से साक्षरता प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

खंड विकास अधिकारी प्रतिभा जायसवाल ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन की सबसे बड़ी शक्ति है, शिक्षा प्लस परियोजना ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता की नई दिशा दे रही है। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार पांडे ने कहा कि शिक्षित समाज ही सुरक्षित समाज की नींव है, जब लोग जागरूक व शिक्षित होंगे तो अपराध स्वतः घटेंगे। शिव नाडर फाउंडेशन के डायरेक्टर शरद त्रिवेदी ने कहा कि शिक्षा एक निरंतर प्रक्रिया है। इस अवसर पर एडियो पंचायत वीर सेन, सचिव ज्ञानेंद्र कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी उदय मणि पटेल, शिव नाडर फाउंडेशन से डॉ. शरद त्रिवेदी सहित अन्य उपस्थित रहे।

साक्षरता प्रमाण–पत्रों के साथ महिलाएं। अमृत विचार

बच्चे से कुकर्म का आरोप मां को भेजा अस्पताल

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार: तंबौर इलाके में दस वर्षीय बालक के साथ कुकर्म का मामला प्रकाश में आया। पीड़ित पक्ष की ओर से बेटे की मां जब तहरीर लेकर थाने पहुंची तो पुलिस ने मां को ही अस्पताल का रास्ता दिखा दिया।

थानाध्यक्ष कहते हैं कि बच्चे की प्राथमिक जांच में कुकर्म जैसी कोई बात नहीं सामने आई, अलबत्ता मां को पेट में दर्द था, इसलिए उसे एंबुलेंस बुलाकर अस्पताल भिजवाया गया। घटनाक्रम 29 सितंबर को तंबौर थानाक्षेत्र के एक गांव का है। मां का दावा है कि उसका दस वर्षीय बालक शौच के लिए खेत गया। यहीं पर आरोपी ने पहले बच्चे के हाथ पर साइकिल चढ़ा दी, फिर उसे गन्ने के खेत में खींच ले गया। दरिंदगी की शिकायत लेकर जब वो थाने पहुंचीं तो कहा गया कि चलो तुम्हारा इलाज कराते हैं। एंबुलेंस बुलाई गई और कुछ और महिलाएं भी थाने से अस्पताल भेजी गईं। चार इंजेक्शन लगे, तब जबकि उसे कोई बीमार नहीं थी। महिला कहती हैं कि थोड़ी बहुत शरीर में दर्द तो सभी को रहता है। दावा है कि बच्चे के साथ हुई दरिंदगी को लेकर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हुई।

प्रशस्ति पत्र मिलते ही खिले चेहरे

सांडा/सकरन, सीतापुर

अमृत विचार: मुख्य विकास अधिकारी प्रणता ऐश्वर्या ने सकरन ब्लॉक का भ्रमण किया। सेमराखुर्द गांव में लगाए शिविर में किशोरी बालिकाओं, महिलाओं और बच्चों को आयरन और फोलिक एसिड की गोलियां नींबू पानी के साथ खिलाई तथा उनका वितरण भी कराया। वहीं रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्राप्त बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। इस दौरान जिला विकास अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार राव, एपीओ विकास श्रीवास्तव, एडीओ पंचायत दिनेश यादव, सीडीपीओ शबीना फातिमा, मुख्य सेविका रीता मिश्रा, सुभाषिनी, पंचायत सचिव शशिकांत तिवारी, शैलेंद्र दीक्षित, प्रदीप चौधरी आदि मौजूद रहीं।

सीडीओ ने गांवों का जाना हाल: सीडीओ प्रणता ऐश्वर्या ने मदनापुर में अमृतसरोवर का निरीक्षण किया, वहीं बगहाढाक में गौशाला का निरीक्षण किया। इसके बाद लश्करपुर के शरीफपुर में संचालित और शाहपुर के लहसड़ा गांव में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्र के साथ कलिमापुर गौशाला का हाल जाना।

प्रशस्ति पत्र प्राप्त छात्राओं के साथ मुख्य विकास अधिकारी व अन्य। अमृत विचार

स्वास्थ्य केन्द्रों पर बने अस्थायी बर्न वार्ड: डीएम

संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार: जिलाधिकारी अभिषेक आनंद एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में शान्ति एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने आगामी त्योहारों के दृष्टिगत संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा अभी तक की गयी तैयारियों की समीक्षा की तथा आवश्यक निर्देश सभी संबन्धित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि प्राथमिक चिकित्सा, बर्न वार्ड, एंबुलेंस की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाय। सभी चिकित्सालय क्रियाशील रहें। चिकित्सकों की रोस्टर के अनुसार ड्यूटी लगायी जाय। आतिशबाजी की दुकानें लगाए जाने के लिए नियमानुसार कार्रवाई की जाय एवं समय से लाइसेंस निर्गत किए जाय। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी नीतीश कुमार सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेश कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, नगर मजिस्ट्रेट सहित समस्त उपजिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शराब की दुकानों के खंगाले गए सीसीटीवी फुटेज

बिसवां, अमृत विचार: शराब की दुकानों पर उपजिलाधिकारी के नेतृत्व में आबकारी टीम ने छापामारी की। स्टाक रजिस्टर और सीसीटीवी कैमरे खंगालते हुए आवश्यक निर्देश दिये गए। एसडीएम शिखा शुक्ला व आबकारी इंस्पेक्टर महेंद्र कुमार की टीम भारी पुलिस बल के साथ कस्बा स्थित शराब की दुकान पर पहुंची। एक-एक कर सभी दुकानें खंगाली गईं। चेकिंग के दौरान दुकानों पर स्टाफ की उपस्थिति, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, बिक्री रजिस्टर सहित अन्य अभिलेखों की जांच की गई। टीम ने शंकरगंज, सब्जी मंडी तथा बस स्टॉप स्थित कंपोजिट शराब दुकानों का निरीक्षण किया।

शिविर के दौरान उपस्थित चिकित्सीय टीम। अमृत विचार

स्वास्थ्य के प्रति रहें सजग : आरसी सिंघल

बिसवां, सीतापुर : दि सेक्सरिया शुगर फैक्ट्री बिसवां द्वारा मेदांता अस्पताल लखनऊ के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मुख्य अधिशासी आरसी सिंघल ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए। इन शिविरों के माध्यम से लोगों को प्रारंभिक बीमारियों की जानकारी मिल जाती है। शिविर में मेदांता अस्पताल के डॉ. मोहम्मद सुहेल और डॉ. स्वर्णनिन सिंह की टीम द्वारा सामान्य रोग पेट व सांस संबंधी रोगों के मरीजों को परामर्श दिया गया तथा ईसीजी, पीएफटी, बीएम आई, बीएस, बीपी, एसपीओ 2, पीआर, जैसी जांच भी कराई गई। शिविर में प्रथम दिन 82 मरीजों की जांच व परामर्श दिया गया।

लीकेज सिलेंडर से लगी आग, छात्रा की गई जान

संवाददाता, मानपुर, सीतापुर, अमृत विचार: मानपुर इलाके के मखुवापुर में गैस सिलेंडर में लीकेज से खाना बनाते समय आग लग गई। लपटो की चपेट में कक्षा 12 की छात्रा झुलस गई, इलाज के लिए उसे लखनऊ ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां किशोरी ने दम तोड़ दिया। मानपुर थानाक्षेत्र के मखुवापुर गांव में शालू पुत्री मिथलेश घर में खाना बना रही थी।

बताते हैं कि खाना बनाते समय सिलेंडर लीक हो गया, गैस रिसाव होते ही अचानक लपटें उठने लगीं। ऐसे में कक्षा 12 की छात्रा गंभीर रूप से झुलस गई। चीख पुकार सुनकर घर, परिवार और आसपास के लोग दौड़ पड़े, किसी तरह आग शांत कर शालू को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भिजवाया गया, जहां उपचार के दौरान किशोरी ने दम तोड़ दिया। इधर घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गयी। थाना प्रभारी अभिषेक कुमार ने बताया कि थाने पर कोई प्रार्थना पत्र परिजनों द्वारा नहीं दिया गया है। मामले में जांच कराई जा रही है।

300 मीटर बिग बोर में विजय अव्वल

प्रतियोगिता

संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार: 50वीं उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक शूटिंग स्पोर्ट्स रायफल/रिवॉल्वर, पिस्टल शूटिंग एवं एलार्म एफिसिएन्सी रेस प्रतियोगिता-2025 के तत्वाधान में 11वीं वाहिनी पीएसी के फायरिंग बट मैदान पर थ्री पी शूटिंग स्पोर्ट्स नयी स्पर्धा बिग बोर 300 मीटर प्रतियोगिता में व्यक्तिगत परिणाम में पीसी विजय कुमार (पीएसी मध्य जोन) प्रथम, आरक्षी दीपक सैनी (पीएसी मध्य जोन) द्वितीय, आरक्षी ऋषभ (पीएसी पश्चिमी जोन) तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी थ्री पी शूटिंग स्पोर्ट्स महिला नयी स्पर्धा बिग बोर 300 मीटर प्रतियोगिता में व्यक्तिगत परिणाम में आरक्षी नेहा रानी (लखनऊ जोन) प्रथम स्थान, आरक्षी निशा चौधरी (पीएसी पश्चिमी जोन) द्वितीय स्थान, आरक्षी प्रतीक्षा मौर्य (प्रयागराज जोन) तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर उप सेनानायक राजेश कुमार सोनकर (8 वीं वाहिनी पीएसी बरेली), सहायक सेनानायक आनंद कुमार ओझा (11 वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर), सहायक सेनानायक हीरालाल कनौजिया, मुख्य रेफरी प्रतिसार निरीक्षक जय चंद शर्मा (जीआरपी), सभी जोन से आए टीम मैनेजर व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

12 जोन की टीम करेगी प्रतिभाग: उप्र पुलिस के 12 जोन की टीम पीएसी पूर्वी जोन, पीएसी पश्चिमी जोन, मेरठ जोन, आगरा जोन, बरेली जोन, वाराणसी जोन, गोरखपुर जोन, लखनऊ जोन, प्रयागराज जोन, कानपुर जोन, जीआरपी जोन व मेजबान पीएसी मध्य जोन के खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे।

प्रतियोगिता के दौरान मौजूद प्रतिभागी। अमृत विचार

ताइक्वांडो में अविरल, तनिष्क और आदर्श अव्वल

कार्यालय संवाददाता सीतापुर, अमृत विचार : जिला खेल कार्यालय द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म शताब्दी के अवसर पर जिला स्तरीय जूनियर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पहले दिन ताइक्वांडो बालक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ मुख्य अतिथि डीपीआरओ डॉ. निरीश चन्द्र शाहू ने किया। प्रतियोगिता का संचालन सुरेन्द्र कुमार द्वारा किया गया। ताइक्वांडो अंडर 45 किग्रा भार वर्ग में अविरल वर्मा प्रथम स्थान हासिल किया , अंडर 51 किलो भार वर्ग में तनिष्क रावत प्रथम रहे और 56 किलो भार वर्ग में आदर्श पाल, अंडर 59 किलो भार वर्ग में शौर्य चौधरी रहे। वहीं कैडेट वर्ग में कार्तिकेय अव्वल रहे। इस मौके पर राज वर्मा, जिला व्यायाम शिक्षक सहित जिला खेल कार्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

शिविर लगाकर डीएम ने खिलाई सेहत की खुराक

दवा का वितरण करते जिलाधिकारी। अमृत विचार

टेबलेट खिलाकर कैंप का शुभारंभ करते ब्लॉक प्रमुख। अमृत विचार

सीतापुर, अमृत विचार: किशोरियों एवं महिलाओं को आयरन फोलिक एसिड की दवाएं वितरित किये जाने के लिए समस्त ग्राम पंचायतों में विशेष शिविर आयोजित किये गये। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में परसेण्डी विकास खण्ड की ग्राम पंचायत राही में विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर के दौरान महिलाओं को आयरन की कमी से होने वाली समस्याओं के विषय में जानकारी दी गयी। इस दौरान आकांक्षा गौतम, रजनीश कुमार शुक्ला, राजेन्द्र राजवंशी, मंजू शुक्ला, निरीश चन्द्र साहू आदि उपस्थित रहे।

महिलाओं और बच्चों को मिली आयरन की गोलियां: लहरपुर: महिला सशक्तिकरण के लिए स्थानी विकासखंड परिसर में एनीमिया मेगा कैंप का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख उमाशंकर वर्मा ने उपस्थित महिलाओं और बच्चों को आयरन की टेबलेट खिलाकर किया। ब्लॉक प्रमुख उमाशंकर वर्मा ने गर्भवती और धात्री महिलाओं को एनीमिया से बचाने के लिए दवाइयां दीं, इस मौके पर नोडल अधिकारी जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी तिलक सिंह, आदित्य नाथ प्रकाश, ब्लॉक प्रमुख एडवोकेट उमाशंकर वर्मा आदि मौजूद रहे।

कोमल सिंह बनी कोटेदार

कमलापुर, अमृत विचार : विखं खैराबाद की ग्राम पंचायत सरवरपुर केसरिया में नायब तहसीलदार वसुंधरा तिवारी की मौजूदगी में कोटे के लिए खुला बैठक की गई। बैठक में कोटे की दुकान के लिए दो प्रत्याशियों ने भाग लिया। कोमल सिंह पत्नी शिवेंद्र प्रताप सिंह व अनुराधा पत्नी धीरेंद्र यादव काफी देर तक चली। अनुराधा अपने समर्थकों के साथ खुली बैठक से वापस चली गई। इस पर नायब तहसीलदार, सचिव छाया यादव, व कमलापुर पुलिस प्रशासन ने मौजूद लोगों के आधार से गिनती कर कोमल सिंह के नाम प्रस्ताव पास कर दिया।

पांच दुकानों की खाद्य सामग्री के भरे नमूने

लहरपुर, अमृत विचार : दीपावली पर्व के चलते प्रवर्तन दल द्वारा क्षेत्र की पांच दुकानों की जांच कर खोया, बूंदी के लड्डू, छेना व काजू बर्फी के नमूने भरे गए। प्रवर्तन दल के नायब तहसीलदार अशोक यादव, खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुभाष यादव व अनंत स्वरूप ने क्षेत्र के हरिशंकर मिष्ठान भंडार, हरीश जायसवाल मिष्ठान भंडार, हलवाई मिष्ठान भंडार, शिवम मिष्ठान भंडार व जायसवाल मिष्ठान भंडार के प्रतिष्ठानों की जांच कर खोया के नमूने भरकर प्रयोगशाला भेजे गए।

किसान दिवस पर निकला शिकायतों का हल

सीतापुर, अमृत विचार : किसान दिवस का आयोजन विकास भवन सभागार में सीडीओ प्रणता ऐश्वर्या की अध्यक्षता में किया गया। उप कृषि निदेशक ने बताया कि कृषि विभाग के पोर्टल agridarshan.up.gov.in पर ऑनलाइन बुकिंग कर सरसों की मिनीकिट प्राप्त कर सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

भगवान केवल प्रेम के हैं भूखे: दिव्यांश कृष्णा

बछरावां : विकास क्षेत्र के अंतर्गत खालेगांव मजरे शेखपुर समोधा गांव में स्थित श्री झारखंडेश्वर महादेव मंदिर चल रहे श्रीमद् भागवत कथा के छठवे दिवस आचार्य दिव्यांश कृष्ण महाराज (श्री वृंदावन धाम) ने भगवान श्री कृष्ण एवं माता रुक्मणी के विवाह प्रसंग सुनाया। कहा कि भगवान केवल प्रेम के भूखे हैं। बताया कि भगवान श्री कृष्ण का विवाह रुक्मिणी द्वारा एक गुप्त संदेश के माध्यम से हुआ था। जिसमें उन्होंने श्री कृष्ण को अपना पति माना और उनकी ओर से प्रेम व्यक्त किया था। रुक्मिणी ने शिशुपाल से होने वाले अपने विवाह को रोकने के लिए श्री कृष्ण को संदेश भेजा, क्योंकि वे उनसे विवाह करने की प्रतिज्ञा कर चुकी थीं। संदेश मिलते ही श्री कृष्ण विदर्भ पहुँचे और विवाह मंडप से उनका हरण कर लिया। उन्होंने उद्धव चरित्र सहित श्रीमद् भागवत में भगवान श्री कृष्ण की अनेक लीलाओ का वर्णन भी किया।

त्योहारी अभियान बॉब के संग त्योहार की उमंग की शुरुआत

रायबरेली : क्षेत्रीय व्यवसाय विकास प्रबंधक रायबरेली केशव स्वामी ने बताया है कि अपना वार्षिक त्योहारी अभियान बॉब के संग त्योहार की उमंग शुभ भी. लाभ भी." फिर से लेकर आया है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष यह अभियान ऐसे देर सारे ऑफर्स लेकर आया है जो ग्राहकों की दीर्घकालिक आकांक्षाओं के साथ-साथ रोजमर्रा की जरूरतों, दोनों की पूर्ति के उद्देश्य से तैयार किए गए हैं। त्योहारी सीजन बेहतर वित्तीय विकल्प चुनने के लिए भी एक उपयुक्त समय होता है। मुख्य महाप्रबंधक बैंक ऑफ बड़ौदा शैलेंद्र सिंह ने कहा बैंक ऑफ बड़ौदा का मानना है कि त्यौहार सिर्फ एक उत्सव ही नहीं बल्कि उससे कहीं पड़कर होते हैं। ये हर किसी के लिए आकांक्षाओं और सपनों को पूरा करने का अवसर होना है। चाहे नया घर खरीदना हो, वाहन खरीदना हो या कारोबार का विस्तार करना हो।

कैसे मनेगी दिवाली, मनरेगा कर्मियों और श्रमिकों पर छाया आर्थिक संकट

पवन साहू, रायबरेली

समस्या
- कई महीनों से मानदेय और मजदूरी नहीं मिलने से पर्व का नहीं दिख रहा उल्लास

मुरैनी ग्राम पंचायत में काम करते मनरेगा मजदूर। अमृत विचार

अमृत विचार। दीपावली पर हर तरफ खुशी और उल्लास का माहौल है। घरों में लोग तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। वहीं मनरेगा कर्मियों और श्रमिकों पर आर्थिक संकट छाया है। कई महीनों से मानदेय और मजदूरी का भुगतान न होने के कारण उनके सामने त्योहार की खरीदारी का संकट खड़ा हो गया है। ब्लाक में कार्यरत एपीओ, कम्प्यूटर आपरेटर, तकनीकी सहायक, रोजगार सेवक व मनरेगा कर्मियों का जुलाई माह से सात लाख सोलह हजार दो सौ चौंतीस रुपये का मानदेय बकाया है। वहीं 23 ग्राम पंचायतों के श्रमिकों के सामने हालात बदतर हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार हाथ पर हाथ धरे बैठे हुए हैं। दीपावली जैसे महत्वपूर्ण त्योहार के ठीक पहले मानदेय और मजदूरी न मिलने से मनरेगा कर्मियों और हजारों श्रमिक परिवारों में मायूसी है। उन्होंने जिला प्रशासन से जल्द से जल्द बकाया भुगतान कराने की मांग की है ताकि वे भी अन्य लोगों की तरह खुशी-खुशी पर्व मना सकें।

563 श्रमिकों की 19.86 लाख मजदूरी अटकी: कर्मचारियों के मानदेय के साथ ही 563 मनरेगा श्रमिकों की 19 लाख 86 हजार 479 रुपये की मजदूरी भी लंबित है। यह मजदूरी 26 सितंबर 2025 से अभी तक जारी नहीं हुई है। बता दें कि यह बकाया मजदूरी कुसुढी सागरपुर, हिलहा, जनई, पाराखुर्द, अलीपुर, मझिगंवा, पाराकला, ज्यौना, टीसाखानापुर, कोटवा मोहम्मदाबाद, मउ, सिकन्दरपुर, सलेथू, कोटवा मदनिया, अटरा, राघवपुर, सुल्तानपुर, जमुरवा, ओथी, बारी गोहन्ना, असनी, ओई एवं सिरसा समेत कुल 23 ग्राम पंचायतों के श्रमिकों की है।

> मनरेगा कर्मियों के मानदेय व श्रमिकों की मजदूरी न मिलने के लिए जिले के कई बार उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया है। फिर भी अब तक भुगतान नहीं हो सका।
> -राजीव त्यागी, एपीओ।

सतत् पुनर्वास शिक्षा का कार्यक्रम आयोजित

रायबरेली। हरचंदपुर क्षेत्र में स्थित केएस मेमोरियल कालेज प्यारेपुर में भारतीय पुनर्वास परिषद भारत सरकार नई दिल्ली की ओर से सतत् पुनर्वास शिक्षा का तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें पाठ्यक्रम की आवश्यकता, सिद्धान्त, अर्थ, प्राथमिक तथा माध्यमिक शिक्षा के विषय पर चर्चा की गई। साथ ही विशेष बच्चों के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से बताया गया। यहां सीतेश सिंह, रत्नेश प्रताप सिंह, राजकुमार, आरती, पूर्णिमा, नीता, स्नेहलता, बुद्धप्रिय रहे।

प्रधान ने पति व रिश्तेदार की फर्म को कर दिया 55 लाख का भुगतान

ग्राम पंचायत सवैया धनी का मामला, जिलाधिकारी के निर्देश पर जांच टीम गठित

संवाददाता, ऊंचाहार (रायबरेली)

- शिकायत होने के बाद मामले का हुआ खुलासा

अमृत विचार। ब्लॉक की ग्राम पंचायत सवैया धनी में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। आरोप है कि ग्राम प्रधान ने अपने आगे संबंधियों के फर्म को करीब 56 लाख रुपए का भुगतान कर दिया है। मामले का खुलासा तब हुआ जब इसकी शिकायत हुई है। डीएम ने इसकी जांच के लिए टीम गठित की है।

बताया जाता है कि पूरा मामला वित्तीय वर्ष 2021-22 का है। गांव की महिला प्रधान संगीता के पति शिव भूषण मौर्य के नाम दो फर्म हैं। जिसमें आयुष इंटरप्राइजेज और एसबी इंटरप्राइजेज का संचालन उनके पति करते हैं। इसी के साथ जेके इंटरप्राइजेज नामक एक अन्य फर्म का संचालन प्रधान के भांजे करते हैं। आरोप है कि वित्तीय वर्ष 2021-22 में इन फर्मों को मनरेगा, राज्य वित्त और केंद्रीय वित्त से करीब 56 लाख रुपये का भुगतान किया गया है, जो नियम विरुद्ध है। इस बात की शिकायत क्षेत्र के शहजादपुर गांव निवासी शत्रुघ्न सिंह ने जिलाधिकारी समेत उच्चाधिकारियों से की तो विभाग में हड़कंप मच गया। इसमें जिलाधिकारी ने उपायुक्त मनरेगा और सहायक अभियंता लघु सिंचाई की दो सदस्यीय टीम गठित करके जांच का निर्देश दिया है। वहीं खंड विकास अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मामले की शिकायत अधिकारियों से की गई है। जिसमें जांच लंबित है, जांच पूर्ण होने पर सही स्थित स्पष्ट होगी।

लगातार हो रहा भुगतान: इस मामले में बताया जाता है कि शिकायत के बावजूद लगातार सगे संबंधियों के खाते में सरकारी धन का भुगतान किया जा रहा है। वहीं चालू वित्तीय वर्ष में भी भुगतान हुआ है। इस प्रकार से सारे नियमों को ताक पर रखकर सरकारी धन का बंदरबांट किया गया है।

नहीं आई जांच टीम

इस मामले में जांच के लिए गुरुवार को टीम को आना था। जांच टीम ने शिकायतकर्ता शत्रुघ्न सिंह को भी इस बारे में सूचित किया था, किंतु नियत तिथि और समय पर जांच टीम ब्लॉक मुख्यालय नहीं पहुंची, जहां पर शिकायतकर्ता समेत लोग दिन भर टीम का इंतजार करते रहे।

कुछ भी नियम विरुद्ध नहीं

पूरे प्रकरण में प्रधान के पति शिवभूषण मौर्य का कहना है कि उन्होंने कुछ भी नियम के विरुद्ध नहीं किया है। सन 2022 में शासन से यह निर्देश हुआ है कि ग्राम प्रधान अपने सगे संबंधितों की फर्म को भुगतान नहीं कर सकते हैं। जबकि यह सारे भुगतान उससे पहले हुए हैं, जो नियम संगत है।

एसओजी प्रभारी पर धमकाकर तीन लाख रुपये वसूलने का लगा आरोप

संवाददाता, ऊंचाहार (रायबरेली)

की गई शिकायत
- पीड़ित महिला ने एसपी से लगाई निष्पक्ष जांच की गुहार
- एसपी ने पूरे मामले की जांच एएसपी को सौंपी

अमृत विचार। जिले में अपराधियों के गठित एसओजी पर बड़ा गंभीर आरोप लगा है। एसओजी द्वारा दो दिन पूर्ण पकड़े गए गांजा के आरोपित की पत्नी ने एसओजी प्रभारी पर धमकाकर वसूली करने और रुपया न देने पर झूठे मुकदमे दर्ज करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उसके पति को पकड़कर तीन लाख रुपये की वसूली की गई है। पीड़िता ने एसपी से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। वहीं एसपी ने मामले की जांच एएसपी को सौंपी है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव पूरे अयोध्या निवासिनी पूजा यादव पत्नी जयकिशन उर्फ चमन ने आरोप लगाया कि बीते सोमवार को रिश्तेदार वीरेंद्र यादव की पत्नी का इलाज कराने लखनऊ गए थे, जहां से वापस आते समय रास्ते में टोल प्लाजा के पास एसओजी की टीम ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद किशन को जबरन गाड़ी में बैठा लिया गया, जहां से उन्हें पुलिस लाइन लाया गया। वहां से महिला के पति द्वारा व्हाट्सएप कॉल करवाया गया और बताया गया कि पांच लाख रुपये दोगे तभी उन्हें छोड़ा जाएगा। परेशान महिला और उनके रिश्तेदारों ने किसी तरह तीन लाख रुपये का जुगाड़ किया और एक रिश्तेदार के माध्यम से उसे पुलिस लाइन भिजवाया गया। पीड़ित महिला आरोप है कि वहां पर रुपये ले लिए गए। इसके बाद महिला के पति के पास से आठ किलो गांजा बरामद दिखाकर उसे जेल भेज दिया गया। महिला का आरोप है कि एसओजी प्रभारी द्वारा इससे पूर्व भी कई बार धमका कर उससे रुपये की वसूली की गई है। यही नहीं रुपया न देने पर विभिन्न थानों में उसके पति के ऊपर गांजा तस्करी का झूठा मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़िता ने मामले में पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र दिया है। जिसमें उसने कहा है कि उसका पूरा परिवार एसओजी प्रभारी से परेशान है। महिला ने एसपी से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

क्या बोले जिम्मेदार

हमने किसी को जेल नहीं भेजा है। आरोपों की जांच एएसपी सर कर रहे हैं। जांच के बाद दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा।
-विजेंद्र शर्मा, एसओजी प्रभारी।

संदिग्ध हालात में लटकता मिला युवक का शव

सरेनी, रायबरेली। थाना क्षेत्र के पहुरी गांव में देवेंद्र कुमार (35) पुत्र भीखू का बीती रात गांव के कटे पुल के पास स्थित बाग में संदिग्ध परिरिस्थितियों में आम के पेड़ की डाल से गमछे के फंदे से शव लटकता मिलने पर हड़कंप मच गया। बाग के पास स्थित रास्ते से होकर गुजर रहे ग्रामीणों ने शव देखने के बाद इसकी सूचना परिजनों को दी। सूचना पर परिजन व पुलिस मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना से मृतक की पत्नी आरती देवी, मां शिव दुलारी, पिता भीखू का रो-रो कर बुरा हाल है। उधर कोतवाल रमेश चंद्र यादव का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने पर तस्वीर साफ हो जाएगी।

फुटबॉल टूर्नामेंट में शील्ड से नवाजे गए विजेता

महिला वर्ग की विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान करती कांग्रेस नेत्री सुधा द्विवेदी।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित करते प्रधानाचार्य ओम प्रकाश शुक्ला।

संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)

फाइनल मुकबला
- मुलायम सिंह यादव स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

अमृत विचार। बैसवारा इंटर कॉलेज खेल मैदान में नेताजी मुलायम सिंह यादव स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले खेले गए। फुटबॉल टूर्नामेंट के संयोजक पूर्व प्रधान वृंदावन उर्फ लालजी यादव ने अतिथियों के साथ मिलकर सभी खिलाड़ियों का स्वागत सम्मान किया। पुरुष वर्ग के खिताबी मुकाबले में केकेसी लखनऊ और डेस्ट्रो क्लब जौनपुर के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। पहले हाफ तक दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं, लेकिन खेल समाप्ति से पांच मिनट पहले केकेसी लखनऊ के 11 नंबर जर्सी वाले खिलाड़ी ने निर्णायक गोल दाग दिया। इसी गोल की बदौलत केकेसी लखनऊ ने जौनपुर को 1-0 से मात देकर खिताब अपने नाम किया।

महिला वर्ग के फाइनल में डीएफए आजमगढ़ और कैमूर बिहार की टीमों के बीच रोमांचक मैच हुआ। पहले हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी, लेकिन सेकंड हाफ के तीसरे मिनट में आजमगढ़ की खिलाड़ी ने पेनल्टी शूट पर गोल कर बढ़त बना ली। इसके बाद खिलाड़ी शिवानी ने दूसरा गोल दागकर टीम की जीत पक्की कर दी। इस तरह डीएफए आजमगढ़ ने 2-0 से फाइनल जीतकर ट्रॉफी अपने नाम की। पुरुष वर्ग की विजेता और उपविजेता टीमों को हरचंदपुर विधायक राहुल लोधी ने ट्रॉफी शील्ड प्रदान की। महिला वर्ग की खिलाड़ियों को समाजसेवी सुधा द्विवेदी ने शील्ड देकर सम्मानित किया। इस मौके पर वृंदावन यादव, आशीष यादव, दीपक सिंह, दिलीप फौजी, हरिओम मिश्रा, अरविंद यादव, आकाश यादव, अनुभव मिश्रा और प्रो. अरुण कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

जीत के लिए खिलाड़ियों ने बहाया पसीना

अटौरा, रायबरेली, अमृत विचार। विकासखण्ड सतांव के पूर्व माध्यमिक विद्यालय रैली कल्याणपुर में गुरुवार को ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें न्यायपंचायत के 13 विद्यालयों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग लिया। बालक गोलाफेंक में उच्च प्राथमिक विद्यालय चिलौला भंगरिया के कृष्ण कुमार, बालिका में शंकरगंज की शालिनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका चक्का फेंक में माध्यमिक विद्यालय चिलौला की दिव्या, बालक वर्ग उच्च प्राथमिक विद्यालय रैली कल्यानपुर के लकी, बालिका लम्बी कूद में उच्च प्राथमिक विद्यालय पुरवा पिण्डौर की रिचा, बालक में उच्च प्राथमिक विद्यालय शंकरगंज के आदित्य ने बाजी मारी। प्राथमिक स्तर बालक बालिका लम्बी कूद में सुष्मिता और आशीष, 200 मीटर दौड़ जूनियर स्तर में कोमल और आदित्य निर्मल, 100 मीटर में संध्या और प्रेम, 50 मीटर में संध्या और सत्यम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं मुख्य अतिथि अशोक ने विजेता को शील्ड, मेडल व उपहार प्रदान कर उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित, लालगंज। माध्यमिक विद्यालयीय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत मंगलवार को मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें चंद्रशेखर मेमोरियल पब्लिक इंटर कॉलेज लालगंज के विद्यार्थियों ने भाग लिया था। खेल प्रतियोगिता में आकृति यादव ने रिले प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तथा सोनम ने वॉक (चाल) प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी व अन्य अतिथियों के द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। प्रबंध निदेशक दीप प्रकाश शुक्ला व प्रधानाचार्य ओम प्रकाश शुक्ला ने संयुक्त रूप से बच्चों को सम्मानित किया। छात्राओं की इस उपलब्धि पर रोहित शर्मा सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं और अभिभावकों ने खुशी व्यक्त की।

सड़क पर टैंकरों के खड़े होने से लग रहा जाम

सड़क पर बेतरतीब खड़े वाहन, जाम में फंसी एंबुलेंस। अमृत विचार

संवाददाता, रायबरेली

- जाम में काफी देर फंसी रही एम्बुलेंस, नहीं हो रही कार्रवाई

अमृत विचार। डीह थाना क्षेत्र में परशदेपुर-अठेहा मार्ग पर मनमानी तरीके से सड़क किनारे खड़े हो रहे टैंकरों से ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामीणों की शिकायत के बाद भी पुलिस द्वारा टैंकरों की मनमानी पर कोई अंकुश नहीं लगाया जा रहा है।

अठेहा मार्ग पर निनावां की पानी की टंकी के पास हमेशा टैंकर खड़े रहे हैं। जिससे कई बार जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। गुरुवार को भी सड़क किनारे टैंकर खड़े होने से जाम लग गया, जिससे सड़क के दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी लाइन लग गई। जाम में एंबुलेंस भी काफी देर तक खड़ी रही। काफी देर बाद किसी तरह जाम खुल सका। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इसी स्थान पर काफी समय से टैंकर खड़े होते हैं जिसकी ग्रामीणों द्वारा शिकायत करने पर भी पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क किनारे टैंकरों के खड़े होने से बीते वर्ष दोस्तपुर बुढ़बारा निवासी शुभम और इंद्रजीत की मोटरसाइकिल टकराने से मौत भी हो गई। इसके बावजूद टैंकरों के मनमाने तरीके से सड़क पर खड़े होने पर कोई अंकुश नहीं लगाया जा रहा।

वहीं इस संबंध में अधिशासी अधिकारी निमिषा भारद्वाज का कहना है कि टैंकरों के सड़क किनारे खड़े होने की जानकारी मिली है। इस पर सख्त कार्रवाई कराई जाएगी। उधर, -जितेंद्र मोहन सरोज, थानाध्यक्ष, डीह ने बताया कि इसको दिखवाया जा रहा। सड़क पर टैंकरों को खड़ा नहीं होने दिया जाएगा। सड़क पर खड़े पाए जाने पर सख्त-से-सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किसान गोष्ठी का हुआ आयोजन

डलमऊ, रायबरेली। कृषि विज्ञान केंद्र द्वितीय के प्रभारी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आरपीएन सिंह के निर्देशानुसार डलमऊ के डॉ. रामाधीन सिंह इण्टर कालेज में एक दिवसीय किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गाँवों से आए किसानों और पशुपालकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

गोष्ठी के दौरान मुख्य अतिथि पशु चिकित्सक डॉ. अंकुर वर्मा रहे। गोष्ठी में उपस्थित पशुपालन एवं पशु चिकित्सा वैज्ञानिक डॉ. देवेश सिंह ने खनिज लवणों जैसे – कैल्शियम, फॉस्फोरस, सोडियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम, सल्फर, आयोडीन, जिंक, कोबाल्ट, सेलेनियम आदि की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। 5 व 6 नवम्बर को पोषक अनाज : समृद्ध किसान विषय पर आयोजित होने वाले दो दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के बारे में भी जानकारी मुहैया कराई गई। साथ लोगों को जागरूक किया गया। यहां डॉ. अभिलाष सिंह मौर्य, डॉ. सुंधाशु वर्मा, हरिभान सिंह आदि मौजूद रहे।

परेशानी | लालगंज कस्बे की मेन रोड में वाहन की टक्कर लगने से टूट गया बिजली का पोल

20 घंटे से बिजली गुल, बूंद-बूंद पानी को तरसे लोग

भाजपा नेता अनूप पांडे।

दीप प्रकाश शुक्ला।

सुरेंद्र गुप्ता।

रोहित सोनी।

विवेक शर्मा।

हादसे के बाद बिजली का टूटा पोल।

संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)

अमृत विचार। बुधवार की रात लालगंज कस्बे के मेन रोड में वाहन की टक्कर लगने से बिजली का पोल टूट गया, जिसके चलते लालगंज की बिजली ठप हो गई। गुरुवार शाम तक बिजली ठीक नहीं हो सकी। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली न मिलने से पीने और नहाने के पानी के लिए लोग परेशान रहे। लगभग 50 हजार की आबादी को दिनभर बिजली की किल्लत से जूझना पड़ा। टूटे खंभे और बिजली लाइन को विद्युत विभाग गुरुवार को देर शाम तक ठीक करने में लगा रहा। वहीं स्थानीय लोगों पर विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

लोगों की परेशानी को देखते हुए भाजपा नेता अनूप पांडे और सीएमपीएस के प्रबंध निदेशक दीप प्रकाश शुक्ला, व्यापार मंडल अध्यक्ष विवेक शर्मा और जिलाध्यक्ष रोहित सोनी, सर्राफा व्यापारी सुरेंद्र गुप्ता ने नाराजगी जताते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री और मुख्यमंत्री के निर्देशों के बावजूद विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों पर कोई असर नहीं है। वे बिजली की फॉल्ट समय से ठीक नहीं करते हैं। बिजली आपूर्ति ठप होने से साइबर कैफे और छोटे-मोटे उद्योग धंधे भी दिन भर बंद रहे। हालांकि अवर अभियंता दीपक वर्मा ने पुलिस बल की सहायता से मेन रोड में वाहनों को रोककर बिजली ठीक करने की कवायद की, लेकिन देर शाम तक बिजली ठीक नहीं हो सकी, जिसको लोगों में आक्रोश है।

रंगोली बनाकर हुनर का किया प्रदर्शन

संवाददाता, रायबरेली

स्कूल में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में सम्मानित प्रतिभागी। अमृत विचार

अमृत विचार। रायन इंटरनेशनल स्कूल में दिवाली पर एक जीवंत रंगोली बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यालय परिसर रंगों, रचनात्मकता और उत्सव की भावना से जगमगा उठा, जब कनिष्ठ और वरिष्ठ छात्रों ने इस गतिविधि में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस गतिविधि का उद्देश्य टीम वर्क, कलात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना और पारंपरिक कला रंगोली के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाना था।

छात्रों ने उज्ज्वल रंगों, फूलों, दीयों और अनोखे डिजाइनों का उपयोग करके अपनी रचनात्मकता को खूबसूरती से व्यक्त किया। कनिष्ठ समूह जानवी सोनकर, अन्य श्रीवास्तव, रिद्धि विश्वकर्मा, कर्णिका सिंह, अन्या राज ने प्रथम, साक्षी यादव, अनाया सिंह, अल्मा नकवी, प्रतीक्षा ने द्वितीय और अवंतिका चौधरी, सोनाक्षी, प्रत्यूषा त्रिपाठी, शानवी मौर्य तृतीय स्थान पर रही।

वरिष्ठ समूह में दिव्या रमन, सृष्टि श्रीवास्तव, तिसिया मिश्रा, अपूर्वा मिश्रा, मान्या वर्मा, श्रुति यादव ने प्रथम, अदिति वर्मा, मुस्कान सोनकर, अन्वी गुप्ता, अलीशा सिद्दीकी ने द्वितीय, अंशिका, अनुष्का सिंह, कुमुद रावत, दिव्या, श्रेया सिंह यादव ने तृतीय स्थान हासिल किया। आर्ट एंड क्राफ्ट की प्रतियोगिता में अदिबा इरफान, अभ्युदया तिवारी, प्रिशा उपाध्याय, एनाया खान, विहान वर्मा, वर्णिका सिंह, उत्कर्ष सिंह, नित्यांशी चौधरी, आरुषि का प्रदर्शन बेहतर रहा। निर्णायक अर्चना सिंह, रूमा परवीन, सपना कुशवाहा सहित विद्यालय प्रधानाचार्या सदफ खान उपस्थित रहीं।

न्यूज ब्रीफ

मनाया गया विश्व एनेस्थीसिया दिवस

अमेठी : इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज़ में बृहस्पतिवार को स्वास्थ्य आपात स्थितियों में एनेस्थिसियोलॉजी की अहम भूमिका" थीम पर आधारित विश्व एनेस्थीसिया दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा क्षेत्र में एनेस्थिसियोलॉजिस्ट की निर्णायक भूमिका के प्रति जागरूकता फैलाना और छात्रों को चिकित्सा सेवा के प्रति समर्पित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के प्राचार्य यूए सिद्दीकी, उप-प्राचार्य एसडी सिंह, और ओटी मैनेजर सर्वेश तिवारी द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। संस्थान के शिक्षकों ने भी एनेस्थिसियोलॉजी के क्षेत्र में हो रहे नए शोध और रोगी सुरक्षा में इसके योगदान पर अपने विचार साझा किए। जीवन रक्षा की अदृश्य शक्ति" विषय पर एक जागरूकता रैली निकाली, जिसके माध्यम से स्वास्थ्य आपात स्थितियों में एनेस्थिसियोलॉजिस्ट की भूमिका को आम जनता तक पहुँचाया गया। उप-प्राचार्य एस. डी. सिंह और ओटी मैनेजर सर्वेश तिवारी ने भी छात्रों का मार्गदर्शन किया।

डाक विभाग का विशेष शिविर संपन्न

संग्रामपुर (अमेठी) : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने बुधवार को भारतीय डाक विभाग द्वारा आधार नामांकन और विभिन्न डाकघर योजनाओं को लेकर एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ अधीक्षक डाकघर सुल्तानपुर, राजेश कुमार द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर सहायक अधीक्षक अमेठी पवन कुमार मिश्रा, डाक सर्वेक्षण समिति के सदस्य महेंद्र सिंह, ब्रांच पोस्टमास्टर अभिषेक सिंह और पूर्व प्रधान भवसिंहपुर देवी शरण सिंह उपस्थित रहे। अधीक्षक ने उपस्थित लोगों को ग्रामीण डाक जीवन बीमा, डाक जीवन बीमा, सुकन्या समृद्धि योजना के बारे बताया।

ग्रामीणों ने झाड़ियों की कराई सफाई

शिवगढ़ (रायबरेली) : तमाम बार शिकायत कर थक चुके ग्रामीणों ने स्वयं स्वच्छता अभियान का बीड़ा उठा लिया है। ग्रामीणों ने करीब तीन घंटे श्रमदान कर एवं आपस में चंदा जुटाकर जेसीबी मशीन से सम्पर्क मार्ग की साफ-सफाई कराई। क्षेत्र के गूढ़ा ग्राम पंचायत अन्तर्गत चदापुर रोड से जुड़े करीब 400 मीटर लम्बे चुन्नीलाल खेड़ा सम्पर्क मार्ग की दोनो पटरियों पर कटीली झाड़ियां खड़ी थी जो आवागमन में बाधा उत्पन्न कर रही थी। गुरुवार को युवा सपा नेता श्रवण कुमार रावत व आरवी ट्रेडर्स के मालिक मनोज कुमार के नेतृत्व में दिनेश कुमार यादव, लवकुश यादव, राहुल, छोटे लाल यादव, मायाराम यादव, सहजराम रावत, हींगा लाल, रामसहारे, चिंपू रावत, मुकेश आदि ग्रामीणों ने श्रमदान किया।

शहीद किसानों को किया गया याद

रायबरेली : गांधी जयंती पर बनारस से शुरु हुई 'एक कदम गांधी के साथ पदयात्रा' 14वे दिन बुधवार को रायबरेली शहर पहुंची। इस दौरान लोगों ने बड़े उत्साह के साथ स्वागत किया। इससे पहले पदयात्रा जगतपुर होते हुए यात्रा दरियापुर चौराहा, मुंशीगंज पर पहुंची, जहां पर धर्मेंद्र यादव के नेतृत्व में स्वागत किया गया। यहां से मुंशीगंज स्थित शहीद स्मारक शहीद किसानों के साहस और बलिदान को याद किया गया। शहर में राणा बेनी माधव के स्मारक पर माल्यार्पण करते हुए शहीद चौक डिग्री कॉलेज, कचेहरी रोड होते हुए यात्रा अंबेडकर चौक पहुंची। यहां पर डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। सिविल लाइन पर रामू दादा एवं इंद्रमोहन सिंह के नेतृत्व मे स्वागत किया गया। यहां एडवोकेट अर्चना एवं एडवोकेट राम विलास यादव, नपा अध्यक्ष शत्रोहन सोनक रहे।

10 लाख के अवैध पटाखा समेत आरोपी दबोचा

मुखबिर से मिली सूचना के बाद चलाए गए विशेष अभियान के तहत अमेठी पुलिस को मिली सफलता

संवाददाता, सिंहपुर (अमेठी)

अवैध पटाखा समेत पुलिस के गिरफ्त में आरोपी। अमृत विचार

अमृत विचार । आगामी दीपावली त्योहार के मद्देनज़र अवैध पटाखों के निर्माण, भण्डारण, बिक्री और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अमेठी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना इन्हौना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए ग्राम तकिया मजरे आजादपुर में एक मकान से भारी मात्रा में अवैध पटाखों का भण्डारण कर रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के पास से अनुमानित 10 लाख रुपये कीमत के पटाखे और आतिशबाजी बरामद की है।

जानकारी के मुताबिक बुधवार को थाना इन्हौना पुलिस क्षेत्र में देखभाल और संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम तकिया मजरे आजादपुर में एक व्यक्ति अपने मकान के अंदर अवैध रूप से भारी मात्रा में पटाखों का भण्डारण कर उनकी बिक्री कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर दबिश दी और अभियुक्त मोहम्मद सहीम पुत्र मोहम्मद नसीम (उम्र करीब 32 वर्ष, निवासी ग्राम तकिया मजरे आजादपुर, थाना इन्हौना, जनपद अमेठी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मौके से 4 प्लास्टिक की बोरियों में 800 अनार, 31 गत्तों में विभिन्न कम्पनियों के 4155 पैकेट पटाखा व आतिशबाजी और 01 गत्ते में 500 सुतली बम बरामद किए। पुलिस ने पूछताछ में मोहम्मद सहीम पटाखा निर्माण और बिक्री करने का कोई वैध लाइसेंस व कागजात नहीं दिखा सका। बता दें कि थाना इन्हौना पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ विधिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस का यह अभियान अवैध रूप से खतरनाक आतिशबाजी के भण्डारण पर लगाम लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बिना लाइसेंस संचालित मेडिकल स्टोर पर छापा

संग्रामपुर (अमेठी)

मेडिकल स्टोर में जांच करते टीम के अधिकारी।

अमृत विचार। क्षेत्र के विशेषरगंज बाजार में गुरुवार को औषधि विभाग की टीम ने बिना लाइसेंस संचालित अजय मेडिकल स्टोर पर छापेमारी कर 56 प्रकार की दवाइयां जब्त कीं, जिनका अनुमानित मूल्य लगभग 59,171 रुपये है। टीम ने दो संदिग्ध दवाइयों के नमूने जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला भेजे हैं। औषधि निरीक्षक कमलेश कुमार मिश्रा ने बताया कि जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त आईजीआरएस शिकायत के आधार पर सहायक आयुक्त (औषधि), अयोध्या मंडल, अयोध्या के निर्देश पर पुलिस बल के साथ यह कार्रवाई की गई। जांच में स्टोर संचालक कोई वैध औषधि विक्रय लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका। उन्होंने आगे बताया कि जब्त दवाइयों को नियमानुसार फार्म-16 पर सीज कर दिया गया है। दो संदिग्ध दवाइयों के नमूने परीक्षण के लिए राजकीय प्रयोगशाला भेजे गए हैं। मामले में न्यायालय में वाद दायर कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत, साथी घायल

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र में बृहस्पतिवार देर रात हुए एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक युवक की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई, तो उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा सराय कांधा गांव के पास अनियंत्रित हुई बाइक सड़क किनारे लगे एक विद्युत पोल से टकराने से हुआ, जिससे पोल तीन टुकड़ों में टूट गया।

जानकारी के अनुसार, यह दर्दनाक घटना तब हुई जब दो युवक एक बाइक से अमेठी से प्रतापगढ़ की ओर जा रहे थे। अमेठी कोतवाली क्षेत्र के सराय कांधा गांव के समीप अचानक बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे स्थित विद्युत पोल से जा भिड़ी। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और सीमेंट का विद्युत पोल तीन खंडों में टूट गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों गंभीर रूप से घायल युवकों को तुरंत एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अमेठी ले जाया गया। घायलों में से एक की पहचान संग्रामपुर थाना क्षेत्र के अमरपुर धोएं, संग्रामपुर निवासी सुभाष पुत्र मोहनलाल के रूप में हुई थी।

उपचार के दौरान, गंभीर रूप से घायल सुभाष पुत्र मोहनलाल की मृत्यु हो गई। दूसरे साथी घायल युवक की पहचान फिलहाल नहीं हो पाई है, जिसका इलाज जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार पर नियंत्रण की आवश्यकता को रेखांकित किया है। वहीं थाना अध्यक्ष रवि सिंह ने बताया कि बताया कि हादसे के बाद युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। जबकि हादसे में घायल युवक को सीएचसी से गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

शिक्षा के साथ ही खेलकूद भी आवश्यक

सिंहपुर (अमेठी)

दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ करते राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह।

अमृत विचार। विकास खण्ड तिलोई के सुभाष पशुपति नाथ विद्यापीठ खेल मैदान पर 15वीं जनपदीय माध्यमिक विद्यालय एथेलेटिक्स क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय प्रतियोगिता का उद्घाटन स्वास्थ्य एवं चिकित्सा राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने किया।

- राज्यमंत्री ने किया एथेलेटिक्स क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ

गत वर्ष विजेता धावक के हाथ में मशाल सौंपते हुए राज्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के साथ ही छात्रों के लिए खेलकूद भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में क्रिकेट के साथ ही अन्य खेलों में रुझान बढ़ रहा है और प्रतिभाएं भी सामने आ रही हैं। इन आयोजनों से प्रतिभाओं को एक प्लेटफार्म मिलता है। इन्हीं प्रतिभाओं में कोई देश और प्रदेश का नाम रोशन करेगा। मुख्य अतिथि ने दौड़ में प्रथम आने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल पहना कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में दौड़, कूद, क्षेपण आदि को सम्मिलित किया गया है। जनपद के चारों ब्लाकों में तिलोई के साथ ही अमेठी, गौरीगंज मुसाफिरखाना के बच्चे प्रतिभाग कर रहे हैं। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 राजेश कुमार द्विवेदी, बीएसए अमेठी संजय तिवारी, भाजपा नेता राकेश त्रिपाठी, उपजिलाधिकारी तिलोई अमित सिंह, एथलेटिक्स प्रतियोगिता के संयोजक एसपीएन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रेम कुमार मिश्रा,शिक्षक नेता धीरेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

विद्यालय में रंगोली से सजी दीपावली की रौनक, अमेठी। श्री देवीपाटन संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, अमेठी में दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्रों ने इस कार्यक्रम में बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया, जिससे विद्यालय परिसर में पर्व की अनुपम छटा बिखर गई।

प्रतियोगिता में गार्गी समूह ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस समूह में मुस्कान, मोहिनी, सुधा और सागर शामिल थे। वहीं, कालिदास समूह के छात्र राजमणि, आकाश, अभिजीत और विजय ने अपनी कला का प्रदर्शन कर द्वितीय स्थान हासिल किया। चाणक्य समूह जिसमें आदर्श, नीरज, शनि और आनंद शामिल थे, तृतीय स्थान पर रहे।

स्कूल में आयोजन रंगोली प्रतियोगिता में मौजूद शिक्षक व बच्चे।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. नीलम तिवारी ने सभी छात्रों को बधाई दी और दीपावली के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दीपावली को हम सभी प्रकाश पर्व के रूप में मनाते हैं। यह पर्व हमारे जीवन, हमारे विचारों व कर्तव्यों में आए अंधकार व कमियों को दूर कर प्रकाश की ओर प्रेरित करता है। उन्होंने सभी प्रतिभागी छात्रों को बधाई दी और पुरस्कार की घोषणा भी की।

न्यायिक एसडीएम के खिलाफ आक्रोशित अधिवक्ताओं ने किया विरोध-प्रदर्शन

मुसाफिरखाना (अमेठी)

प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं को समझाते एसडीएम। अमृत विचार

अमृत विचार। मुसाफिरखाना तहसील परिसर में गुरुवार को अधिवक्ताओं ने उपजिलाधिकारी (न्यायिक) नितेश राज की कार्यप्रणाली के विरोध में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। बार एसोसिएशन मुसाफिरखाना के बैनर तले एकजुट हुए अधिवक्ताओं ने न्यायिक अधिकारी के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कहा कि एसडीएम न्यायिक का व्यवहार अधिवक्ताओं के प्रति अनुचित और अमर्यादित बर्ताव करते हैं। जिससे न्यायिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक तहसील मुसाफिरखाना में गुरुवार को एसडीएम न्यायिक नितेश राज की कोर्ट में पत्रावलियों की पुकार की गई।इसी बीच धर्मेन्द्र श्रीवास्तव उर्फ गुड्डन की फाइल की पुकार हुई, लेकिन किसी कारण वश वह नहीं पहुंचे। लेकिन उन्होंने साथी अधिवक्ता अश्विनी कुमार श्रीवास्तव को अपना काम सौंप गए थे। इस दौरान एसडीएम नहीं माने और उन्होंने पत्रावली खारिज कर की। इसी बात से नाराज अधिवक्ताओं ने जमकर एसडीएम न्यायिक के खिलाफ नारेबाजी की और उपेक्षा व बुरा बर्ताव करने का आरोप लगाया। उन्होंने किए गए बर्ताव के चलते माफी मांगने की मांग की।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर छात्राएं सम्मानित

डीह (रायबरेली) अमृत विचार। जिला गंगा समिति की ओर से स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय बालिका इंटर कालेज में वाद-विवाद एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं में प्रतिभाग किया। संचालन समिति के सक्रिय सदस्य अभिषेक के निर्देशन में संपन्न हुआ।जिला परियोजना अधिकारी (जिला गंगा समिति रायबरेली) संजय कुमार ने न केवल कार्यक्रम की परिकल्पना एवं मार्गदर्शन प्रदान किया, बल्कि स्वयं विद्यालय पहुंचकर बच्चों का उत्साहवर्धन भी किया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी प्रतिभागियों को परियोजना अधिकारी संजय कुमार द्वारा निबंध प्रतियोगिता में प्रथम मुस्कान जायसवाल, द्वितीय कोमल, तृतीय मनीषा व् वाद विवाद में प्रथम करिश्मा, द्वितीय राधिका एवं तृतीय अंशिका को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य अनीता देवी ने ऐसे आयोजनों पर सभी को बधाई दी।कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं समिति सदस्यों के साथ सामूहिक स्वच्छता शपथ दिलाकर एवं स्वच्छता रैली निकालकर किया गया। कार्यक्रम में अभिराज, प्रवीन, सोमनाथ, अनूप आदि मौजूद रहे।

मानदेय न मिलने से पंचायत सहायकों में आक्रोश

जगतपुर, रायबरेली। पंचायत सहायकों का मानदेय लंबे समय से न मिलने के कारण इस बार दीपावली की खुशियां फीकी पड़ जाएंगी। गुरुवार को ब्लॉक में धरने पर बैठे पंचायत सहायकों ने कहा कि जब महीनों से मानदेय नहीं मिला है तो घर का खर्च चलाना ही मुश्किल हो गया है। पंचायत सहायकों का कहना है कि शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने में वे दिन-रात मेहनत करते हैं, इसके बावजूद उनके परिश्रम का उचित भुगतान नहीं किया जा रहा है। उनका कहना है कि किसो को तीन महीने तो किसी का 18 महीने तक मानदेय बकाया है। इस दौरान पंचायत सहायक आशीष ओझा, धर्मेश, सचिन, अनुराग, आयुषी सिंह, पूजा पांडे, निशा, वंदना मौर्य आदि ने शासन से बकाया मानदेय दिलाए जाने की मांग की है।

जिले से अधिक से अधिक खिलाड़ियों का कराएं रजिस्ट्रेशनः संजय

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट सभागार में सांसद खेल प्रतियोगिता की तैयारी पर बैठक हुई। राज्यसभा सांसद संजय सेठ ने तैयारियों की प्रगति समीक्षा की। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, स्नातक क्षेत्र एमएलसी इं. अवनीश सिंह आदि ने विचार रखे।

बैठक में आयोजन की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई और सभी विभागों को अपने-अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। सांसद ने कहा कि सांसद खेल प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में खेल भावना, अनुशासन एवं टीमवर्क की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने यह भी कहा कि यह महोत्सव प्रतिभाओं को पहचान देने और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने का उत्कृष्ट माध्यम बनेगा। यह प्रतियोगिता ग्राम पंचायत, न्याय पंचायत, क्षेत्र पंचायत, ब्लॉक,विधान सभा स्तर और जिला स्तर पर खेली जाएगी। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने के लिए तैयार करना है। प्रतियोगिता में 100, 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, कुश्ती, क्रिकेट, रेसलिंग आदि खेल प्रतियोगिताए शामिल होंगी। मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, एएसपी संजीव सिन्हा, सीएमओ नवीन चंद्रा, जिला भाजपा अध्यक्ष बुद्धिलाल, ईओ नगरपालिका स्वर्ण सिंह, बीएसए राहुल सिंह, डीपीआरओ सौम्य शील सिंह, भाजपा नेता शिवेंद्र सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता की तैयारी पर चर्चा करते राज्यसभा सांसद संजय सेठ व अन्य।

सिटी डायरी

रेस्टोरेंट का हुआ उद्घाटन

रेस्टोरेंट का उद्घाटन करते समाजसेवी मानवेंद्र प्रताप सिंह।

सरेनी (रायबरेली) : गुरुवार को समाजसेवी मानवेंद्र प्रताप सिंह ने सरेनी में मॉडर्न स्वीट एंड रेस्टोरेंट का फीता काटकर उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि लोग पैसे कमाने की होड़ में मिलावटी मिठाइयां बेच देते हैं, जिससे आम जनमानस को शारीरिक परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। इससे लोग बीमार भी पड़ जाते हैं। उन्होंने कहा कि अब मॉडर्न स्वीट एंड रेस्टोरेंट में लोगों शुद्ध मिठाई उपलब्ध कराई जाएगी। यहां पर स्वाद और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है जिससे लोग यहां पर बार-बार आने के लिए मजबूर हो जाएंगे। उनका कहना है कि रेस्टोरेंट के मालिक हाजी चुन्नू खान न सिर्फ सामाजिक व्यक्ति हैं, बल्कि वह यहां पर आने वाले हर एक मेहमान को अपना परिवार और सदस्य भी समझते हैं। इस मौके पर प्रखर सिंह, मोहम्मद नजीर, मोहम्मद सलीम, नईम खान, ख्वाजा हसन, शमसुद्दीन आदि थे।

कथा में उपस्थित श्रद्धालु।

अंहकार मनुष्य को मार्ग से भटकता है

अमेठी, अमृत विचार। भागवत कथा मर्मज्ञ आचार्य डॉ. राम कृपाल त्रिपाठी ने कहा कि अंहकार मनुष्य को मार्ग से भटका देता है। इस नाते अंहकार नही करना चाहिए। बडे लोग अपना अपराध छोटे के ऊपर डालते है। बडे चाकित होकर वरूण लोक का दर्शन किया। भगवान श्रीकृष्ण के बारे मे नन्द बाबा को जानकारी हो गई है। कि भगवान श्रीकृष्ण है। हमारी विद्या दिव्य ज्ञान है। जब सुख के बारे भगवान से कहते है। कुत्ता का जन्म पा कर सुख भोग रहा है। साबुन से नहा रहा। गाडियो से चल रहा है। और सुख भोग रहा है। अविज्ञा होने से सुख की कामना करते है। यहां मुख्य यजमान पंडित गायत्री प्रसाद उपाध्याय,उमा देवी उपाध्याय, पूर्व प्राचार्य डॉ त्रिवेणी प्रसाद सिंह, अशोक कुमार तिवारी, पूर्व बीडीसी बलदेव,पूर्व प्रधान सन्त प्रसाद तिवारी,प्रधान करूणेश शुक्ल, पूर्व प्रधान बिजय कुमार रहे।

जागरूकता वाहन को रवाना करते एसडीएम।

संचालक को किया सम्मानित

लालगंज (रायबरेली) : ग्रामीण क्षेत्रों में गैस सुरक्षा जागरुकता और समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित करने में उत्कृष्ट योगदान देने पर उप जिलाधिकारी मिथिलेश त्रिपाठी ने गुरुवार को ठाकुर बख्श श्री प्रकाश इंटरप्राइजेज एचपी गैस वितरण केंद्र खीरों के प्रवर्तक जितेंद्र सिंह को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। उन्होंने उपभोक्ताओं को सरकार के मानक के अनुसार गैस उपलब्ध कराने के लिए गैस एजेंसी के डिस्ट्रीब्यूटर व कर्मियों को प्रेरित किया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी, पूर्ति निरीक्षक दिव्यांशु सिंह ने संयुक्त रूप से एलपीजी सुरक्षा वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वैन गांव-गांव जाकर आमजन को सुरक्षा उपायों की जानकारी देगी।

स्कूल में पोस्टर लिए खड़ीं छात्राएं। अमृत

जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अमेठी। महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को समर्पित उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत बृहस्पतिवार जनपद अमेठी में एक महत्वपूर्ण जागरूकता अभियान चलाया गया। बेसिक शिक्षा विभाग के विभिन्न विद्यालयों में " नो मिंस नो " (ना का अर्थ ना ही होता है) विषय पर कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं को आत्मसम्मान, आत्मरक्षा और सहमति के महत्व के प्रति जागरूक करना था।

बैठक

नगर पालिका के सभागार में विकसित उत्तर प्रदेश 2047 पर की गई चर्चा

योजनाओं के सही क्रियान्वयन से विकास को मिलेगी रफ्तार

संवाददाता, रायबरेली

नगर पालिका सभागार में हुई बैठक में चर्चा करते अध्यक्ष शत्रोहन सोनकर, ईओ स्वर्ण सिंह व मौजूद सभासद। अमृत विचार

अमृत विचार। विकसित उत्तर प्रदेश 2047 को लेकर तैयारियों शुरू हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कार्यक्रम आपका सुझाव लाएगा बदलाव में लोगों से सुझाव भी मांगे जा रहे हैं। इसी क्रम में नगर पालिका परिषद के सभागार में बैठक हुई। इसमें अध्यक्ष शत्रोहन सोनकर, ईओ स्वर्ण सिंह के साथ सभासदों ने अपने-अपने विचारों को साझा किया।

देवानंदपुर वार्ड तीन के सभासद जय प्रकाश वर्मा ने सुझाव रखते हुए कहा कि नगर विकास मंत्रालय से अपील किया कि रायबरेली नगर पालिका परिषद को भी नगर निगम के अनुरूप बजट और सुविधाओं का प्रारूप प्रदान किया जाए, क्योंकि अब रायबरेली की आबादी पिछले 10 वर्षों में बढ़ गई है। इसलिए उसी के अनुसार वार्ड भी बढ़ाए जाए और नागरिकों को अधिक सुविधाएं भी मिल सके। वार्ड 11 महानंदपुर की सभासद पुष्पा यादव ने कहा कि वार्डों में सुनियोजित तरीके से कार्य कराया जाना चाहिए। इससे विकास को गति मिलेगी। प्रत्येक वार्ड में पार्क के साथ ही बेहतर साफ-सफाई, जल निकासी की व्यवस्था आदि में सुधार की जरूरत है।

अध्यक्ष शत्रोहन सोनकर ने कहा कि नगर में विकास की योजनाओं को प्रमुखता देना हमारी प्राथमिकता है। ईओ स्वर्ण सिंह ने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य लगातार किया जा रहा है। आपके सुझाव से ही बदलाव संभव है। बेहतर सुझावों पर सरकार अमल करेगी। इसमें सभी लोगों को बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। बैठक का संचालन आशुतोष सिंह ने किया। इस मौके पर सबिस्ता ब्रजेश, रामखेलावन, एसपी सिंह, मोहित सिंह, सुशील कुमार, गुड़िया, नूरजहां आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

उधरनपुर रामलीला में धू-धू कर जला रावण

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। नगर के उधरनपुर में चल रही 12 दिवसीय रामलीला उत्सव बुधवार की रात रावण दहन के साथ संपन्न हुई। आतिशबाजी के साथ रावण के पुतले के जलते ही दर्शकों ने जय श्रीराम का उद्घोष किया। इस अवसर पर अध्यक्ष अतुल अग्निहोत्री, आशुतोष अग्निहोत्री, अनुराग शुक्ला, रवि शंकर शुक्ला, अमित त्रिपाठी और सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

बैठक आज

हरदोई, अमृत विचार। अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत ने बताया कि जिला पंचायत की बैठक शुक्रवार को मध्यान्ह 12 बजे से जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती की अध्यक्षता में आयोजित की गई है। उन्होंने कहा है कि बैठक में केवल निर्वाचित/पदेन सदस्य ही बैठक में प्रतिभाग करें।

महिला ने कीटनाशक दवा का सेवन किया

शाहाबाद, हरदोई। पति से विवाद के बाद महिला ने घर में रखी कीटनाशक दवा पी ली। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उपचार चल रहा है। गुरुवार को उमरिया कैथानी निवासी वेदराम और उसकी पत्नी रिंकी में विवाद हो गया। बात ज्यादा बढ़ने पर वेदराम ने रिंकी की पिटाई कर दी जिससे नाराज होकर रिंकी ने घर में रखी कीटनाशक दवा पी ली।

किराना दुकान में भारी मात्रा में विस्फोटक मिला

बेनीगंज, हरदोई, अमृत विचार। बुधवार देर रात नगर के मोहल्ला सिकलिन टोला स्थित अभिमन्यु किराना स्टोर से अवैध तरह से भण्डार किए गए आतिशबाजी विस्फोटक को कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश सरोज मय फोर्स के द्वारा जब्त कर लिया गया। किराना दुकान संचालक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

डिवाइडर से टकरा कर पलटा ऑटो, छात्र की मौत, 3 घायल

दुर्घटना में घायल युवक व दो महिलाओं का चल रहा इलाज

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। हरदोई-शाहजहांपुर हाईवे पर यासीनपुर तिराहे पर सीएनजी ऑटो डिवाइडर से टकरा पलट गया। हादसे में एग्रीकल्चर के छात्र की ऑटो के नीचे दबकर मौत हो गई जबकि उसका दोस्त और दो महिलाएं घायल हो गईं। घायलों को सीएचसी टोंडरपुर पहुंचाया गया, पुलिस जांच कर रही है।

बेहटा गोकुल थाने के निज़ामपुर मजरा सैदपुर निवासी देवकी नंदन मिश्रा का 21 वर्षीय पुत्र हिमांशु मिश्रा शाहजहांपुर के एसएस कालेज से एग्रीकल्चर की पढ़ाई कर रहा था। बुधवार को हिमांशु गांव निवासी अपने दोस्त रामकिशोर उर्फ कल्लू के साथ सीएनजी ऑटो पर सवार होकर बुखार की दवाई लेने सकाहा जा रहा था। बताते है कि उसी बीच हाई-वे पर यासीनपुर तिराहे पर आटो अचानक बहका और डिवाइडर से टकरा कर पलट गया। हादसे में हिमांशु आटो के नीचे दब गया, जबकि हादसे की चपेट में आया राजकिशोर उर्फ कल्लू के अलावा बेहटा गोकुल थाने के कुंवरपुर की लक्ष्मी व शाहाबाद की रामदेवी भी घायल हो गईं। ऑटो के नीचे दबे हिमांशु को सीएचसी टोंडरपुर से मेडिकल कालेज और मेडिकल कालेज से उसे लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया, जहां बुधवार की देर रात उसकी मौत हो गई। घर वाले शव गांव उठा लिए जहां बेहटा गोकुल पुलिस ने उसे कब्जे में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया है।

हिमांशु मिश्रा की फाइल फोटो।

एक के बाद एक दो बेटों की मौत से माता-पिता बेहाल

खेती-बाड़ी करने वाले देवकी नंदन मिश्रा के चार बच्चों में दो बेटे रामभइया और हिमांशु के अलावा दो बेटियां थीं। दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है। बड़ा बेटा रामभइया गुजरात की एक कपड़ा कंपनी में नौकरी करता था। करीब चार साल पहले उसकी शादी ननिहाल से हो चुकी थी, लेकिन शादी से ठीक पहले रामभइया की गुजरात में हुए हादसे में मौत हो गई। बड़े बेटे की मौत के बाद से देवकी नंदन बेहाल हो गया था, लेकिन दूसरे बेटे की मौत ने उसे पूरी तरह से तोड़ दिया है। वहीं बेटे की मौत की खबर से हिमांशु की मां पिंकी देवी का काफी बुरा हाल है।

सड़क निर्माण में जमकर हो रही धांधली

संवाददाता, सांडी, हरदोई

अमृत विचार। स्थानीय थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली बिलग्राम ब्लॉक के गांव भाऊपुरवा में जिला पंचायत निधि द्वारा 600 मीटर सड़क पर खड़ंजा निर्माण कार्य होना था, लेकिन ठेकेदार ने पूरी सड़क में ही पीला ईंट का प्रयोग कर लिया है। ग्रामीणों के विरोध के बाद भी ठेकेदार मनमानी पर उतारू है। विकास खंड बिलग्राम के सखेड़ा गांव के मजरा भाऊपुरवा में जिला पंचायत निधि द्वारा 600 मीटर सड़क बनाई जा रही है 20 लाख रुपए की लागत से बनाई जा रही सड़क में जमकर धांधली की जा रही है। ठेकेदार ने खड़ंजा की बजाय पूरी सड़क में ही पीला ईट का प्रयोग कर दिया है। ग्रामीणों के विरोध के बाद भी कार्य में कोई सुधार नहीं हुआ, जिसको लेकर ग्रामीणों ने मामले की शिकायत जिलाधिकारी से की है। गांव निवासी शंभू, राम प्रताप, वेद राम, महेंद्र व विश्वेश्वर ने बताया पूरी सड़क में पीला ईट का प्रयोग किया गया है। यह सड़क एक साल तक नहीं चल पाएगी। इस सड़क में ठेकेदार ने जमकर धांधली की है पूरी सड़क में खड़ंजा का प्रयोग होना था, लेकिन ठेकेदार ने पीला ईट का प्रयोग किया है। वहीं ठेकेदार के कार्यकर्ता ने बताया धोखे से पीला ईंट आ गई है।

सड़क निर्माण में पीले ईंट का हो रहा इस्तेमाल। ● अमृत विचार

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते पदाधिकारी।

पुलिस व पत्रकारों को किया गया सम्मानित

बेनीगंज, हरदोई, अमृत विचार। नगर में आयोजित रामलीला कार्यक्रम में क्षेत्रीय पत्रकारों व कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सहित पुलिस प्रशासन को सम्मानित किया गया। बताते चलें कि आदर्श रामलीला महोत्सव समिति अध्यक्ष लवकुमार मिश्रा ने बुधवार देर रात क्षेत्रीय पत्रकारों व कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश सरोज सहित अन्य पुलिस कर्मियों को राम नाम पट्टिका व बाबा नीमकरौली महाराज का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। समिति अध्यक्ष लवकुमार मिश्रा ने कहा कि पत्रकार व पुलिस दोनों मिलकर समाज मे छिपी बुराइयों को जड़ से साफ करके सुरक्षित माहौल प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं, इसलिए सभी का समय समय पर सम्मान होते रहना चाहिए जिससे इनका हौसला अफजाई होता रहे।

महिला यात्रियों एवं बालिकाओं के प्रति अच्छा व्यवहार करें

हरदोई, अमृत विचार। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन/परिवर्तन ने बताया कि शुक्रवार को मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत प्राइवेट बस अड्डा पर महिला सशक्तिकरण का आयोजन किया जायेगा, जिसमें चालकों एवं परिचालकों को महिला यात्रियों एवं बालिकाओं के प्रति अच्छा व्यवहार करने हेतु जागरूक किया गया तथा बस अड्डा पर उपस्थित महिलाओं व बालिकाओं को सड़क सुरक्षा के उपाय एवं महिला अपराध संबंधी कानूनों के बारे में बताया गया। साथ ही विभिन्न स्थानों पर महिला सशक्तिकरण संबंधी पम्पलेट का वितरण कराया गया।

खेत में पराली जलाई तो होगी सख्त कार्रवाई

संवाददाता, शाहाबाद, हरदोई

अमृत विचार। तहसील क्षेत्र के ग्राम परेली में गुरुवार को कृषि विभाग द्वारा गोष्ठी का आयोजन कर खेतों में पराली न जलाने को लेकर जागरूक किया।

उप निदेशक कृषि सतीश पांडेय ने कृषकों को बताया कि राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा खेत में धान की फसल के अवशेष न जलाए जाने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। कोई भी कृषक अपने खेत में पराली नहीं जलाएगा। पराली जलाने से वायु प्रदूषण फैलता है जो जनस्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इसके अलावा फसल के अवशेष खेत में जलाने से खेत में मौजूद कीड़े और चूहे आदि मर जाते हैं और कृषि भूमि भी पहले की तरह उपजाऊ नहीं रहती है। अगर किसी कृषक द्वारा खेत में पराली जलाने की शिकायत मिलती है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। स अवसर पर उपसंभागीय कृषि प्रसार अधिकारी विनीत शुक्ल, आशुतोष पांडेय विषय वस्तु विशेषज्ञ शाहाबाद और क्षेत्रीय कृषि कर्मचारी अंकित कुमार, शिवम मिश्रा और कृषक उपस्थित रहे।

शाहाबाद में बैठक में किसानों को जानकारी देते कृषि विभाग के अधिकारी।

खेत में जलाई पराली कार्रवाई को भेजी रिपोर्ट

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। तहसील क्षेत्र के परगना आलमनगर के ग्राम कुसुमा में एक किसान को खेत में धान की फसल के अवशेष जलाने पर कार्रवाई करने की रिपोर्ट प्रेषित की गई है। परगना आलमनगर क्षेत्र के ग्राम कुसुमा के लेखपाल और कृषि विभाग के टोडरपुर ब्लॉक के एटीएम ने शासन को भेजी रिपोर्ट में बताया कि सेटेलाइट के माध्यम से मिली लोकेशन पर संयुक्त रूप से जांच करने पर कृषक संजय सिंह को खेत में धान की पराली जलाने का दोषी पाया गया। कृषि और राजस्व विभाग की संयुक्त रूप से प्रेषित रिपोर्ट के आधार पर दोषी कृषक के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सड़क पर निकले मगरमच्छ को ग्रामीणों ने रस्सी से बांधी

संवाददाता, पिहानी, हरदोई

अमृत विचार। क्षेत्र के कुंवरपुर बघेला गांव में देर रात मगरमच्छ सड़क पर आ गया। ग्रामीणों ने जब सड़क पर रेंगते हुए मगरमच्छ को देखा तो अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते गांव के सैकड़ों लोग मौके पर एकत्र हो गए।

मगरमच्छ के आबादी क्षेत्र में पहुंचने से लोगों में दहशत फैल गई। ग्रामवासियों ने हिम्मत दिखाते हुए खुद ही मगरमच्छ को पकड़ने की कोशिश शुरू की। कई घंटे की मशक्कत और सामूहिक प्रयास के बाद देर रात ग्रामीणों ने मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ लिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सूचना देने के बावजूद वन विभाग की टीम मौके पर देर से पहुंची और जब आई तो मूकदर्शक बनी रही। गांव के युवाओं ने जोखिम उठाकर मगरमच्छ को पकड़कर रस्सियों से बांध दिया। जबकि वन विभाग की टीम मूकदर्शक बनी रही।

मगरमच्छ को रस्सियों से बांधते ग्रामीण।

साइबर क्राइम से रहे सावधान

संवाददाता, माधौगंज, हरदोई

अमृत विचार। कस्बे में स्थित लखनऊ पब्लिक स्कूल में एंटी रोमियो मिशन शक्ति फेस 5.0 के तहत बैठक की गई। बैठक में सीओ बिलग्राम रवि प्रकाश सिंह और थाना प्रभारी विजय कुमार ने साइबर क्राइम से बचने व शिकायत दर्ज कराने के बारे में जागरूक किया। कहा कि आज के डिजिटल युग में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। थोड़ी सी लापरवाही आपके मेहनत की कमाई और निजी जानकारी को खतरे में डाल सकती है। बच्चों को यातायात के सम्बन्ध में जानकारी दी गई है। प्रधानाचार्य केके शर्मा ने सीओ को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

सीओ रवि प्रकाश सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट करते प्रधानाचार्य केके शर्मा।

हरपालपुर में सर्वजीत इंटर कालेज चाऊंपुर में छात्र-छात्राओं को लघु फिल्म दिखाकर साइबर क्राइम, महिला अपराध, घरेलू हिंसा, लैंगिक उत्पीड़न, दहेज उत्पीड़न, छेड़छाड़ आदि के बारे में जानकारी दी गई। बताया कि अनजान नंबर पर कॉल आने पर कोई ओटीपी न बताएं, वहीं थाना क्षेत्र पलिया जूनियर स्कूल में छात्राओं को साइबर और एंटी-रोमियो स्क्वॉड से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी। इस मौके पर महिला उपनिरीक्षक अंजना सचान, महिला आरक्षी आशा शामिल रहे।

घर में घुसकर मारपीट एक की हालत गंभीर

सांडी, हरदोई, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के गांव में मामूली बात को लेकर घर में घुसे दबंगों ने दंपति व उसके नाबालिग पुत्र को पीट दिया। जिसमें युवक की हालत गंभीर होते देख डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल लेकर दिया है। थाना क्षेत्र के भगहर गांव निवासी दीपू (35) का गुरुवार की शाम किसी बात को लेकर राम शंकर से विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ गया कि आशुतोष, ज्ञानू, शिखर, विजय सुंदर, आधा दर्जन लोगों ने लाठी-डंडों से लैस होकर दीपू के घर पर चढ़ाई कर दी। घर में घुसकर दीपू उसकी पत्नी सीमा और पुत्र शिवम (13) को जमकर पीट दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल दीपू को जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

नदी में गिरी पिकअप, मजदूर घायल, चालक बचाया गया

संवाददाता, हरदोई

● पुल की रेलिंग टूटी होने से रात के समय समझ नहीं सका ड्राइवर

अमृत विचार। भागवत कथा का समापन होने के बाद टेंट का सामान पिकअप पर लाद कर भेजा जा रहा था, उसी बीच पिहानी में करावां रोड सई नदी के इटारा पुल पर पहुंचते ही रेलिंग टूटी होने की वजह से पिकअप उसी में गिर पड़ी, जिससे उस पर सवार मज़दूर घायल हो गया, जबकि ड्राइवर बाल-बाल बच गया।

पिहानी के जमलापुर गांव में भागवत कथा का समापन हुआ था। गुरुवार को वहां लगे टेंट का सामान पिकअप पर लादकर वापस भेजा जा रहा था। बताते हैं कि पिकअप करावां रोड पर सई नदी के इटारा पुल पर पहुंची। पुलिस की रेलिंग टूटी होने से ड्राइवर शानू निवासी मोहल्ला मिश्राना पिहानी कुछ समझ नहीं सका, उसी बीच पिकअप सीधे सई नदी में जा गिरी, जिससे उस पर सवार मज़दूर अलियापुर निवासी वीर सिंह घायल हो गया। उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया है, वहीं बाल-बाल बचे ड्राइवर शानू को रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया।

डायट में आयोजित चित्रकला प्रदर्शनी का हुआ समापन

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में चित्रानुपमा 04 कला प्रदर्शनी का गुरुवार को समापन हो गया। विभिन्न विकास खण्ड एवं नगर क्षेत्र से शिक्षकों एवं बच्चों के साथ डायट प्रवक्ताओं एवं डीएलएड प्रशिक्षुओं ने प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया। कला प्रदर्शनी में एक सैकड़ा से अधिक प्रतिभागियों ने पेंटिंग, क्राफ्ट, गायन, नृत्य में बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने अनेक विधाओं में संदेश देती हुई कलाकृतियां बनाई जिसने सभी का मन मोह लिया।

डायट प्राचार्य योगेंद्र सिंह ने कहा कि चित्रानुपमा सभी कलाकारों को एक मंच प्रदान करता है जिसमें सभी को अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन का अवसर मिलता है। कलाकारों के द्वारा जो भी कलाकृति बनायी गई हैं वह सभी प्रशंसनीय है। प्रदर्शनी के नोडल कला प्रवक्ता चतुर्भुज नारायण ने बताया कि यह लगातार चौथी बार है जब कला में रुचि रखने वाले जिले के शिक्षकों और विद्यार्थियों को उनके भाव अभिव्यक्त करने का अवसर मिला। प्रदर्शनी में शिक्षक शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं व डायट प्रशिक्षु सहित 115 प्रतिभागियों में कलाकृतियां व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रदर्शित किये। सभी कलाकारों को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

गैर इरादतन हत्या में पिता व उसके 3 पुत्रों को पांच-पांच साल की कैद

हरदोई, अमृत विचार। विशेष न्यायाधीश एससी एसटी एक्ट सुनील कुमार सिंह ने एक फैसले में गैर इरादतन हत्या के मामले में आरोपित पिता और उसके तीन बेटों को जुर्म साबित होने पर पांच-पांच साल की कड़ी का और 12-12 हजार रुपये जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई है।

शासकीय अधिवक्ता वीरेश कुमार सिंह ने बताया कि थाना बेनीगंज क्षेत्र के दौलतपुर निवासी राम प्रसाद के बेटे श्याम सुंदर, राजेश व शोभाराम ने 14 जून 2005 को रात नौ बजे गांव के शिव प्रसाद और उसकी माता चमेली को लाठी डंडों से पीट कर गंभीर रूप से घायल किया। इसके चलते इलाज के दौरान शिव प्रसाद की मृत्यु हो गई। इस घटना की रिपोर्ट मृतक के पिता कुंवर ने दर्ज कराई। सत्र न्यायाधीश ने अदालत के समक्ष पेश हुए सबूत के आधार पर और दोनों पक्षों को सुनकर चारों आरोपितों पर जुर्म साबित पाया और उन्हें पांच-पांच साल की कैद और विभिन्न धाराओं में 12-12 हजार रुपये जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई है। जुर्माना की धनराशि जमा होने पर उसकी आधी धनराशि मृतक शिव प्रसाद की पत्नी को दिलाए जाने का आदेश दिया गया है।

दूध, पनीर व सरसों के तेल में हो रही मिलावट

कछौना, हरदोई, अमृत विचार। दीपावली के त्योहारों पर मिलावटखोर सक्रिय हो गए हैं। खाद्य वस्तुओं की अधिक मांग का फायदा उठाकर लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। लोगों के अनुसार पनीर, सरसों का तेल, मिठाई, सोहन पापड़ी, में मिलावट की जा रही है। कछौना बाजार में मिलावटी दूध, पनीर, सरसों का तेल, धड़ल्ले से बिक रहा है। दुकानदार मानकों को ताख पर रखकर धज्जियां उड़ा रहे हैं। दूध में मिलावट खोर सिंथेटिक दूध तैयार कर जहर बना रहे हैं। यह मिलावटी खाद्य पदार्थ काफी हानिकारक हो सकते हैं।

पहल | सेंट जेवियर्स स्कूल में डोनेशन ड्राइव का हुआ आयोजन

गरीबों व जरूरतमंदों को बांटी खाद्य सामग्री

संवाददाता, पिहानी, हरदोई

अमृत विचार। सेंट जेवियर्स स्कूल पिहानी ने दीपावली के मौके पर डोनेशन ड्राइव (दान अभियान) का आयोजन किया। इस अभियान का उद्देश्य समाज के गरीब, वंचित एवं जरूरतमंद लोगों तक खुशी पहुंचाना था, ताकि वे भी इस पर्व को उल्लासपूर्वक मना सकें।

अभियान में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने मिलकर कपड़े, मिठाइयां, खाद्य सामग्री, दैनिक उपयोग की वस्तुएं तथा जरूरत की अन्य चीज़ें एकत्र कीं। इन सभी वस्तुओं को विद्यालय परिवार की ओर से आस-पास के क्षेत्रों में रहने वाले गरीब और असहाय परिवारों में वितरित किया गया। विद्यालय परिवार का मानना है कि किसी भी त्योहार की सच्ची खुशी तभी होती है जब हम दूसरों के चेहरे पर मुस्कान ला सकें। इस पहल के माध्यम से छात्रों में सामाजिक जिम्मेदारी, करुणा और सहयोग की भावना का विकास हुआ। विद्यालय के प्राचार्य ने विद्यार्थियों के इस सराहनीय प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा की और उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार समाज सेवा के कार्यों में अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सेंट जेवियर्स स्कूल सदैव अनुशासन और न्याय के आदर्शों पर चलकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करता रहेगा। ।इस आयोजन ने न केवल जरूरतमंदों के जीवन में प्रकाश फैलाया, बल्कि विद्यार्थियों के हृदयों में भी मानवता और करुणा का दीप प्रज्ज्वलित किया। विद्यालय परिवार ने इस आयोजन के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का एक और कदम उठाया है।

जरूरतमंदों को मिठाइयां व खाद्य सामग्री वितरित करतीं शिक्षिका व स्कूली बच्चे।

झाड़ी शाह बाबा का मेला 24 से

संडीला, हरदोई, अमृत विचार। क्षेत्र के सुप्रसिद्ध सूफी संत सैयद रब्बानी शाह कादरी उर्फ़ झाड़ी शाह बाबा एवं सूफ़ी मो. इदरीस हसन शाह का वार्षिक उर्स व मेला आगामी 24 अक्टूबर से आरंभ होकर दो नवंबर तक होगा। मेला कमेटी अध्यक्ष सूफ़ी शाहनवाज़ आलम ने जानकारी देते हुये बताया की उर्स का शुभारंभ सुबह आठ बजे दरगाह परिसर में किया जाएगा। उन्होंने बताया की एक नवंबर को जवाबी क़व्वाली का मुक़ाबला होगा जिसमें 29 अक्टूबर को प्रसिद्ध क़व्वाल सुल्तान साबरी, 1 नवंबर को अज़मत आफ़ताब वारसी व बेबी ज़ारा वारसी व 2 नवंबर को अनीस नवाब क़व्वाल अपना कलाम पेश करेंगे।

गांवों में नहीं हुई साफ-सफाई

संवाददाता, टड़ियावां, हरदोई

अमृत विचार। दीपावली का त्योहार नजदीक है, लेकिन क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में साफ-सफाई की स्थिति काफी खराब है। विकास खंड की 68 ग्राम पंचायतों में अपवाद स्वरूप कुछेक ग्रामों में सफाई की जा रही है। ग्राम महमदापुर पनिहइया में पिछले छह माह से सफाईकर्मी नहीं पहुंचे, जिससे गांव की नालियां गंदगी से भरी हैं। प्राथमिक विद्यालय के आवास कूड़े के ढेर लगे हैं। सफाईकर्मियों की मनमानी से परेशान होकर डीपीआरओ द्वारा कुछ कर्मियों की निलंबित भी किया जा चुका है। ग्रामीणों ने कहा कि दीपावली पर्व साफ सफाई का त्यौहार है, अगर पंचायत राज महकमें जिम्मेदार गंभीर नहीं हुए तो विभागीय उदासीन अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे।

नाले में भरा कूड़ा। ● अमृत विचार

> त्योहार पर साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिये कर्मचारियों को सचत चेतावनी दी गई है। जिन ग्राम पंचायतों में सफाई नहीं हो रही है, वहां के लोग बिना संकोच के शिकायत दर्ज कराएं, संबंधित सफाई कर्मियों पर कार्रवाई की जाएगी।
>
> – नरेंद्र वर्मा, प्रभारी एडीओ पंचायत, विकास खंड – टड़ियावां

सलमान अली ने सूफियाना सुरों से बांधा समां

देवा मेला में गुरुवार की रात इंडियन आइडल और सारेगामापा फेम गायक ने दी प्रस्तुति

देवा, बाराबंकीः अमृत विचार

अमृत विचार। विश्व प्रसिद्ध देवा मेले की गुरुवार रात संगीत और सूफियाना सुरों से सराबोर हो गई, जब इंडियन आइडल और सा रे ग मा प फेम गायक सलमान अली ने अपनी अद्भुत आवाज से हजारों दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मेगा नाइट कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन और तहसीलदार भूपेंद्र विक्रम सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मंच पर जैसे ही सलमान अली पहुंचे, पूरा मैदान तालियों की गड़गड़ाहट और मोबाइल फ्लैश लाइटों की रोशनी से जगमगा उठा। सलमान अली ने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत 'तेरी दीवानी' गीत से की, जिसके बाद उन्होंने 'दमादम मस्त कलंदर', 'तुम्हे दिल्लगी भूल जानी पड़ेगी', 'छाप तिलक सब छीनी', और 'यह जो हल्का-हल्का सुरुर है' जैसे सूफी गीतों से ऐसा जादू बिखेरा कि दर्शक झूम उठे। इसके बाद 'मेरे रश्के क़मर', 'भर दो झोली मेरी', 'ताजदार-ए-हरम' और 'आज की रात' जैसे गीतों ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक और रोमांचक बना दिया। कार्यक्रम में युवा, बच्चे और बुजुर्ग सभी सुरों की लय पर थिरकते नजर आए। दर्शक मोबाइल कैमरों में हर पल कैद करते रहे। जिला प्रशासन और मेला प्राधिकरण की ओर से सलमान अली का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। सलमान अली ने कहा कि देवा मेला की मिट्टी में अपनापन और श्रद्धा है, यहां गाना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। कार्यक्रम के समापन पर उनके लोकप्रिय गीतों की झड़ी ने ऐसा माहौल बनाया कि पूरा पंडाल तालियों और सुरों से गूंज उठा। देवा मेले की यह रात यादगार बन गई, जहां संगीत, सूफियाना रंग और दर्शकों का उत्साह एक साथ झूमता नज़र आया।

प्रस्तुति देते सलमान अली।

प्रस्तुति देते लोकगायक सुरेश कुशवाहा। ● अमृत विचार

बाबा देवा साहब के भवनवा बड़ा पावन लागे...

देवा, बाराबंकी: अमृत विचार। देवा मेला के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की संगीतमयी शाम अंतरराष्ट्रीय लोकगायक सुरेश कुशवाहा के नाम रही। मंच पर जैसे ही सुरेश कुशवाहा ने अपने लोकप्रिय लोकगीत बाबा देवा साहब के भवनवा बड़ा पावन लागे... की प्रस्तुति दी, पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा। इसके बाद उन्होंने अंगनवा में बबुरा लगईबा त कैसे के आम होई जाई और देवा का सम्मान हरदम बनल रहे जैसे गीतों से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। हर प्रस्तुति पर दर्शकों ने भरपूर तालियां और उत्साह दिखाया। साथी गायिका जया ने दिन भर वाढे जहां रहिहौ हमार पिया और गाड़ी वाले दुपट्टा लहराय रे जैसे गीतों से माहौल में रंग भर दिया। कार्यक्रम में कलाकार सद्दाम, अफाक, रोहित, रामपाल, साहिल और सुनील ने वाद्य यंत्रों पर बेहतरीन संगत देकर प्रस्तुति को और जीवंत बना दिया। देवा मेला की यह संगीतमय शाम लोकसंस्कृति की मिठास और सुरों के संगम के रूप में लंबे समय तक श्रोताओं की स्मृति में बनी रहेगी।

विजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी देते पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद सिंह गोप। ● अमृत विचार

मन्ना इलेवन ने जीता हॉकी का फाइनल मुकाबला

देवा, बाराबंकी: अमृत विचार। देवा मेला 2025 के तहत आयोजित राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में मन्ना इलेवन गोंडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बाबू सोसायटी लखनऊ को 4-1 से हराकर चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम कर ली। गुरुवार को हुए इस मुकाबले का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। पूरे मैच के दौरान मन्ना इलेवन की टीम ने तेज आक्रामक खेल दिखाया और विपक्षी टीम को दबाव में रखा। लखनऊ की टीम केवल एक गोल ही कर सकी जबकि गोंडा ने 4 गोल दागकर जीत पक्की की। मैच के दौरान जिला सचिव धीरेंद्र कुमार वर्मा, देवा मेला आयोजन सचिव मजहर अजीज, महबूब-उर-रहमान, अरमान वारसी, अदील अहमद, मुजीब अहमद, विजय अवस्थी, आशीष वर्मा सहित कई खेलप्रेमी मौजूद रहे। देवा मेला की इस स्पोर्ट्स प्रतियोगिता ने युवाओं में खेल भावना और उत्साह का संचार किया।

देवा मेला 2025 का आज होगा भव्य समापन

देवा, बाराबंकी। सूफी संत हाजी वारिस अली शाह के संदेश जो रब है वही राम है की अलौकिक विरासत से जुड़ा 10 दिवसीय देवा मेला 2025 शुक्रवार को भव्य समारोह के साथ संपन्न होगा। परंपरा के अनुसार एसपी बाराबंकी अर्पित विजयवर्गीय की धर्मपत्नी संपदा विजयवर्गीय शाम को हॉकी मैदान में इको-फ्रेंडली आतिशबाजी के साथ मेला का समापन करेंगी। समापन कार्यक्रम से पहले ऑडिटोरियम में देवा मेला 2025 की स्मारिका का विमोचन, प्रशस्ति पत्र वितरण और मेगा लेजर शो का आयोजन भी किया जाएगा। सूफी परंपरा, सांस्कृतिक विविधता और लोक-समरसता का प्रतीक यह मेला इस बार भी भक्ति, प्रेम और सौहार्द का संदेश देकर विदा होगा।

देवा मेला के सांस्कृतिक मंच पर प्रस्तुति देते स्कूली बच्चे। ● अमृत विचार

इक्कीसवीं सदी की यही पुकार, शिक्षा है सबका अधिकार

देवा, बाराबंकी : अमृत विचार। देवा मेला 2025 के सांस्कृतिक मंच पर गुरुवार को स्कूली बच्चों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत जीजीआईसी देवा की प्रिंसिपल डॉ. सुविद्या वत्स, खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार गौड़ द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुई। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की छात्रा रूबी ने 'अधरंमधुरं' गीत से समां बांध दिया। अरुणोदय पब्लिक स्कूल के बच्चों ने पिरामिड नृत्य प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। कस्तूरबा गांधी विद्यालय की छात्राओं ने और जीजीआईसी देवा की रोशनी ने अपने गीतों से भ्रष्टाचार पर प्रहार किया। विनोबा बालिका विद्यालय की छात्रा ने राम आएंगे गीत से भक्ति भाव जगाया, जबकि जीजीआईसी देवा की छात्राओं ने देशभक्ति गीत सैनिक घर जाकर मत कहना" से जोश भर दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा कस्तूरबा गांधी विद्यालय हैदरगढ़ की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नाटक इक्कीसवीं सदी की यही पुकार, शिक्षा है सबका अधिकार जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। समापन पर नायब तहसीलदार अभिषेक कुमार ने सभी प्रतिभागियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस मौके पर विकास वर्मा, नीरज श्रीवास्तव, अंकित कुमार, अनुज कुमार समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रैंपवाक करतीं प्रतिभागी। ● अमृत विचार

परिधान-ए-अवध रैंपवॉक का रंगीन जलवा

देवा, बाराबंकी : अमृत विचार। देवा मेले की गुरुवार की सांस्कृतिक संध्या 'परिधान-ए-अवध' थीम पर रंग-बिरंगी पारंपरिक पोशाकों के साथ सज-धजकर रैंपवॉक का आयोजन हुआ, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया। 'अवध की शान परिधान की पहचान' विषय पर प्रतिभागियों ने लोकधुनों और शास्त्रीय संगीत की पृष्ठभूमि में पारंपरिक साड़ी, लहंगा, घाघरा, चुन्नटदार पोशाकों के साथ अपनी प्रस्तुति दी। मुख्य आकर्षण 'रॉयल अवधी' कैटेगरी रही, जिसमें बनारसी साड़ियों और जरीदार दुपट्टों से सजी महिलाओं ने अवध की तहज़ीब और नज़ाकत का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। पुरुषों ने धोती और सूटबूट पहनकर सांस्कृतिक विरासत को जीवंत किया। जिला प्रशासन के अधिकारियों और विशिष्ट अतिथियों ने प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए इस प्रकार के आयोजनों की महत्ता बताई, जो स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ हमारी सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का काम करते हैं।

महिला अधिकारों पर दी जानकारी

देवा, बाराबंकी। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाराबंकी के तत्वावधान में देवा मेला एवं प्रदर्शनी में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जनपद न्यायाधीश एवं प्राधिकरण अध्यक्ष प्रतिमा श्रीवास्तव के निर्देशन में किया गया। गुरुवार को आयोजित शिविर में उमेश चंद्र और श्रीमती दौलता कुमारी ने मेले में आए आमजन को घरेलू हिंसा अधिनियम और महिलाओं के कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

डाक विभाग ने दी योजनाओं की जानकारी

देवा, बाराबंकी। विश्व प्रसिद्ध देवा मेला में भारतीय डाक विभाग ने सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया। मेले में आए ग्रामीणों, किसानों और आम नागरिकों को सुकन्या समृद्धि योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना सहित कई योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अभियान में सक्रिय योगदान देने वाले विभागीय कर्मियों को सांस्कृतिक मंच पर प्रधानाचार्य/नोडल अधिकारी डॉ. सुविद्या वत्स ने सम्मानित किया। सम्मानितों में विकास अधिकारी शुभंकर शर्मा और जनसंपर्क निरीक्षक पवन कुमार वर्मा शामिल रहे।

ओ मजनू की विरासत का वो हक़दार नहीं...

देवा, बाराबंकी। देवा मेला के अंतर्गत आयोजित 101वें ऑल इंडिया मुशायरे में देशभर से आए मशहूर शायरों ने अपने कलाम से समां बांध दिया। ऑडिटोरियम में हुए इस यादगार आयोजन की शुरुआत मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और फिल्म निर्देशक मुजफ्फर अली ने शमा रोशन कर की। विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप और अध्यक्षता इमरान-उर-रहमान किदवई ने की। संचालन शायर अबरार काशिफ ने किया। चौधरी तालिब नज़ीब कोकब के नेतृत्व में मेला कमेटी ने मेहमानों और शायरों का सम्मान किया। इसी अवसर पर पत्रिका आबसार 2025 का विमोचन भी किया गया। मुशायरे की शुरुआत अज्म शाकिरी के शेर नहर से इक नहर जारी कर रहा हूं... से हुई। फैज कुमार ने अपनी गजलों इतने ग़म पहले मुहब्बत ने दिए मुझको... और शेहरा में जो रहने का तलबगार नहीं है... पढ़कर खूब तालियां बटोरीं। इसके बाद शहबाज़ तालिब, मशहूर शायरा शबीना अदीब, डॉ. अंजुम बाराबंकी सहित तमाम शायरों ने अपने कलामों से महफिल को चार चांद लगा दिये।

कलाम पेश करते शायर।

फोरेंसिक टीम की मौजूदगी में महिला के कंकाल का करीब साढ़े तीन घंटे हुआ पोस्टमार्टम

हरदोई, अमृत विचार। बाज़ार के लिए निकली महिला के लापता होने के करीब दो साल बाद कुएं से उसका बरामद किया गया था। उसके कंकाल का गुरुवार को 17वें पोस्टमार्टम हुआ। फोरेंसिक टीम करीब साढ़े तीन घंटे तक महिला की मौत का पता नहीं लगा सकी। अब उसकी फीमर (जांघ) और क्लिप बोन (हंसली) की हड्डी को जांच और दांत को डीएनए टेस्ट किए लिए भेजा गया है। उसकी रिपोर्ट आने के बाद ही मर्डर मिस्ट्री का सही-सही पता चल सकेगा।

बताते चलें कि सण्डीला कोतवाली के सराय मारूफपुर निवासी गंगाराम की बहू सोनम पत्नी शशिचन्द्र 6 अगस्त 2023 को सण्डीला बाज़ार से गायब हो गई थी। पुलिस ने गंगाराम की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु कर दी। सोनम की बरामदी के लिए कई टीमें बनाई गई, पांच विवेचक बदले गए, लेकिन कोई हल नहीं निकला। बाद में सीओ सण्डीला संतोष कुमार सिंह ने गहराई से जांच शुरु करते हुए सीडीआर, इलेक्ट्रानिक के अलाव तमाम क्लू तलाशे, जिसमें सामने आया कि सोनम की गुमशुदगी में माधौगंज थाने के ज़ेहदीपुर निवासी मसीदल उर्फ मसीदुल उर्फ मोटू पुत्र अय्यूब व उसके भाई समीदुल का हाथ है। छानबीन करते हुए सण्डीला पुलिस ने आरोपी समीदुल और उसके पिता अय्यूब को हिरासत में ले कर पूछताछ की, जिसमें दोनों ने अपना जुर्म कुबूल करते हुए बताया कि उन्होने सोनम की हत्या कर उसका शव मतल्ले के सूखे पड़े कुएं में फेंक दिया था, उसके ऊपर खर-पतवार डाल दी थी। पुलिस टीम ने आरोपियों की निशानदेही पर कुएं को खंगाला। जिसमें से महिला के कंकाल के अलावा कुछ कपड़े, सैंडिल, हेयर क्लिप बरामद की।

महिला ने सई नदी में कूदकर की खुदकुशी

हरदोई, अमृत विचार। पिहानी रोड पर सई नदी पुल से अधेड़ महिला पानी में कूद पड़ी। काफी मुश्किलों के बाद नदी से बाहर निकाल कर उसे सीएचसी पहुंचाया गया, लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। सोशल मीडिया पर वायरल हुए फोटो से उसकी पहचान की जा सकी। गुरुवार की दोपहर करीब साढ़े 12 बजे 55 वर्षीय महिला हरदोई-पिहानी रोड पर सई नदी पुल पर पहुंची। कोई कुछ समझ पाता, उससे पहले वह पुल की रेलिंग पर चढ़ी और पानी में कूद पड़ी। उसे कूदते हुए देख आस-पास मौजूद लागों ने शोर मचाया। जानकारी होने पर पहुंची पुलिस ने महिला को बमुश्किल नदी से बाहर निकाला और सीएचसी पिहानी पहुंचाया, लेकिन उसकी मौत हो गई। शव की पहचान के लिए कोशिश की जा रही थी, उसी बीच पिहानी कस्बे के मोहल्ला कोट कला के अशरफ की पुत्री हुस्न जहां ने शव की पहचान अपनी मां मुन्नी के रूप में की। मुन्नी के पति की पहले ही मौत हो चुकी थी। उसका इकलौता बेटा असलम गुरुवार को अपनी रिश्तेदार के चालीसवें में शामिल होने गया था।

हरदोई होकर चलेगी अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन

हरदोई, अमृत विचार। दीपावली और छठ पर्व पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेल प्रशासन ने एक और फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन लखनऊ और शकूरबस्ती के बीच चलेगी और हरदोई से होकर गुजरेगी। रेलवे के अनुसार, 04402 शकूरबस्ती–लखनऊ फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन का संचालन 17, 18 और 19 अक्टूबर को किया जाएगा। यह ट्रेन शकूरबस्ती से रात 9:15 बजे रवाना होकर नई दिल्ली, गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद होते हुए सुबह 6:30 बजे हरदोई पहुंचेगी। वहीं, 04401 लखनऊ–शकूरबस्ती फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन 18, 19 और 20 अक्टूबर को लखनऊ से दोपहर 12:30 बजे चलेगी और आलमनगर होते हुए दोपहर 2:20 बजे हरदोई पहुंचेगी। ट्रेन का ठहराव शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, हापुड़, गाजियाबाद और नई दिल्ली में रहेगा। रेल प्रशासन ने बताया कि सभी कोच अनारक्षित रहेंगे।

कलियुग में परमात्मा का नाम स्मरण ही काफी

संवाददाता बांगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार। नगर के मोहल्ला खत्रियाना स्थित महिला सत्संग भवन में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में गुरुवार को कथा व्यास श्री भारत भूषण जी महाराज ने कृष्ण-सुदामा की अटूट मित्रता का मार्मिक वर्णन किया। उन्होंने कहा कि कलियुग में मनुष्य केवल परमात्मा के नाम का स्मरण कर ही भवसागर से पार पा सकता है।

कथा में उन्होंने बताया कि सुदामा ने अपने गुरु माता द्वारा दिए गए चनों को मित्रता निभाने के लिए खा लिया, जबकि उन पर शाप था कि जो उन्हें खाएगा, वह निर्धन हो जाएगा। इसके बावजूद सुदामा ने मित्र धर्म निभाया और निर्धनता स्वीकार की। यह प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कृष्ण-सुदामा मिलन की कथा के उपरांत पांडाल में भव्य फूलों की होली उत्सव का आयोजन हुआ। भक्तों ने एक-दूसरे पर पुष्प वर्षा कर आनंद मनाया। कथा व्यास द्वारा प्रस्तुत होलिका गीतों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक चंद्रकांत सिंह, प्रधान प्रतिनिधि सुरेंद्र कश्यप, भाजयुमो जिलाध्यक्ष बाला राव गुप्ता, उद्योगपति चौधरी राजीव सिंह व संजीव सिंह सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। यजमान अशोक रस्तोगी व उनकी पत्नी अलका रस्तोगी ने अतिथियों का स्वागत किया। कथा के समापन पर हवन, कन्या भोज और भंडारे का आयोजन किया गया।

भागवत कथा का श्रवण करते श्रोता। ● अमृत विचार

हरदोई से बालाजी राजस्थान के लिए एसी बस सेवा शुरू

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। हरदोई से श्रद्धालुओं के लिए बालाजी धाम राजस्थान जाने वालों के लिए एसी बस सेवा की शुरुआत हो गई है। यात्रियों की यह मांग काफी समय से चल रही थी, क्योंकि अब तक केवल साधारण बसों से ही लोग यात्रा करते थे। बड़ी संख्या में हरदोई व आसपास के क्षेत्र से श्रद्धालु बालाजी दर्शन के लिए जाते हैं, ऐसे में एसी बस सेवा का शुरू होना लोगों के लिए राहत भरी खबर है।

नवीन एसी बस सेवा लखनऊ से अजमेर के लिए चलाई जा रही है, जो दोपहर 12:30 बजे हरदोई से प्रस्थान करेगी। वापसी में यह बस अजमेर से शाम 4:20 बजे, जयपुर से रात 9:20 बजे और बालाजी धाम से मध्यरात्रि 12 बजे रवाना होगी। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किराए भी तय किए गए हैं। अजमेर के लिए 1481 रुपये, जयपुर के लिए 1175 रुपये और बालाजी धाम के लिए 919 रुपये रखा गया है। परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस सेवा से श्रद्धालुओं को न केवल आरामदायक यात्रा मिलेगी, बल्कि समय की भी बचत होगी। साथ ही मौजूदा साधारण बस सेवा पहले की तरह जारी रहेगी, ताकि सभी वर्ग के यात्रियों को सुविधा मिलती रहे। इसके अलावा, हाल ही में दिल्ली के लिए भी एसी बस सेवा की शुरुआत की गई है, जिससे राजधानी आने-जाने वाले यात्रियों को काफी राहत मिली है।

घर से सोना-चांदी के गहने चोरी, दी तहरीर

पाटन, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के ग्राम पोरई पोस्ट कुंदनपुर निवासी संतोष कुमारी पत्नी समरजीत ने घर में हुई चोरी की घटना को लेकर थाना पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता के अनुसार, घटना के समय वह मायके में थी, तभी घर में सोने-चांदी के गहने चोरी हो गए। आरोप है कि चोरी की वारदात परिवार के सदस्यों ने मिलकर की। पीड़िता का आरोप है कि वह पिछले एक माह में दो बार थाना पुलिस को तहरीर दे चुकी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। अब उसने थाना प्रभारी से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और गहनों की बरामदगी की मांग की है। इस संबंध में थाना प्रभारी राहुल सिंह गौर ने बताया कि मामला अभी उनके संज्ञान में नहीं है, जल्द ही जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

तैयारी | नगर के बड़ा चौराहा, महात्मा गांधी मार्ग, सिनेमा रोड, रेलवे गंज में लगने लगीं दुकानें

धनतेरस कल, बाजार में वाहनों का प्रवेश रहेगा प्रतिबंधित

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। धनतेरस की तैयारियां शुरू हो गई हैं। नगर के बड़ा चौराहा, महात्मा गांधी मार्ग, सिनेमा रोड, रेलवे गंज में धनतेरस के मेले में लगने वाली दुकानों को सजाने का काम शुरू हो गया है। धनतेरस के मेले का मुख्य आकर्षक कुछ प्रतिष्ठानों पर विशेष लाइटिंग होती है। इसका भी काम जोरों पर चल रहा है। त्रयोदशी शनिवार दोपहर 1.20 बजे से शुरू होकर रविवार दोपहर 1.54 तक रहेगी। पूरे वर्ष लोगों को जिसका इंतजार रहता है वह धनतेरस का मेला शनिवार को आयोजित किया जाएगा। मेले में गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियों, बर्तनों, सजावटी सामानों की बड़ी-बड़ी दुकानें सड़क के दोनों ओर फुटपाथ पर लगनी शुरू हो गई हैं। पुलिस-प्रशासन ने भी मेले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। मेले में पर्याप्त पुलिस बल मौजूद रहेगा। इसके अलावा इस बार बिलग्राम चुंगी से अटल चौराहा, रामदत्त चौराहा से सिनेमा चौराहा तक भारी व हल्के वाहनों का प्रवेश पूर्णतया बंद कर दिया गया है, वहीं बड़े वाहन शाहाबाद से सीतापुर, लखनऊ से जाने वाले वाहन, चरौली पुलिया से पोखरी तिराहा, नानकगंज झाला होते हुए जाएंगे। बिलग्राम रोड से लखनऊ रोड होते हुए पिहानी चुंगी जाएंगे। नुमाइश चौराहे से मुन्ने मियां चौराहे से जाने वाले वाहन बावन चुंगी रामदत्त चौराहे होते हुए जाएंगे। सिनेमा चौराहा से मुन्ने मियां चौराहे जाने वाले वाहन धर्मशाला रोड से होते हुए जाएंगे। यह डायवर्जन शुक्रवार प्रातः 10 बजे से शनिवार रात्रि दो बजे तक रहेगा।

धनतेरस की तैयारी में रोशनी से सजा प्रतिष्ठान।

दोपहर 1.20 से शुरू होगी त्रयोदशी

हरदोई, अमृत विचार। राम जानकी मंदिर के मुख्य पुजारी मैथलीशरण के अनुसार इस बार शनिवार को त्रयोदशी तिथि दोपहर 1.20 बजे लग रही है जो रविवार दोपहर 1.54 तक रहेगी। महावीर पंचांग के अनुसार ब्रम्ह योग भी बन रहा है जो अत्यंत ही शुभ है। इस दिन भगवान धन्वंतरि अपने एक हाथ में अमृत कलश व दूसरे हाथ में यजुर्वेद लेकर प्रकट हुए थे, इसलिए धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन विधिविधान से चौमुखी दीपक, सरसों का तेल जलाकर दरवाजे के दोनों ओर रखना चाहिए जो बहुत ही कल्याणकारी है। यह स्वास्थ्य से संबंधित महापर्व है। पूजन वृष लग्न में शाम 6.59 से लेकर 8.56 तक विशेष योग है।

पुजारी मैथलीशरण।

दीपावली पर सीमित मात्रा में व निर्धारित समय में ही पटाखे जलाएं : रणवीर सिंह

संवाददाता पाटन, उन्नाव

अमृत विचार। आगामी दीपावली और कार्तिक पूर्णिमा पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना बीघापुर परिसर में उपजिलाधिकारी रणवीर सिंह की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में थाना प्रभारी राजपाल, ग्राम प्रधान, व्यापारीगण और क्षेत्र के संभ्रांत नागरिक मौजूद रहे।

उपजिलाधिकारी रणवीर सिंह ने कहा कि दीपावली पर लोग सीमित मात्रा में और निर्धारित समय में ही पटाखे जलाएं तथा बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण और साफ-सफाई पर भी जोर दिया। कार्तिक पूर्णिमा पर होने वाले गंगा स्नान को देखते हुए घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। थाना प्रभारी राजपाल ने बताया कि त्योहारों के दौरान क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरती जाएगी, संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा और गश्त बढ़ाई जाएगी। उपजिलाधिकारी ने नागरिकों से प्रशासन को सहयोग देने की अपील की ताकि पर्व सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो सकें।

ब्लॉक परिसर में आयोजित हुई सचल अदालत

पाटन, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के ब्लॉक बीघापुर परिसर में गुरुवार को सचल अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जज कनिष्ठ राठौर और नायब तहसीलदार विजय रंजन श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से की। अदालत में ग्रामीणों की भूमि, राजस्व, पेंशन, विद्युत, राशन कार्ड सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें सुनी गईं। अधिकारियों ने कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कराया, जबकि कुछ प्रकरणों को शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। जज कनिष्ठ राठौर ने कहा कि शासन की मंशा है कि जनता को न्याय और सुविधाएं उनके द्वार पर ही मिलें। सचल अदालत इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस दौरान तहसील व ब्लॉक प्रशासन के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

कार्य के चलते आज 7 घंटे बंद रहेगी बिजली

नवाबगंज। अजगैन विद्युत उपखंड अधिकारी रुद्र प्रताप ने बताया कि भारत सरकार की रिवैम्प योजना के अंतर्गत 33 केवी लाइन हसनगंज की लाइन का रिकंडक्टरिंग एवं पोल लगाने का कार्य शुक्रवार को होना प्रस्तावित है। जिसके कारण शुक्रवार को प्रातः 10:00 बजे से 5:00 बजे तक 11 केवी लाइन रायपुर गढ़ी फीडर एवं 11 केवी लाइन नवई फीडर की सप्लाई बंद रहेगी। उपभोक्ताओं के असुविधा के लिए हमें खेद है।

कार्यालय में 28 से पूर्व प्राप्त करा दें समस्याएं

उन्नाव। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने जनपद के समस्त सेवारत सैनिकों/पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों से कहा है कि जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 'जिला सैनिक बन्धु' की बैठक 28 अक्टूबर को अपरान्ह 1:30 बजे कलेक्ट्रेट के पन्नालाल सभागार में आयोजित की जायेगी। उन्होंने समस्त सेवारत सैनिकों/पूर्व सैनिक एवं उनके आश्रितों से कहा है कि जिनकी समस्या है। वह अपनी समस्याओं से सम्बन्धित प्रार्थना पत्र दो प्रतियों में बैठक के पूर्व जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में प्राप्त करा दें।

महिला का फंदे से लटका मिला शव

उन्नाव: पाही हरदो गांव निवासी ऋतु दीक्षित (35) पत्नी सतीश दीक्षित ने गुरुवार दोपहर घर में अकेली थी। बेटा आरजू (12) गांव स्थित स्कूल गया था। पति फसल की रखवाली के लिए खेत पर था। दोपहर पति वापस लौटा तो आरती का शव बिजली के केबिल व दुपट्टे के फंदे से घर के आंगन में पड़े जाल में फंदे से लटका देख उसके होश उड़ गए। पति की सूचना पर कोतवाली प्रभारी फोर्स के साथ पहुंचें। चचेरे भाई आशीष बाजपेई ने ऋतु की मारपीट कर हत्या किए जाने का आरोप लगाया। सतीश मूल रूप से हरदोई जिला का निवासी है।

संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन कल

उन्नाव। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 18 अक्टूबर को तहसील हसनगंज में जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा, जिसमें सभी जिला स्तरीय अधिकारी प्रतिभाग करेंगे। इसी तरह तहसील पुरवा में मुख्य विकास अधिकारी, बीघापुर में अपर जिलाधिकारी (वि0रा0), सदर में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) तथा सफीपुर और बांगरमऊ में संबंधित उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित होगा।

सड़क हादसे में घायल महिला की मौत

उन्नाव। सोहरामऊ के दतौली गांव निवासी शिवराना (80) पत्नी स्व. गंगा प्रसाद, 8 अक्टूबर को गांव के बाहर स्थित अपने बेटे के घर के सामने खड़ी थीं। तभी उसे तेज रफ्तार बुलेट सवार ने टक्कर मार कर भाग निकला। इसमें गंभीर घायल हो गईं। परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए लखनऊ के बंथरा स्थित एक निजी मेडिकल कॉलेज में उसका इलाज करा रहे थे। बुधवार देर शाम उसकी मौत हो गई। सोहरामऊ एसओ संदीप शुक्ला ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

अमेजन व रीड इंडिया के तहत राशन वितरित

नवाबगंज। विकासखंड क्षेत्र के ग्राम सोहरामऊ में गुरुवार को अमेज़न की सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) और रीड इंडिया अभियान के तहत दिवाली विशेष राशन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 100 महिलाओं को सूखा राशन किट और उपहार पैक प्रदान किए गए। राशन वितरण ग्राम पंचायत सोहरामऊ के पंचायत भवन परिसर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जय सोनी, अनुराज शर्मा, प्रशांत कुमार, मोहम्मद रियाज सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहयोग दिया।

अन्ना मवेशियों के खिलाफ चला अभियान

शुक्लागंज। नगर में बढ़ती अन्ना मवेशियों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए नगर पालिका ने गुरुवार को विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान कुल ग्यारह अन्ना मवेशियों को पकड़कर नेतुआ स्थित कान्हा गौशाला भेजा गया। स्वच्छ भारत मिशन प्रभारी ने बताया कि पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे और अधिशासी अधिकारी मुकेश मिश्रा के निर्देश पर यह अभियान चलाया गया।

नवीन पुल पर लगा जाम

उन्नाव: गुरुवार सुबह शुक्लागंज के नवीन पुल पर यातायात का दबाव बढ़ने से जाम की स्थिति बनी रही। करीब ढाई घंटे लगे जाम में वाहन सवार परेशान रहे। इस दौरान कानपुर जाने वाले वाहन सवारों के साथ ही स्कूल जाने वाले बच्चे और ड्यूटी पर निकले कर्मचारी जाम में फंसे रहे। सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लगने से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

पत्नी के हत्यारोपी पति का बाग में फांसी के फंदे से लटका मिला शव

बुधवार को पत्नी की हत्या के बाद फरार हुआ था आरोपी, शव उतारने को लेकर पुलिस व परिजनों में हुई नोकझोंक

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के लालता खेड़ा गांव में पत्नी की हत्या के आरोपी पति का शव गुरुवार सुबह संदिग्ध हालात में फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक राजेश का शव गांव से करीब तीन सौ मीटर दूर देवारा खुर्द स्थित आम के बाग में चिलवल के पेड़ पर अंगौछे के सहारे लटका मिला।

बता दें कि बुधवार सुबह लालता खेड़ा निवासी राजेश लोधी (35) ने अपनी पत्नी सीमा (30) की सिर पर हथौड़ी से वार कर हत्या कर दी थी। यह वारदात दोनों के दो मासूम बच्चों के सामने हुई थी। घटना के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया था। मृतका के पिता रामकुमार निवासी अजमतनगर (थाना आसीवन) की तहरीर पर पुलिस ने पति राजेश, ससुर कमलेश, सास जगरानी, देवर गोविंद, बब्लू और ननद उर्मिला के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया था।

राजेश (फाइल फोटो)।

पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए दो टीमें गठित की थीं, लेकिन गुरुवार सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे देवारा खुर्द स्थित पंचायत भवन के सामने लालता खेड़ा के रहने वाले कैलाश द्विवेदी के आम के बाग में चिलवल के पेड़ के सहारे अंगौछे से फांसी के फंदे पर पत्नी के हत्यारोपी राजेश लोधी का शव लटका ग्रामीणों ने देखा। घटना की सूचना पर ग्रामीण बड़ी संख्या में एकत्र हो गए।

मृतक की भाभी सुशीला और भाई बब्लू ने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष के लोग उसे जान से मारने की धमकी दे रहे थे। उनका कहना था कि बुधवार शाम ही यह कहा जा रहा था कि जहां मिलेगा, वहीं मार देंगे। इसी कारण परिजनों ने इसे

मौके पर मौजूद इंस्पेक्टर व फारेंसिक टीम। अमृत विचार

आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या कर फंदे से लटकाने का मामला बताया है। पुलिस ने जब फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर जांच की तो मृतक के गले में अंगौछा बंधा मिला। जांच के बाद जब शव को उतारने की प्रक्रिया शुरू हुई तो मृतक के परिजन पुलिस से भिड़ गए। उनका कहना था कि जब तक राजेश के पिता कमलेश और मां जगरानी, जो फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं, मौके पर नहीं बुलाए जाते, तब तक शव नहीं उतारा जाएगा। पुलिसकर्मियों ने पूरे घटनाक्रम की वीडियोग्राफी कराई और लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। बाद में शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। सीओ सिटी दीपक यादव ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिये भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत का सही कारण पता चल सकेगा। इसके साथ ही अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

पत्नी के चरित्र पर करता था शक

परिजनों ने बताया कि राजेश को अपनी पत्नी सीमा पर शक रहता था। वह अकसर यह आरोप लगाता कि उसकी पत्नी का उसके ससुर और देवरों से अनुचित व्यवहार है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। शक की इसी प्रवृत्ति ने अंततः परिवार को तबाह कर दिया।

अलग रहता था आरोपी दंपती का परिवार

मृतक राजेश का परिवार संयुक्त नहीं था। उसके पिता कमलेश, मां जगरानी और भाई गोविंद गांव में ही कुछ दूरी पर अलग घर बनाकर रहते थे, जबकि राजेश अपनी पत्नी और दो छोटे बच्चों के साथ अलग मकान में रहता था।

बच्चों की मदद को आगे आया प्रशासन

जिलाधिकारी के निर्देश पर प्रशासन ने पीड़ित परिवार की सहायता के लिए कदम बढ़ाया है। ग्राम अजमत नगर पहुंची जिला प्रोबेशन अधिकारी क्षमा नाथ राय ने बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना के तहत प्रतिमाह 4000 रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की।

मानसिक बीमारी से जूझ रहा था राजेश

परिजनों के मुताबिक राजेश पिछले एक वर्ष से मानसिक रूप से बीमार था। पहले उसका इलाज कानपुर में कराया गया था, इसके बाद पिछले छह महीनों से वह लखनऊ मेडिकल कॉलेज में इलाज करा रहा था। बीमारी के चलते वह तनावग्रस्त और चिड़चिड़ा रहने लगा था, जिसकी वजह से अक्सर घर में कलह होती रहती थी। ग्रामीणों के अनुसार राजेश शराब और गांजा का आदी था। वह टाइल्स और पत्थर लगाने का काम करता था, लेकिन नशे की लत के कारण अक्सर काम छोड़ देता था। नशे में धुत होकर वह पत्नी के साथ मारपीट करता था।

एसडीएम ने दिया परिजनों को आश्वासन

हसनगंज एसडीएम प्रज्ञा पांडेय ने कहा कि घटना दैवीय आपदा के तहत नहीं है। लेकिन निराश्रित बच्चों के लिए जो योजनाएं है उनका लाभ दिलाया जाएगा। जिसमें भरण पोषण के लिये प्रतिमाह सहायता राशि, के साथ नियमानुसार कृषि योग्य भूमि के पट्टे की व्यस्था भी होती है। एसडीएम के आश्वासन के बाद लगभग एक बजे परिजन अंतिम संस्कार को राजी हुए।

साथ ही पीड़िता की मां को पेंशन का लाभ दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बच्चों और नानी के दस्तावेजी कार्य पूरे कराए जा रहे हैं ताकि शीघ्र लाभ मिल सके। घटना स्थल पर एसडीएम प्रज्ञा पांडे और क्षेत्राधिकारी भी मौजूद रहीं। प्रशासन के इस मानवीय कदम से पीड़ित परिवार को राहत और बच्चों के पुनर्वास की उम्मीद मिली है।

कार का टायर फटने से हुआ हादसा

बांगरमऊ, अमृत विचार। एक्सप्रेस वे पर हादसे में दो थाईलैंड के दो बौद्ध धर्मावलंबियों की मौत से हड़कंप मच गया। मामला विदेशी नागरिकों से जुड़ा होने से एसपी जयप्रकाश सिंह ने अफसरों से पूरे मामले की जानकारी ली

बताया जाता है कि हादसा उस वक्त हुआ जब चालक सहित दोनों विदेशी नागरिक लघु शंका के लिए उतरे थे। तभी पीछे से आई कार का टायर अचानक फट गया। इससे कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे सकूलसक व अनन को रौंदते चली गई। इसकी चपेट चालक प्रकाश भी आ गया। कार सवार लोग हादसे के बाद मौके से भाग निकले। वहीं कार में बैठी थाईलैंड की महिला पर्यटक वोंग सोमबूम व उनके साथ मौजूद प्रामो बाल - बाल बच गया। लेकिन घटना के बाद से वह दहशत में है।

दुर्घटना में बची थाईलैंड की महिला से घटना के बाबत पूछताछ करने में जुटी पुलिस।

सकूलसक। अनन। (फाइल फोटो)

झालरें खरीदने दिल्ली जा रहे थे

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार श्रावस्ती के बौद्ध मंदिरों में सजावट के लिए झालरों व अन्य सामान की आवश्यकता थी। इसीलिए ट्रस्ट की कार से सभी खरीददारी के लिए दिल्ली जा रहे थे। तभी हादसा हो गया। इसकी खबर मिलते अन्य बौद्ध धर्मावलंबियों में कोहराम मच गया। लखनऊ से बौद्ध धर्मावलंबियों सहित बड़ी संख्या में उनके अनुयायियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू है। वहीं शवों का रात में ही पोस्टमार्टम कराने की भी तैयारी शुरू की गई है। इसके लिए सीएमओ डॉ. सत्यप्रकाश ने डॉक्टर व स्टाफ को अलर्ट किया है।

एसपी ने दरोगा और दो सिपाहियों को किया निलंबित

उन्नाव। एसपी जय प्रकाश सिंह ने अनुशासनहीनता और जनता के प्रति खराब आचरण करने वाले एक दरोगा और दो सिपाहियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए विभागीय जांच के आदेश दिए है।

यातायात प्रशिक्षण शाखा में तैनात हेड कांस्टेबल योगेन्द्र का वर्दी में शराब पीने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो पुलिस अधिकारियों के संज्ञान में आते ही एसपी जय प्रकाश सिंह ने तुरंत जांच के आदेश दिए। प्रारंभिक जांच में पुष्टि होने के बाद आरोपी हेड कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया। वहीं बिहार थाने में तैनात एसआई दिनेश मणि पाण्डेय व हेड मोहर्रिर रत्नेश मिश्रा को लापरवाही बरतने व जनसामान्य से दुर्व्यवहार करने के कारण तत्काल प्रभाव से निलम्बित करते हुए उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू की गई है।

विमल द्विवेदी ने 1.51 लाख दीये मुफ्त बांटे

मिट्टी के दीये बांटते विमल द्विवेदी। अमृत विचार

उन्नाव अमृत विचार। दीपावली से पूर्व नर सेवा नारायण सेवा समिति के संस्थापक विमल द्विवेदी ने स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाया। उन्होंने समिति के पदाधिकारियों के साथ मिलकर स्थानीय कुम्हारों से 1 लाख 51 हजार मिट्टी के दीये खरीदे और गांधी नगर तिराहा से लेकर बड़ा चौराहा के बीच लोगों में निःशुल्क वितरित किए।

विमल द्विवेदी ने कहा कि स्वदेशी अपनाकर हम न सिर्फ स्थानीय कारीगरों को समर्थन देते हैं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के अनुरूप देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाकर युवाओं के लिए नए अवसर भी पैदा करते हैं। इस अवसर पर हिन्दू जागरण मंच के अजय त्रिवेदी सह संयोजक राकेश राजपूत, एके दीक्षित, आरके मिश्रा, योगेंद्र तिवारी, आचार्य कमलेश बाजपेई, परिमल मिश्रा, सुजीत सिंह, धर्मेंद्र शुक्ला, अलोक शुक्ला, अमन सिंह, सहित आदि लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने भारत माता की जय के नारे के साथ स्वदेशी अपनाओ, देश को समृद्ध बनाओ का आह्वान किया।

एसपी ने मातहतों के साथ की पैदल गश्त

शुक्लागंज। धनतेरस व दीपावली पर्व के मद्देनजर जनपद में शांति, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार शाम एसपी ने मातहतों के साथ पैदल गश्त एवं निरीक्षण अभियान संचालित किया गया।

पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह और क्षेत्राधिकारी नगर दीपक यादव ने थाना गंगाघाट पुलिस बल के साथ प्रमुख बाजारों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन और सीसीटीवी की सक्रियता के संबंध में संबंधित पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। व्यापारियों से सहयोग की अपील करते हुए किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने का आग्रह किया गया। पैदल गश्त के उपरांत गंगाघाट रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया गया।

श्याम सगाई की लीला ने बांधा समां

शुक्लागंज। शंकरपुर स्थित सन्नी गांव में चल रहे 19वें श्रीकृष्ण लीला महोत्सव में गुरुवार की शाम भक्तिमय माहौल छा गया। वृंदावन धाम से आए श्री बृज रास बिलास लीला संस्थान के विख्यात कलाकारों ने श्याम सगाई और माखन चोरी की लीला का मनमोहक मंचन किया। इस अवसर पर डॉ. राम बालक यादव, शीला यादव, विजयपाल राजपूत, प्यारेलाल, शिवगोपाल राजपूत, छिद्दू, कालिका प्रसाद, ओमप्रकाश, छोटे और पिंकू तिवारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कान्हा गौशाला में दोबारा संरक्षित किये जा रहे गोवंश

शुक्लागंज: चंपापुरवा नेतुआ मार्ग स्थित कान्हा गौशाला में बाढ़ के कारण अन्य गौशालाओं में शिफ्ट किए गए 300 से अधिक गोवंशों को वापस लाने का काम जारी है। पिछले चार दिनों से यह प्रक्रिया शुरू हुई है और अब तक करीब 100 गोवंश गौशाला में लौट चुके हैं। शेष गोवंशों को भी क्रमिक रूप से कान्हा गौशाला में लाया जा रहा है।

64.95 करोड़ से जनपद की सूरत बदलेगा जिला पंचायत

विकास कार्यों को लेकर विकास भवन में होती बैठक। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। जनपद में विकास को रफ्तार देने के लिए जिला पंचायत 64.95 करोड़ से विकास कार्य कराएगा। इसके अलावा जिला पंचायत की दुकानों के पुनर्निर्माण व विस्तारीकरण पर भी किया जाएगा। गुरुवार को विकास भवन सभागार में जिम्मेदारों ने बैठक कर विकास का रोडमैप तैयार किया।

जिला पंचायत के प्रस्तावों को लेकर विकास भवन सभागार में बैठक हुई। बैठक में मौजूद जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह व सदस्यों ने विकास कार्यों के प्रस्ताव दिए। इसके तहत वर्ष 2025-2026 में 105.73 करोड़ का पुनरीक्षित बजट व वर्ष 2026-2027 में 64.95 करोड़ व्यय का मूल बजट पारित किया गया। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह ने मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत महिलाओं को सम्मानित किया। इसदौरान जीएसटी की दरों में कमी पर सदन ने सामूहिक रूप से धन्यवाद भी ज्ञापित किया। एमएलसी राजबहादुर चंदेल, सीडीओ कृतिराज, सदस्य बृजपाल, फरान आदि मौजूद रहे।

'गरबा उत्सव सीजन 1' की धूम

उन्नाव। शहर कोतवाली क्षेत्र के अकरमपुर में 'गरबा उत्सव सीजन-1' उत्साह व जोश के साथ कराया गया। जिसमें बड़ी संख्या में आए जोड़ों ने भारतीय संस्कृति परंपरा का पूरा ख्याल करते हुए झूमकर खुशी जाहिर की। कार्यक्रम के समापन पर सभी वर्ग से आए लोगों व सहयोगियों को आयोजकों ने प्रतीक चिंह्न देकर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि सदर विधायक पंकज गुप्ता और जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। जिसके बाद ढोल की थाप बजी और मंच पर रंगारंग लाइट्स झिलमिलाईं तो पारंपरिक परिधानों में सजे युवा और महिलाएं गरबा की थाप पर थिरकने लगे। बच्चों से लेकर बुज़ुर्गों तक, हर किसी ने गरबा रास में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शहरवासियों का उत्साह देखने लायक था, जिसने पूरे माहौल को ऊर्जा से भर दिया। फूलों की होली और झांकियां आकर्षण का केंद्र रही। राइजिंग डांस एकेडमी के बच्चों ने राधा कृष्ण की मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की। इसके साथ ही फूलों की होली ने सभी को थिरकने पर मजबूर कर दिया। सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस बल भी तैनात रहे। कार्यक्रम आयोजक जसप्रीत सिंह अरोड़ा, जरनैल सिंह आदि रहे।

एथलेटिक्स में छात्रों ने दिखाया दमखम

उन्नाव, अमृत विचार। राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में गुरुवार से माध्यमिक विद्यालयों की 69वीं तीन दिवसीय मंडलीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सदर विधायक पंकज गुप्ता, जिलाधिकारी गौरांग राठी और संयुक्त शिक्षा निदेशक प्रदीप कुमार ने दीप प्रज्ज्वलन और गुब्बारे उड़ा कर किया। अतिथियों ने मार्च पास्ट का निरीक्षण करते हुए पिछले वर्ष के चैम्पियन धावक को मशाल जलाकर रवाना किया और धावक द्वारा शपथ ग्रहण कराई गई।

प्रतियोगिता में लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर और रायबरेली के बच्चों के साथ उन्नाव के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने उत्तर प्रदेश व भारत सरकार की खेल प्रोत्साहन योजनाओं के बारे में जानकारी दी। डीएम गौरांग राठी ने छात्रों को आश्वासन दिया कि शासन स्तर पर विभिन्न योजनाओं का लाभ उन्हें सुनिश्चित रूप से मिलेगा। संयुक्त शिक्षा निदेशक प्रदीप कुमार ने बताया कि उन्नाव जीआईसी ग्राउंड पर मिनी स्टेडियम के निर्माण हेतु

प्रतियोगिता में स्थान पाने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करते उक्त अतिथि।

शासन ने लगभग 5 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं, जिससे छात्रों को खेलकूद में अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने 13 से 17 दिसंबर तक लखनऊ में आयोजित होने वाली अंडर 17 प्रतियोगिता में अतिथियों को भाग लेने का आमंत्रण भी दिया। अंडर 17 बालिकाओं की रेस में लखीमपुर की सृष्टि वर्मा प्रथम, सीतापुर की सौम्या यादव द्वितीय और हरदोई की रेनू गुप्ता तृतीय रही। अंडर 19 रिले रेस में लखीमपुर की प्रतिष्ठा यादव प्रथम, हरदोई की सोनाली देवी द्वितीय और उन्नाव की प्रियांशी तृतीय स्थान पर रही।

न्याय पंचायत स्तर प्रतियोगिता हुई

उन्नाव। सिकंदरपुर सरोसी के न्याय पंचायत ख्वाजगीपुर में आयोजित न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शुभारंभ एआरपी प्रशांत बाजपेई ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। 100, 200 और 400 मीटर दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद, कबड्डी और खो-खो जैसी स्पर्धाएं हुईं। दौड़ में पवन, सुशांत, गौरव और अंकुश ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जबकि लंबी कूद में सावन और उत्कर्ष विजेता रहे। सेजल और अल्का ने खो-खो में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

सख्ती | हर स्कूल में बनेगी सुरक्षा समिति : जिलाधिकारी

अनफिट स्कूली वाहनों पर कार्रवाई के निर्देश

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट स्थित पन्नालाल सभागार में डीएम गौरांग राठी की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। डीएम ने दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए कई अहम निर्देश दिए।

उन्होंने आरटीओ को सख्ती दिखाते हुए कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले और अनफिट स्कूली वाहनों एवं चालकों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। आरटीओ ने बताया कि पिछले माह 56 अनफिट वाहनों का निरस्तीकरण किया गया है। स्कूली यातायात व्यवस्था की निगरानी के लिए प्रत्येक स्कूल में विद्यालय

खतरे में नौनिहाल | सोमवार को लालकुंआ-ऊंचगांव मार्ग पर पलटी थी बच्चों से भरी वैन

बेमानक स्कूली वाहनों पर अफसरों की मूक सहमति

शुभम निगम, उन्नाव

अमृत विचार। जिले में इन दिनों स्कूली बच्चों की सुरक्षा खतरे में है। स्कूल प्रबंधन निजी व मानक विहीन वाहनों में नौनिहालों को बैठाकर आवागमन कराने से उनकी जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है। इसे लेकर शिक्षा विभाग के अफसर, एआरटीओ व विद्यालय प्रबंधन सब आंखें मूंदे हैं।

अधिकारियों की इसी घोर अनदेखी का नतीजा बीते सोमवार बारासगवर थानाक्षेत्र में उस समय सामने आया था जब लालकुंआ-ऊंचगांव मार्ग पर बच्चों से भरी एक वैन पेड़ से टकराकर पलट गई थी। इसमें तीन बच्चों की हालत गंभीर है। एआरटीओ रेकार्ड में दर्ज करीब 400 वाहनों के मुकाबले जिले में हजारों मानक विहीन वैन, ऑटो और ई-रिक्शा क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर दौड़ा रहे हैं। जुलाई में चालान की खानापूर्ति के बाद इन वाहनों को दोबारा संचालन की खुली छूट दे दी गई। मार्ग पर तैनात जिम्मेदार भी ऐसे वाहनों को अनदेखा कर आगे जाने देते हैं। बच्चों की सुरक्षा के प्रति अधिकारियों की यह लापरवाही कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। इसे लेकर यातायात प्रभारी सुनील सिंह ने बताया कि मानक विहीन स्कूली वाहनों के विरुद्ध एआरटीओ अफसरों के साथ मिलकर अभियान चलाया जाएगा। साथ ही ऐसे वाहन स्वामियों व चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निजी वैन में क्षमता से अधिक भरे गए स्कूली बच्चे। अमृत विचार

15 अक्टूबर के अंक में प्रकाशित खबर। अमृत विचार

परिवहन सुरक्षा समिति का गठन किया जाएगा। डीएम ने शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए ई-रिक्शा के रूट निर्धारित करने और कलर कोडिंग लागू करने पर जोर दिया। सुरक्षा के मद्देनज़र, एनएचएआई को हाईवे पर बने सभी अवैध कटों को तुरंत बंद करने और निर्धारित कटों पर सुरक्षा संकेत/बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही, हाईवे किनारे के स्कूलों के लिए पर्याप्त रोड सेफ्टी इंतजाम सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में एडीएम, सिटी मजिस्ट्रेट समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

अमृत विचार IMPACT

- स्कूली यातायात व्यवस्था के लिए प्रत्येक स्कूल में विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति का गठन किया जाएगा

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सरफराज अहमद पुत्र रफीक अहमद निवासी मोहल्ला पूर्बियाटोला परगना व तहसील बाँगरमऊ जिला उन्नाव ने पालिका कार्यालय मे दिनाँक 25–09–2025 को अपने आवेदन पत्र के साथ रजिस्टर्ड बैनामा, आधार कार्ड की छायप्रति व शपथ पत्र प्रस्तुत कर यह उल्लेख किया है कि प्रार्थी ने मोहल्ला पूर्बियाटोला बाँगरमऊ का एक किता प्लाट पूरब से पश्चिम 11 फिट उत्तर से दक्षिण 19 फिट कुल क्षेत्रफल 19.43 वर्गमीटर प्लाट विक्रेता श्री खादीमुउद्दीन पुत्र कुतुबउद्दीन निवासी मोहल्ला पूर्बियाटोला परगना व तहसील बाँगरमऊ जिला उन्नाव से जरिये रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 12–09–2025 को क्रय कर गोड़े का निर्माण करवा लिया है। उक्त गोड़े की चौहदी निम्नलिखित है। पूरब– मकान नाजिम पश्चिम– भूमि कासिम उत्तर– रास्ता 10 फिट दक्षिण– मकान क्रेता प्रार्थी ने अपने उपरोक्त गोड़े को नगर पालिका कर पंजिका में कर की अदायगी के लिए अपने नाम से दर्ज किये जाने की मांग की है। पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यो के आधार पर यदि उक्त नामान्तरण प्रकिया को पूर्ण किये जाने मे किसी को कोई भी आपत्ति है। तो वह प्रकाशन से 30 दिन के अन्दर उक्त भवन से सम्बंधित सर्वमान्य रजिस्टर्ड साक्ष्य सहित मेरे समक्ष उपस्थित हो कर वह अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है।बाद मियाद गुजर जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा और उपरोक्त नामान्तरण प्रकिया को आवेदनकर्ता के पक्ष मे पूर्ण कर दिया जायेगा तत्पश्चात नगर पालिका परिषद बाँगरमऊ की कोई जिम्मेदारी न होगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बाँगरमऊ उन्नाव

कार्यालय ग्राम पंचायत–भिखारीपुर कस्बा वि0ख0 बांगरमऊ–उन्नाव

पत्रांक: मेमो/च.रा.वि:/निविदा/ दिनांक 14/10/2025

निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा सूचना

चतुर्थ वित्त/ चौदहवा वित्त आयोग/मनरेगा के अर्न्तगत ग्राम भिखारीपुर कस्बा स्वीकृत कार्य योजना में निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु सामग्री सन्दर्भित कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित को जाती है। निविदा दिनांक 17/10/25 समय 10 बजे अधोहस्ताक्षरी के पंचायत भवन में निविदा पेटी में डाली जायेगी तथा उसी दिन शाम 5 बजे समिति के समक्ष खोली जायेगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	सामग्री का विवरण	अनुमानित लागत लाख मे	निविदा मूल्य	कार्य पूर्ण की अवधि
1	शिकुमार के घर से पंचायत भवन तक इंटरलाकिंग कार्य	सीमेन्ट, मौरंग, बालू, ईट,ईटा गिट्टी इंटरलांकिग	9.50 लाख	–	15 दिन
2	सुरेश के घर से तुलसी राम के धर तक इन्टरलाकिंग	सीमेन्ट, मौरंग, बालू, ईट,ईटा गिट्टी इंटरलांकिग आदि	7.50 लाख	–	15 दिन
3	पप्पू के धर से मन्दिर के पास होते हुए बहादुर के घर तक इंटरलाकिंग	सीमेन्ट, मौरंग, बालू, ईट,ईटा गिट्टी इंटरलांकिग आदि	9.50 लाख	–	15 दिन
4	केशन के घर से सुरेन्द्रनाथ के खेत तक इंटरलाकिंग	सीमेन्ट, मौरंग, बालू, ईट,ईटा गिट्टी इंटरलांकिग आदि	8.50 लाख	–	15 दिन
5.	डागर रोड से राम चन्द्र के घर तक इन्टरलाकिंग कार्य	सीमेन्ट, मौरंग, बालू, ईट,ईटा गिट्टी इंटरलांकिग आदि	6.00 लाख	–	15 दिन
6	भिखारी कस्बा गौशाला में सीमेन्ट वाल बाउण्ड्री निर्माण कार्य	सीमेंन्ट पिलर पटिया गेट, सीमेन्ट, मौरंग	4.50 लाख	–	15 दिन
7	महेश के घर से मंदिर तक इन्टरलाकिंग का निर्माण कार्य	सीमेन्ट, मौरंग, बालू, ईट,ईटा गिट्टी इंटरलांकिग बालू आदि अप्रोच	6.00 लाख	–	15 दिन

राकेश कुमार
ग्राम प्रधान

रोहित सिंह
ग्राम पंचायत अधिकारी

ग्राम पंचायत–भिखारीपुर कस्बा वि0ख0 बांगरमऊ–उन्नाव

अमृत विचार

शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2025

जो कुछ भी हम हैं, वह हमारे विचारों का परिणाम है।

–महात्मा बुद्ध

फिर गरमाएगा गाजा

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हमास को दी गई धमकी कि यदि वह हथियार नहीं डालता है, तो उसके विरुद्ध जल्दी और शायद अधिक हिंसक 'निर्णायक कार्रवाई' होगी, ने पश्चिम एशिया में फिर से तनाव बढ़ा दिया है। बड़ी मुश्किल से बातचीत शुरू हुई थी और शांति की उम्मीद बढ़ी थी, लेकिन ट्रंप के बयान ने फिर से हालात तनावपूर्ण बना दिए हैं। बेशक, हमास की हालिया कारगुजारियां निंदनीय हैं, लेकिन ट्रंप की भाषा और रुख भी कूटनीतिक दृष्टिकोण से उचित नहीं हैं। प्रश्न उठता है, क्या उनकी धमकी से क्षेत्र में शांति आएगी या इससे हिंसा और गहराएगी? हमास की हरकतों, नेतन्याहू की चालबाजियों तथा ट्रंप के तेवरों से गाजा का विवाद एक बार फिर विस्फोटक मोड़ पर खड़ा हो गया है। ट्रंप की नीति किसी हिंसक विवाद में परंपरागत मध्यस्थता की रीति से सर्वथा भिन्न है। इजराइल को लगभग बिना शर्त समर्थन देने वाले ट्रंप फिलिस्तीनी मुद्दे को सुरक्षा के बजाय आतंकवाद के चश्मे से देख रहे हैं, जिसके चलते उनकी चेतावनी से हमास झुकने के बजाय और उग्र हो सकता है। ऐसी स्थितियों में किसी भी पक्ष की चरम प्रतिक्रिया पूरे क्षेत्र को फिर से युद्ध की आग में झोंक सकती है। शांति प्रक्रिया में शामिल होने की हामी के बावजूद, हमास ने हथियार डालने पर कभी कोई स्पष्ट सहमति नहीं दर्शाई। उसकी हिंसक गतिविधियां शांति प्रक्रिया में बाधक हैं। यदि वह निरस्त्रीकरण नहीं करता, तो शांति का एकमात्र विकल्प बहु-स्तरीय वार्ता और क्षेत्रीय गारंटी तंत्र बनाना ही रह जाता है। इसमें केवल अमेरिका या इजराइल नहीं, बल्कि मध्यस्थ देशों की सक्रिय भूमिका आवश्यक है।

कतर, तुर्किए और मिस्र इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। कतर लंबे समय से हमास का आर्थिक सहयोगी और मध्यस्थ रहा है, तुर्किए की पहचान मुस्लिम विश्व में प्रभावशाली और अपेक्षाकृत स्वतंत्र आवाज के रूप में है, वहीं गाजा की सीमा से सटे होने के कारण मिस्र की भौगोलिक स्थिति उसे वार्ता और सुरक्षा प्रबंधन दोनों में केंद्रीय भूमिका निभाने के योग्य बनाती है।

सुरक्षा और शासन के लिए न्यूनतम स्थायित्व से पहले फिलिस्तीनी प्राधिकरण की गाजा में वापसी संभव नहीं, जबकि इन देशों के साझा प्रयासों से एक 'क्षेत्रीय निगरानी ढाँचा' जरूर तैयार किया जा सकता है, जो हमास के सीमित निरस्त्रीकरण, युद्ध विराम की निगरानी और नागरिक पुनर्निर्माण का काम कर सके या फिर गाजा में ऐसी निष्पक्ष अंतर्राष्ट्रीय या अरब शांति सेना की तैनाती की जा सकती है, जिसका कार्य केवल सुरक्षा ही नहीं, बल्कि पुनर्वास और प्रशासनिक संक्रमण की देखरेख भी हो। भारत के पास अंतर्राष्ट्रीय शांति अभियानों में साख और अनुभव दोनों हैं, वह इस बल में रचनात्मक भूमिका निभा सकता है। यदि इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू शांति प्रक्रिया को केवल सैन्य दृष्टि से देखेंगे, तो अंतर्राष्ट्रीय दबाव और आंतरिक असंतोष बढ़ना तय है। इस प्रकरण से साफ है कि आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ राजनयिक संवाद, मध्यस्थता और मानवीय संवेदना को भी समान महत्व देना आवश्यक है। स्थायी शांति तभी संभव होगी, जब धमकियों की भाषा छोड़कर बातचीत की भाषा को फिर से स्वीकार किया जाए।

प्रसंगवश

सर सैयद की विरासत को बचाने की जरूरत

आज सर सैयद अहमद खां की जयंती है। उन्हें याद करते हुए एक बात और याद आती है। सर सैयद का मानना था, 'मैं समझता हूं इंसान की रूह बगैर तालीम के चितकबरे संग-ए-मरमर की तरह है, जब तक संगतराश उसे नहीं तराशता, उसके खूबसूरत बेल-बूटे छुपे रहते हैं। यही हाल इंसान की रूह का है। तालीम ही इंसान की रूह को खूबसूरत बनाती है।' अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के संस्थापक आधुनिक भारत के निर्माताओं में से एक, सर सैयद एक शिक्षक, समाज सुधारक और राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने भारत के मुसलमानों के लिए आधुनिक शिक्षा की शुरुआत की थी। उनका पूरा नाम सैयद अहमद बिन मुनतक्वी खां था, लेकिन लोग उन्हेंक सम्मान से सर सैयद और सर सैयद अहमद खां के नाम से पुकारते थे।

खालिद जीलानी

बरेली

सर सैयद का जन्म 17 अक्टूबर' 1817 को दिल्ली में हुआ था। इनके नाना मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर के दरबार में वजीर और दादा सैयद हादी, मुंसिफ थे। 1842 में भारत के आखिरी मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर ने उन्हें 'जवाद-उद-दौला' का खिताब दिया था। 1857 क्रांति की असफलता के चलते सर सैयद का घर तबाह हो चुका था और खानदान के कई लोग भी इस क्रांति में मारे गए। उनकी मां को जान बचाने के लिए करीब एक सप्ताह तक घोड़े के अस्तबल में छुपे रहना पड़ा। इसके बाद वे पूरी तरह अंग्रेज़ों और उनके शासन के खिलाफ हो गए। अंग्रेज शासकों ने साजिश के तहत स्कूल की किताबों को उर्दू, फारसी से अंग्रेजी में बदल दिया, जिसका मुस्लिम समुदाय ने विरोध किया और अंग्रेजी भाषा में पढ़ने से इनकार कर दिया। बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दिया और यहीं से मुस्लिम समाज स्कूल और शिक्षा से दूर होता गया।

अंग्रेजी के बिना बड़े ओहदों पर नौकरी मिलना बंद हो गई और समाज बेरोजगारी व अशिक्षा की ओर बढ़ता गया। सन् 1857 की क्रांति, सर सैयद अहमद के जीवन की अहम घटना थी। उन्हें मुगल दरबार में अच्छा ओहदा मिला था। उसके बावजूद उन्होंने मुगल दरबार छोड़कर ब्रिटिश हुकूमत में नौकरी कर ली और बनारस के स्माल काज कोर्ट के जज से रिटायर हुए। अंग्रेजों ने सेवा व ईमानदारी को देखते हुए उन्हें 'सर' की उपाधि से विभूषित किया। नौकरी में रहते हुए मुरादाबाद, बरेली, गाजीपुर और अलीगढ़ में उन्होंने कई आधुनिक स्कूल, कॉलेजों और संगठनों की स्थापना की। आधुनिक शिक्षा के चलते उन पर अंग्रेजों के वफादार होने का इल्जाम लगाया गया, फतवे लगे।

सर सैयद के दूरदर्शी होने का पता इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने इसका अंदाजा लगा लिया था कि मुस्लिम समुदाय के लिए खासकर उत्तर भारत में सामाजिक और राजनीतिक वजूद बनाए रखने के लिए अंग्रेज़ी भाषा एवं आधुनिक विज्ञान में निपुणता और कौशल प्राप्त करना होगा। सर सैयद उन रहनुमाओं में से थे, जिन्होंने पिछड़े, निर्धन मुस्लिम समाज के सशक्तिकरण में शिक्षा की क्रांतिकारी भूमिका को अहम माना। वे न केवल आधुनिक भारत के महान राष्ट्र निर्माता थे, बल्कि एक महान समाज सुधारक भी थे। विभिन्न स्कूलों की शुरुआत करके उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के निर्माण की भूमिका तैयार कर दी थी। मुसलमानों में वैज्ञानिक चेतना का निर्माण और पश्चिमी ज्ञान को भारतीयों को अपनी भाषा में उपलब्ध कराने के लिए उन्होंने 1863 में 'साइंटिफिक सोसाइटी' की स्थापना की। 1866 में 'साइंटिफ़िक सोसाइटी' की मैग्जीन 'अलीगढ़ इंस्टिट्यूट गजेट' की शुरुआत की, जिसके जरिए पारंपरिक मुस्लिम समाज की सोच बदलने में उन्हें कामयाबी मिली।

महानगरों की कुरीतियां गांव तक पहुंचना घातक

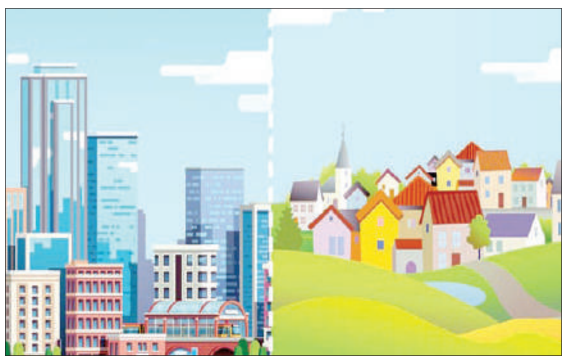

विवेक सक्सेना

अयोध्या

महानगरों में व्याप्त भौतिकवादी दृष्टिकोण, अपराध की प्रवृति और विलासी जीवन शैली जैसी कुरीतियां अब छोटे शहरों व गांव तक पहुंच रही हैं। जो सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि से अत्यंत घातक सिद्ध हो रही हैं। इसके परिणाम स्वरूप पारिवारिक विघटन, विवाह विच्छेद, बुजुर्गों की उपेक्षा और रिश्तों में कड़वाहट बढ़ रही है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने भी अब सार्वजनिक मंच पर न सिर्फ इसको लेकर चिंता व्यक्त की है, बल्कि युवाओं को इनसे दूर रहने की अपील के साथ-साथ महिलाओं व युवतियों को अपनी मर्यादा पहचानने और उसमें रहने की नसीहत भी दी है। इसमें सबसे ज्यादा घातक माना जा रहा है, समाज में तेजी से बढ़ता लिव-इन-रिलेशनशिप का चलन।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 13 अक्टूबर को डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में युवाओं और खासतौर पर बेटियों को इससे बचने की नसीहत दी। उन्होंने कहा, अगर लिव-इन रिलेशनशिप का परिणाम देखना है, तो अनाथालय जाइए, जहां 15-20 साल की बेटियां एक-एक साल के बच्चों को लेकर लाइन में खड़ी हैं। मैं लखनऊ में गई थी। तीन कमरों में बेटियों से मिली, उनके हालात देखकर आंखें नम हो गईं। बेटियों को लुभावने झांसे में नहीं आना चाहिए। इससे पूर्व उन्होंने बलिया में जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में और वाराणसी के महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के दीक्षांत समारोह में भी यही दोहराया।

इस मुद्दे पर वह कितनी गंभीर और चिंतित हैं इसका अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि वो मंच से बेटियों के साथ-साथ अभिभाभकों को भी नसीहत दे रही हैं कि बेटे-बेटी की पूरी जानकारी रखें। यह उनका कर्तव्य ही नहीं अधिकार भी है। बेटों पर अंकुश लगाएं। युवाओं से राज्यपाल का, महिला, मां और दादी के रिश्ते का हवाला देते हुए इससे दूर रहने की मार्मिक अपील करना कि इससे दूर रहें, दर्शाता है कि यह समस्या विकराल रूप ले रही है। जो पूरे समाज के लिए चिंताजनक है।

लिव-इन रिलेशनशिप, जो कभी महानगरों की चीज समझी जाती थी, अब लखनऊ, मुरादाबाद, कानपुर, बरेली और गोरखपुर जैसे शहरों में भी सामान्य होती जा रही है। इसी पृष्ठभूमि में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल का यह बयान सिर्फ नैतिक सलाह नहीं, समाज की चिंता और बेचैनी की झलक भी है। एक साल में उत्तर प्रदेश के कई जिलों से लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़ी घटनाएं सुर्खियों में आई हैं। अब गांवों और कस्बों से भी लिव-इन के केस आने लगे हैं। जो चलन कभी सिर्फ मेट्रो सिटी तक सीमित था, अब अर्धशहरी इलाकों में आम होता जा रहा है। समाजशास्त्रियों का मानना है कि लिव-इन रिलेशनशिप व्यक्ति और समाज के बीच बढ़ती दूरी का परिणाम है। संयुक्त परिवार की जगह अब एकल परिवार ने ले ली है। युवा आर्थिक रूप से स्वतंत्र हैं, पर भावनात्मक रूप से अकेले। ऐसे में वे जुड़ाव और सुरक्षा रिश्तों में खोजते हैं। सवाल यह है कि क्या राज्यपाल का यह सिर्फ नैतिक संदेश है या एक सामाजिक चेतावनी? आर्थिक आत्मनिर्भरता ने बेटियों को निर्णय की शक्ति दी है, लेकिन जब एक रिश्ते में कोई कानूनी या सामाजिक सुरक्षा न हो, तो नुकसान की संभावना बढ़ जाती है।

लिव-इन रिलेशनशिप पर कानून और न्यायपालिका की सोच भी पिछले कुछ सालों में बदली है। सुप्रीम कोर्ट ने नौ मार्च 2025 को अपने एक अहम फैसले में कहा कि अगर दो सक्षम वयस्क लंबे समय तक साथ रहते हैं, तो माना जाएगा कि उन्होंने यह रिश्ता अपनी मर्जी से चुना है और इसके परिणामों से परिचित हैं। महिलाएं आर्थिक रूप से स्वतंत्र हैं और अपने जीवन के निर्णय लेने में सक्षम हैं, लेकिन हकीकत यह है कि जब रिश्ता टूटता है, तो जिम्मेदारी और संरक्षण का सवाल सामने आ जाता है। खासकर तब, जब महिला गर्भवती हो या आर्थिक रूप से निर्भर हो।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि देश में लिव-इन पार्टनर से जुड़े विवादों और आत्महत्याओं के मामलों में तीन वर्षों में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पीड़ितों में अधिकांश महिलाएं 18 से 28 वर्ष की थीं। इनमें सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के मामले थे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का बयान इसी टकराव की जमीन पर खड़ा दिखता है। एक ओर बदलती सामाजिक हकीकत, दूसरी ओर पारंपरिक चिंता। क्या सिर्फ चेतावनी या मार्मिक अपील से युवाओं का व्यवहार बदलेगा, या उन्हें रिश्तों को लेकर शिक्षित करने, संवाद बढ़ाने और सुरक्षा देने की जरूरत है?

लिव-इन पर समाज का नजरिया धीरे-धीरे बदल रहा है, पर उसमें पारिवारिक जिम्मेदारी और भावनात्मक समझ की कमी है। अदालतें इसे व्यक्तिगत चुनाव मान रही हैं, पर समाज अब भी इसे पारंपरिक मापदंडों से आंकता है। ये मुद्दा समाज के लिए एक जटिल और विवादास्पद विषय है। इसमें आधुनिकता और स्वतंत्रता के साथ कई सामाजिक, नैतिक और पारिवारिक चुनौतियां भी शामिल हैं। भारतीय समाज में पारंपरिक रूप से विवाह को पवित्र संबंध माना जाता है, जबकि लिव-इन-रिलेशनशिप इस परंपरा के विपरीत है। यह रिश्तों को व्यक्तिगत स्वतंत्रता और समानता के रूप में देखता है, जिसे युवा पीढ़ी अपनाने लगी है, हालांकि परिवार और समाज अब भी इसे पश्चिमी प्रभाव मानकर अस्वीकार करते हैं। यहां यह कहना उचित होगा कि लिव इन पूरी तरह घातक नहीं, लेकिन अनियोजित या गैर-जिम्मेदार ढंग से निभाया गया ऐसा रिश्ता युवाओं खासतौर पर महिलाओं और समाज के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकता है।

महानगरों में व्याप्त कुरीतियां छोटे शहरों और गांव तक पहुंच रही हैं। परिणाम स्वरूप पारिवारिक विघटन, विवाह विच्छेद, बुजुर्गों की उपेक्षा और रिश्तों में कड़वाहट बढ़ रही है।

आमने

छापुर गांव में शिव मंदिर तोड़ा गया था और मुझे इस बात से गहरा दुख पहुंचा है। आजकल कुछ लोग नफरत फैलाने की राजनीति कर रहे हैं। ऐसे लोग समाज को तोड़ रहे हैं। एक पूर्व सांसद के नजदीकी ने मुझे 'आतंकवादी' और 'मुल्ली' कहकर पुकारा।

–**इकरा हसन**, सपा सांसद

सामने

मेरे घर में भी बहनें, बेटियां और माता हैं। उनके प्रति भी गलत बातें कही गईं, लेकिन हमने कभी हताश और निराश होकर राजनीति नहीं की। यह सपा सांसद का फर्स्टेशन है, जो अब बाहर निकल रहा है। लोगों की भावनाएं अगर किसी ने व्यक्त की हैं, तो हम गलत भाषा का समर्थन नहीं करते। –**प्रदीप चौधरी**, पूर्व भाजपा सांसद

बिहार में 'पढ़ाई, कमाई व दवाई' बन रहा मुद्दा

मनोज कुमार सिंह

साहित्यकार

पढ़ाई-लिखाई दवाई और कमाई के लिए पलायन करना आम बिहारियों की लंबे समय से फितरत बन चुकी है। बिहार के लोगों को पढ़ाई, कमाई और दवाई के लिए अपने पड़ोसी राज्यों की राजधानियों सहित देश के दूसरे महानगरों में जाना पड़ता है। राजनीतिक दलों के नेता इस बार चुनाव में जनता से वादा कर रहे हैं कि हम ऐसी नीतियां बनाएंगे, जिसमें पढ़ाई, कमाई और दवाई के लिए किसी भी बिहारी को बाहर नहीं जाना पड़ेगा। पलायन का नारा 2020 के चुनाव में तेजस्वी यादव द्वारा उछाला गया था और इस बार चुनाव में लगभग सभी राजनीतिक दल अपने अपने मंचो से उछाल रहे हैं। पढ़ाई-लिखाई, दवाई और कमाई का वादा और भाषण चुनावी मंचों से उछाला जा रहा है। अहम यह है कि यह छलावा देने का कोरा नारा होगा या जमीन पर खरा उतरेगा, यह आने वाले भविष्य में तय होंगे। परंतु वादे के रूप में उठाया गया यह बुनियादी और गंभीर विषय बिहार और पूर्वांचल के बुद्धिजीवियों, राजनीतिक, आर्थिक विश्लेषकों और स्वाभिमानी चरित्र के राजनीतिज्ञों के लिए चिंतन-मनन और गहराई से आत्म-विश्लेषण करने का विषय जरूर बन गया है।

जब डार्विन अपने देश के लोगों को समझा रहे थे कि हम बंदर की औलाद हैं। उससे हजार साल पहले चाणक्य और चंद्रगुप्त के बिहार में नालंदा, बोधगया, विक्रमशिला जैसी ज्ञान की एक दर्जन महान ध्वजपताकाएं फहरा रही थीं और जिसकी गूंज पूरी दुनिया में फैली हुई थी। इस देश के कोने-कोने से एवं दुनिया के तमाम देशों से लोग अपनी ज्ञान पिपासा को शांत करने के लिए इन विश्वविद्यालयों में अध्ययन के लिए आते रहते थे। ह्वेनसांग और फाह्यान के संदर्भों जैसे अनगिनत उदाहरण इतिहास के पन्नों में खोजने खंघालने पर हमें मिल जाएंगे, जो पवित्र पावन भूमि ऋषभदेव से लेकर महावीर स्वामी जैसे चौबीस तीर्थंकरों और सत्य, अहिंसा, करुणा, दया, परोपकार की साक्षात प्रतिमूर्ति महात्मा बुद्ध जैसे सर्वश्रेष्ठ बौद्धिक आध्यात्मिक और दार्शनिक चेतना से परिपूर्ण व्यक्तित्वों की सृजनात्मक रचनात्मक और मानवतावादी चिंतनधारा और ज्ञान गंगा से निरंतर अभिसिंचित होती रही और आज भी पूरा विश्व इन महापुरुषों के दिव्य ज्ञान और दर्शन से दिव्यालोकित हो रहा है।

आज उसी बिहार का नौजवान बेहतर जिंदगी की आस में, बेहतर शिक्षा के लिए इलाहाबाद विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय जैसे देश के अन्य शिक्षण प्रशिक्षण संस्थानों में पढ़ाई-लिखाई के लिए दर-दर भटकता रहता है। यह गहन अध्ययन और चिंतन का विषय है कि जिस धरती पर पूरी दुनिया से अपनी ज्ञान क्षुधा तृप्त करने के लिए लोग आते रहते थे, आज उसी माटी के लोग शिक्षा ग्रहण करने के लिए देश के दूसरे राज्यों के शिक्षण संस्थानों में भटक रहे हैं। मेरा स्पष्ट अभिमत है कि देश के सर्वोच्च नीति नियंताओं की नीयत में खोट, दूरदर्शितापूर्ण नीतियों का अभाव और शिक्षा के ईमानदारी से विकेंद्रीकरण न करने के कारण इस तरह की जलालत और जहालत भरी परिस्थितियां उत्पन्न हुईं।

देश के हर नागरिक को दुनिया की सबसे बेहतर गुणवत्तापरक और आधुनिक शिक्षा उसकी भाषायी परिसीमा, जनपदीय चौहद्दी, आंचलिक आंगन और क्षेत्रीय चहारदीवारी के भीतर प्राप्त होनी चाहिए। देश के सर्वोच्च नीति नियंताओं की शिक्षा के प्रति उदासीनता, कामचलाऊ नजरिया और ईमानदारी से शिक्षा का विकेंद्रीकरण न कर पाने के कारण पूरे पूर्वांचल और बिहार में शिक्षा के लिए छात्रों और नौजवानों में यह भटकाव देखने को मिलता है। आज पूर्वांचल और बिहार के लोगों को उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा के लिए अपने घर से हजारों मील दूर जाना पड़ता है। इस देश का बेहतर भविष्य चाहने वाले नेताओं को बेहतर शिक्षा केंद्रों के विस्तार और विकेंद्रीकरण पर सारी संकीर्णताओं का परित्याग कर विचार करना चाहिए।

इस दिशा में स्वर्गीय राजीव गांधी द्वारा देश के हर जनपद में नवोदय विद्यालय स्थापित करने की पहल शिक्षा के विकेंद्रीकरण की तरफ ठोस और सकारात्मक और क्रांतिकारी कदम था। इसी तर्ज पर पढ़ने वाले विद्यार्थियो की संख्या को ध्यान में रखकर पूर्वांचल और बिहार में भारतीय उच्च शिक्षा के शिक्षण संस्थानों, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) और भारतीय प्रबन्धन संस्थान (IIM) पर्याप्त मात्रा में स्थापित करने चाहिए। यहां यह भी ध्यान देने लायक है कि देश सेवा, समाज सेवा और जन सेवा का हवाला देकर राजनीति करने वाले राजनीतिक सूरमा अपनी औलादों को इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, जर्मनी और अन्य यूरोपीय देशों में पढने के लिए भेजकर इस देश की महान ज्ञान परंपरा के साथ ही साथ समानता जैसे पवित्र संवैधानिक मूल्यों का भी अपमान करते हैं।

जिन पंचवर्षीय योजनाओं द्वारा देश के विकास के लिए शानदार विकास की योजनाएं, परियोजनाएं बनाई और चलाई गईं और यह सत्य है कि इन विकास योजनाओं द्वारा देश ने विकास के क्षेत्र में कई कीर्तिमान स्थापित किए, परंतु यह समग्र और संतुलित नहीं रहा। देश के नीति निर्माताओं द्वारा हर बार पंचवर्षीय योजनाओं की उद्घोषणाओं में बार-बार यह उल्लेख किया जाता रहा कि देश का समग्र सर्वांगीण और संतुलित विकास शासन सत्ता का संकल्प है।

बिहार के लोगों को पढ़ाई, कमाई और दवाई के लिए प्रदेश से बाहर जाना पड़ता है। बिहार चुनाव में इन वजहों से हो रहा पलायन मुद्दा बन रहा है।

सोशल फोरम

सुंदरता क्या है?

मानव सभ्यता के आरंभ से ही एक प्रश्न बार-बार उठता रहा है, सुंदरता क्या है? क्या यह केवल चेहरे की कोमलता है? अनुपात और संतुलन है? या यह कोई ऐसा भाव है जो दिल में उठता है और शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता? यह प्रश्न गुफाओं की चित्रकला से लेकर आधुनिक कला दीर्घाओं तक हर युग को उलझाता रहा है।

डॉ. सत्यजीत साहू

ब्लॉगर

प्लेटो के लिए सुंदरता सत्य और भलाई का प्रतिबिंब थी, जबकि अरस्तू ने इसे संतुलन और अनुपात से जोड़ा। मध्ययुगीन संतों ने कहा, सुंदरता वही है जो ईश्वर के निकट ले जाए। वहीं आधुनिक कलाकारों ने कहा, सुंदरता तो वही है जो आंखों और दिल को छू ले, चाहे वह परंपरागत मानदंडों से मेल खाए या नहीं। हर युग का अपना तर्क रहा और हर तर्क ने पिछले को चुनौती दी।

इको कहते हैं, सुंदरता का इतिहास एक सीधी रेखा नहीं, बल्कि एक बहुरंगी मोजेक है। यह किताब केवल कला और चित्रों की सूची नहीं, बल्कि एक दर्पण है, जिसमें इंसान की इच्छाएं, भय, आस्था और कल्पना झलकती है। सुंदरता कभी गणितीय रही, कभी आध्यात्मिक, कभी भावनात्मक और कभी विद्रोही।

सुंदरता केवल राजमहलों, कैथेड्रल या गैलरी तक सीमित नहीं रही। यह आम लोगों की वेशभूषा, संगीत, कविता और त्योहारों में भी रही। एक किसान के खेत में खिले फूल भी उतने ही सुंदर माने गए, जितना किसी कलाकार की उत्कृष्ट कृति। यानी सुंदरता केवल देखने की चीज नहीं, बल्कि जीने का अनुभव भी है।

इको पूछते हैं, "क्या सुंदरता का कोई सार्वभौमिक रूप है? या यह केवल नजर और समय पर निर्भर करता है?" इस किताब में वे हमें दिखाते हैं कि हर युग ने अलग-अलग जवाब दिए और शायद सुंदरता की यही बदलती परिभाषाएं उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती हैं।

सुंदरता की परिभाषा का पहला व्यवस्थित रूप ग्रीस में ही उभरा। यह वह सभ्यता थी, जहां दार्शनिक, गणितज्ञ और कलाकार सबने मिलकर कहा, 'सुंदरता वही है जिसमें सामंजस्य और अनुपात हो।' यूनानी मूर्तियों को देखिए, देवताओं के शरीर इतने संतुलित कि मानो हर मांसपेशी गणितीय हिसाब से तराशी गई हो। प्लेटो ने कहा कि सुंदरता केवल आंखों से देखने की चीज़ नहीं, बल्कि सत्य और भलाई का प्रतिबिंब है। उनके अनुसार सुंदरता किसी आदर्श रूप (आइडियल फॉर्म) की झलक है, जो इस भौतिक दुनिया से परे है। यानी हम फूल को सुंदर मानते हैं, लेकिन वह केवल उस 'आदर्श सुंदरता' का प्रतिबिंब है, जो हमारे मन में बसी है।

सामयिकी

अजरबैजान का समर्थन भारत की बड़ी जीत

ऑपरेशन सिंदूर का मसला हो या कश्मीर का, अजरबैजान हर मौके पर पाकिस्तान के साथ खड़ा होता है और भारत को नीचा दिखाने की कोशिश करता है, लेकिन इसे भारत सरकार की कूटनीति ही कहेंगे कि अजरबैजान ने कॉन्फ्रेंस ऑन इंटरैक्शन एंड कॉन्फिडंस बिल्डिंग मेजर्स इन एशिया (सीआईसीए) की अध्यक्षता भारत को देने का समर्थन किया है। उसका यह कदम चीन के लिए बड़ा झटका है, क्योंकि सीआईसीए में चीन का दबदबा रहा है। चीनी नेतृत्व चाह रहा था कि अजरबैजान के बाद इस संगठन की अध्यक्षता का मौका उसे मिले, लेकिन अजरबैजान के रुख ने बाजी ही पलट दी है। अजरबैजान के प्रस्ताव को भारत से नजदीकी बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। भारत के कारण ही अजरबैजान को शंघाई सहयोग संगठन की सदस्यता नहीं मिल पाई थी, जबकि चीन ने इसके लिए पुरजोर प्रयास किया था।

डॉ. विकास शुक्ला

कानपुर

अजरबैजान और आर्मेनिया की दुश्मनी जगजाहिर है। आर्मेनिया भारत के करीब है। दोनों देश हर मंच पर एक-दूसरे के हितों का समर्थन करते हैं। यूरोप का छोटा सा देश आर्मेनिया भारत का सबसे बड़ा हथियार आयातक है। भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट वित्तीय वर्ष 2023-24 में अब तक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जो 21,083 करोड़ रुपये के आसपास है। मौजूदा वित्तीय वर्ष 2024-25 की शुरुआत तक आर्मेनिया द्वारा भारत से हथियारों की कुल खरीद 600 मिलियन डॉलर तक पहुंच गई।

भारत ने आर्मेनिया को एंटी-टैंक गाइडेड रॉकेट, बुलेट-प्रूफ जैकेट, नाइट-विजन गॉगल्स, तोपखाने और गोला-बारूद, छोटे हथियार और उन्नत हथियार-लोकेटिंग रडार भी दिए हैं। पिनाका सिस्टम आर्मेनिया की तोपखाने की क्षमताओं को बढ़ाते हैं। इसके साथ ही कई तरह के उत्पाद हैं, जो भारत से आर्मेनिया को निर्यात किया जाता है। आर्मेनिया और भारत की करीबी की वजह से ही अजरबैजान भारत से नाराज रहता है और लगातार हर मंच पर भारत का विरोध करता है, हालांकि उसके विरोध की परवाह भारत ने कभी नहीं की। उल्टे कई मौकों पर भारत ने उसे झटके दिए। इसका असर है कि अब भारत के प्रति उसका नजरिया बदलने लगा है।

खास बात यह है कि अजरबैजान भारत की तरह ही एक धर्मनिरपेक्ष देश है और वह हर मौके पर भारत के खास मित्र इजराइल का समर्थन करता है। माना जा रहा है कि उसे भारत के करीब लाने में इजराइल की भूमिका अहम है। अजरबैजान चाहता है कि उसे किसी भी स्थिति में शंघाई सहयोग संगठन में शामिल किया जाए। चीन इसके लिए लगातार प्रयास भी करता रहा है, लेकिन भारत के विरोध के कारण ऐसा नहीं हो पा रहा है। भारत के कड़े रुख के बाद भी सीआईसीए फोरम में चीन की अनदेखी करने के अजरबैजान के फैसले से पूरी दुनिया चकित है और इसे भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत के रूप में देख रही है।

इस सीआईसीए फोरम में अफगानिस्तान, अजरबैजान, बहरीन, बांग्लादेश, कंबोडिया, चीन, ईरान, इराक, इजराइल, जॉर्डन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, मंगोलिया, पाकिस्तान, फिलिस्तीन, कोरिया, रूस, श्रीलंका, तजाकिस्तान, थाईलैंड, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, वियतनाम और उज्बेकिस्तान सदस्य हैं। अजरबैजान चाहता है कि अगली बैठक भारत में हो और अध्यक्षता भारत करे। परंपरागत तौर पर चीन ही अब तक इसकी अध्यक्षता करता रहा है, हालांकि अजरबैजान इस बार अध्यक्ष है और उसने भारत का नाम प्रस्तावित कर दिया है। ऐसे में इस प्रस्ताव को कोई खारिज नहीं कर सकता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

एआई से बनाए गए नए जीवाणुभक्षी वायरस

आमजन ही नहीं बहुत पढ़े-लिखे और बुद्धिजीवी भी खुद को इस बात से बिल्कुल बेखबर रखते हैं कि सिंथेटिक बायोलॉजी में शोधकार्य में लगे हुए बायोलॉजिस्ट्स अपनी प्रयोगशाला में क्या गुल खिला रहे हैं? इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग करते हुए उन्होंने नए तरह के विषाणुओं का सृजन किया है। अभी यह सब लैब और कम्प्यूटरों तक सीमित है, लेकिन कल की क्या खबर? इन नए विषाणुओं का बाद में एक प्रयोगशाला में परीक्षण किया गया था। इनमें से कुछ कृत्रिम बुद्धिमत्ता-निर्मित वायरस ने बैक्टीरिया को सफलतापूर्वक संक्रमित किया, जिससे यह साबित हुआ कि जनरेटिव कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल कार्यात्मक आनुवंशिक सामग्री उत्पन्न कर सकते हैं। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और पालो ऑल्टो स्थित आर्क इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं ने इस उपलब्धि को पूर्ण जीनोम का पहला जनरेटिव डिजाइन बताया।

रणबीर सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

एमआईटी टेक्नोलॉजी रिव्यू का हवाला देते हुए, एनवाईयू लैंगोन हेल्थ के जीवविज्ञानी जेफ बोके ने इसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता डिजाइन किए गए जीवन रूपों की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। एमआईटी टेक्नोलॉजी रिव्यू के अंक ऑनलाइन, फुल टेक्स्ट पीडीएफ, फ्री उपलब्ध हैं, जिसे कोई भी एक्सेस करके डाउनलोड कर सकता है। इस टेक्नोलॉजी के अनेक पहलुओं और इसके संभावित दुरुपयोग के बारे में भी विश्व के अग्रणी विज्ञान जर्नल्स में बहुत समय से शोध लेख और टिप्पणियां प्रकाशित हो रही हैं। बोके ने बताया कि वायरस ने प्राकृतिक संस्करणों की तुलना में एआई से कृत्रिम नए जीन, छोटे जीन अर्थात वायरल सब-यूनिट्स भी बना सकते हैं। वायरस के भीतर नाभिक नहीं होता और न ही इसमें डीएनए होता है। इसमें समझने वाली बात है कि वायरल प्रोटीन्स, जिनसे एक विषाणु की रचना होती है और जिसके

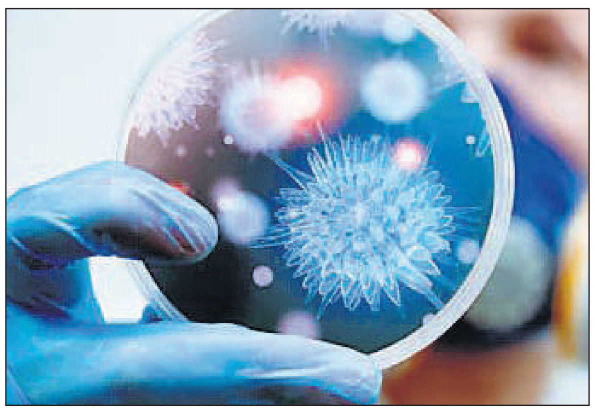

ऊपरी आवरण पर स्पाइक्स जैसे रिसेप्टर या ग्राही होती हैं, जो सभी काम करते हैं अर्थात बड़े, होस्ट जीव में प्रवेश करके इसके टिश्यूज की कोशिकाओं में प्रवेश करते हैं और अपनी संख्या बढ़ाकर कोशिका की संरचना पर कब्जा कर इसकी तोड़-फोड़ करते हैं। जब कोई वायरस कण अपने मेजबान से स्वतंत्र होता है, तो वह एक वायरल जीनोम या आनुवंशिक पदार्थ से बना होता है, जो कैप्सिड नामक एक प्रोटीन आवरण के भीतर होता है। वायरस का लक्ष्य अपनी प्रतिकृति बनाता होता है। यह सब जानने के लिए प्रमुख विषाणुओं की रचना और वायरस-होस्ट संबंधों के बारे में अध्ययन करना होता है, जो एक जटिल शास्त्र है। बैक्टीरिया अर्थात जीवाणु कोशिकाओं में भी न्यूक्लियस या केंद्रक नहीं होता। इन्हें प्रोकैरियोट्स कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि इनका आनुवंशिक पदार्थ किसी झिल्ली से घिरे केंद्रक में बंद नहीं होता। इसके बजाय इनका डीएनए न्यूक्लियॉइड नामक एक क्षेत्र में पाया जाता है, जो किसी झिल्ली से घिरा नहीं होता। इन दोनों सूक्ष्मजीवियों में बड़े प्राणियों से प्रतिक्रिया करने हेतु या चिपककर इसे अपना घर बनाने हेतु डीएनए बाइंडिंग प्रोटीन्स होती हैं। इस संबंध में हैजा या कॉलरा के जीवाणु को ही लें, जिसका बहुत अध्ययन किया गया है।

स्टैनफोर्ड टीम ने चैट-जीपीटी के समान एक बड़े भाषा मॉडल, इवो नामक अपने कृत्रिम बुद्धिमत्ता सिस्टम का उपयोग करके 302 पूर्ण जीनोम डिजाइन किए। फिर इनका परीक्षण ई-कोलाई जीवाणु प्रणालियों में किया गया। इनमें से 16 डिजाइनों ने बैक्टीरिया की प्रतिकृति बनाने और उन्हें मारने में सक्षम कार्यशील बैक्टीरियोफेज उत्पन्न किए। आर्क इंस्टीट्यूट लैब का नेतृत्व करने वाले ब्रायन ही ने उस अद्भुत क्षण को याद किया, जब लैब प्लेटो अर्थात पेट्री डिश के अवलोकन से स्पष्ट क्षेत्रों का खुलासा हुआ, जिसमें वायरस के हमले से बैक्टीरिया मर गए थे। अर्थात कृत्रिम विषाणु ने कुदरती विषाणु को मार दिया। यह वास्तव में आश्चर्यजनक है।

एआई को लगभग 20 लाख बैक्टीरियोफेज

एआई को लगभग 20 लाख बैक्टीरियोफेज अर्थात जीवाणुभक्षियों पर प्रशिक्षित किया गया था, जिसमें पीएचआई एक्स 174 जीवाणुभक्षी पर ध्यान केंद्रित किया गया था। यह 5000 बेस और 11 जीन वाला एक छोटा डीएनए वायरस है। आनुवंशिक पैटर्न और जीन क्रम का विश्लेषण करके, इस प्रणाली ने पूरी तरह से नए जीनोम प्रस्तावित किए हैं। सिंथेटिक बायोलॉजी के अग्रणी जे. क्रेग वेंटर ने इन कृत्रिम जीनोमों को धारण करने वाली कोशिकाओं के निर्माण में मदद की है। उन्होंने इस दृष्टिकोण को परीक्षण और त्रुटि प्रयोगों का एक तेजी से उभरता संस्करण बताया, यह समझाते हुए कि उनके पहले के काम में आनुवंशिक ज्ञान को मैन्युअल रूप से जोड़ना शामिल था। एआई निर्मित कृत्रिम विषाणुओं को एक खास प्रयोजन से बनाया गया है ताकि हम पारंपरिक और समयसाध्य प्रक्रियाओं को बाईपास करते हुए तेजी से ऐसी नई प्रोटीन संरचनाओं और जीनोम का डिजाइन कर पाएं, जिससे नई, असरदार की खोज में एआई का प्रयोग किया जा सके। दवा खोज, जैव प्रौद्योगिकी और जीवाणु संक्रमण के उपचार में इससे तेजी से काम किया जाना संभव हो सकता है। इस तकनीक का इस्तेमाल खेती और जीन थेरेपी तक हो सकता है।

इस माह तीन धूमकेतु गुजरेंगे पृथ्वी के करीब से

अक्टूबर का महीना धूमकेतुओं को निहारने और वैज्ञानिक खोज के लिहाज से खास होने जा रहा है, जो स्याह आसमान को रोशन करते प्रतीत होंगे। पृथ्वी के करीब आ रहे इन धूमकेतुओं के नाम 3 आई/एटलस, सी/2025 आर 2 स्वान व सी/2025 ए 6 लेमन है। सी/2025 ए 6 को नग्न आंखों से देखे जाने की संभावना वैज्ञानिकों ने जताई है।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

यूं तो धूमकेतुओं को वर्ष में कई बार देखने का मौका मिलता है, लेकिन एक माह के दौरान तीन-तीन धूमकेतुओं को देखा जाना दुर्लभ खगोलीय घटना है। जिस कारण दुनियाभर के धूमकेतुओं पर अध्ययन करने वाले खगोलविदों के लिए यह महीना और भी खास होने जा रहा है। उम्मीद है कि इस बार धूमकेतुओं के कुछ नए रहस्य उजागर हो सकेंगे। इनमें सबसे अधिक चर्चाओं में धूमकेतु सी/2025 ए 6 लेमन है। इसके नग्न आंखों से देखे जाने की संभावना को लेकर खगोल प्रेमियों समेत वैज्ञानिकों की दूरबीनें अभी से इस पर टिकी हैं। यदि इसकी चमक की रंगत बढ़ी तो यह वर्ष के सर्वाधिक खूबसूरत धूमकेतुओं में शुमार हो जाएगा।

सौर मंडल के भीतर घुसा यह धूमकेतु

इन दिनों यह धूमकेतु पश्चिम के आकाश में सूर्यास्त के बाद देखा जा सकता है। इधर, दुर्लभ धूमकेतु 3 आई/एटलस पर नासा की नजर बनी है। दरअसल यह धूमकेतु हमारे सौरमंडल के बाहर का है, जो जबरन हमारे सौरमंडल के भीतर घुस आया है। नासा के अनुसार यह तीसरी बार है, जो बाहर से हमारे सौरमंडल में घुस आया है। इससे पहले सिर्फ दो पिंड ऐसे हैं, जो हमारे सौरमंडल में प्रवेश कर गए हैं। पृथ्वी के नजदीक आ रहे 3 आई/एटलस के पृथ्वी या किसी अन्य ग्रह से टकराने की आशंका से वैज्ञानिकों ने फिलहाल इंकार किया है। नासा की कई दूरबीनों से इसकी निगरानी की जा रही है। 3 आई/एटलस की खोज इसी वर्ष एक जुलाई को हुई थी। इसे बिना दूरबीन के देखा जाना संभव नहीं है। सी/2025 आर 2 (स्वान) को इन दिनों दूरबीन की मदद से देखा जा सकता है। इसे 20 अक्टूबर के आसपास आसमान में नग्न आंखों से देखे जाने की संभावना भी जताई जा रही है। बहरहाल इसके हमारे करीब आने के बाद ही वास्तविकता सामने आएगी। इस धूमकेतु की खोज पिछले माह 11 सितंबर को हुई थी।

धूमकेतुओं का मैराथन जैसा होगा अक्टूबर

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज), नैनीताल के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे बताते हैं कि धूमकेतुओं के लिए यह महीना मैराथन जैसा है। इस माह तीन धूमकेतु हमारे करीब से गुजरने जा रहे हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से यह महीना रोमांचक होने जा रहा है। धूमकेतुओं के बारे में कुछ नए रहस्यों का खुलासा हो सकता है। बहरहाल मौसम और आसमान के लिहाज से अक्टूबर खास माना जाता है, तो दुनिया के हर हिस्से से धूमकेतुओं पर नजर रहेगी।

विज्ञान फैक्ट

सोते समय हमें गंध क्यों नहीं लगती

मानव मस्तिष्क की कार्यप्रणाली हमेशा से वैज्ञानिकों के लिए जिज्ञासा का विषय रही है। विशेषकर नींद के दौरान हमारी इंद्रियों का काम करने का तरीका कई शोधों में परखा गया है। इसी दिशा में 2004 में अमेरिका के ब्राउन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एक महत्वपूर्ण अध्ययन किया। इस प्रयोग में 20 से 25 वर्ष आयु वर्ग के 3 स्वस्थ पुरुषों और 3 स्वस्थ महिलाओं को शामिल किया गया। प्रतिभागियों को गहरी नींद में विभिन्न प्रकार के उत्तेजनाओं से जगाने का प्रयास किया गया। अध्ययन के दौरान पाया गया कि जब उन्हें तेज आवाज सुनाई गई, तो सभी लोग अचानक जाग गए, लेकिन जब उन्हें गंध दी गई, चाहे वह तेज हो या हल्की, उसका उनकी नींद पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। इससे शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि सोते समय हमारी सुंघने की शक्ति लगभग निष्क्रिय हो जाती है, जबकि हमारी श्रवण-इंद्रिय सक्रिय बनी रहती है।

रोचक किस्सा

इल्या इवानोव

आप सोच रहे होंगे कि जैक पार्सन्स के कारनामों से ज्यादा पागलपन और क्या हो सकता है। हालांकि सोवियत जीव-विज्ञानी इल्या इवानोव ने उन्हें कड़ी टक्कर दी। 1924 में बोल्शेविक सरकार ने इवानोव को संकर मानव-वानर प्रजनन के उद्देश्य से देश छोड़ने की अनुमति दी। 1926 की गर्मियों में इवानोव, जो अब पेरिस में थे, ने नोरा नाम की एक चिम्पांजी में एक महिला का अंडाशय प्रत्यारोपित किया और उसे मानव शुक्राणु से निषेचित करने का प्रयास किया। उसी वर्ष नवंबर में, उन्होंने अफ्रीका की यात्रा की और तीन चिम्पांजी को और अधिक मानव शुक्राणुओं से निषेचित किया। फिर जब कोई भी चिम्पांजी गर्भवती नहीं हुई, तो उन्होंने रणनीति बदली और इसके बजाय ऐसी सोवियत महिलाओं को खोजने की कोशिश की, जो स्वेच्छा से चिम्पांजी के शुक्राणु से निषेचित होने को तैयार हों, जिसके लिए उन्होंने कम से कम पांच स्वयंसेवक जुटाए। हालांकि प्रयोग पूरी तरह से शुरू होने से पहले ही, वैज्ञानिकों को स्टालिनवादी तरीके से हटाने के कारण उन्हें कजाकिस्तान भेज दिया गया, जहां पहुंचने के दो साल के भीतर ही उनकी मृत्यु हो गई।

एपलाचियन वर्षावन: पूर्वी अमेरिका का जंगल

एपलाचियन वर्षावन पूर्वी अमेरिका में फैला हुआ है, जो एपलाचियन पर्वत श्रृंखला के साथ लगभग 3,50,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विस्तारित है। यह अपने अद्भुत जैव विविधता के लिए जाना जाता है। इसमें 2000 से अधिक पेड़ प्रजातियां और कई प्रकार के वन्यजीव पाए जाते हैं। इसमें काले भालू, सैलामैंडर और प्रवासी पक्षी शामिल हैं, जो जंगल में आश्रय, भोजन और प्रजनन के लिए निर्भर रहते हैं। जंगल की वनस्पतियां भी बेहद आकर्षक हैं। रॉडोडेंड्रोन की झाड़ियां घने और सुंदर फूलों वाले मार्ग बनाती हैं, जबकि प्राचीन हैमलोक के जंगल सदियों से यहां की शांति और सौंदर्य को बनाए रखते हैं। ये हरित क्षेत्र न केवल प्राकृतिक सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि जल प्रवाह को नियंत्रित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एपलाचियन वर्षावन में कई विशिष्ट और संकटग्रस्त प्रजातियां भी पाई जाती हैं। इनमें लाल भेड़िया, जो दुनिया के सबसे संकटग्रस्त शिकारियों मंत से एक है और हेलबेंडर, एक विशाल सैलामैंडर, जो जंगल की साफ और तेज बहती नदियों में पाया जाता है, शामिल हैं। ये प्रजातियां जंगल की पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

यह जंगल केवल पारिस्थितिकी का अद्भुत स्थल ही नहीं है, बल्कि इसका सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व भी अत्यधिक है। चेरोकी और लंबी जैसी आदिवासी समुदाय यहां सदियों से रहते आए हैं। इन समुदायों और जंगल के बीच का रिश्ता आज भी जीवित है। साथ ही एपलाचियन वर्षावन कटाई, आक्रामक प्रजातियों और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। इस अद्वितीय जंगल की रक्षा और संरक्षण आवश्यक है ताकि इसकी पारिस्थितिकी, वन्यजीव और जल संसाधन आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रहें। एपलाचियन वर्षावन प्रकृति की ताकत और विविधता का जीवंत प्रतीक है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	83,467.66	25,585.30
बढ़त	862.23	261.75
प्रतिशत में	1.04	1.03

सोना 1,31,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,84,000 प्रति किलो

अमृत विचार
लखनऊ, शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

अशोक लेलैंड को मिला 1,937 बस का ऑर्डर

नई दिल्ली। वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी अशोक लेलैंड को तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम से 1,937 बसों का ऑर्डर मिला है। अब तक कंपनी ने तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम को 21,000 बसों की आपूर्ति कर चुकी है। अशोक लेलैंड ने कहा कि प्रत्येक वाहन को नवीनतम एआईएस 153-मानकों के अनुरूप चेसिस प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है, जो भारत सरकार द्वारा निर्धारित नवीनतम सुरक्षा और प्रदर्शन मानकों का पालन करता है। अशोक लेलैंड की राष्ट्रीय बिक्री प्रमुख (एमएचसीवी) माधवी देशमुख ने कहा कि तमिलनाडु हमेशा से हमारे लिए महत्वपूर्ण बाजार रहा है और यह ऑर्डर हमारे ग्राहकों द्वारा अशोक लेलैंड की प्रौद्योगिकी और प्रदर्शन में रखे गए भरोसे का प्रमाण है।

रूबिकॉन रिसर्च 28% बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। दवा कंपनी रूबिकॉन रिसर्च लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 485 रुपये से 28% की बढ़त के साथ गुरुवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 27.85% की बढ़त के साथ 620.10 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। एनएसई पर 27.83% की तेजी के साथ 620 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 9,917.97 करोड़ रुपये रहा। रूबिकॉन रिसर्च लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 103.90 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 1,377.5 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 461-485 रुपये प्रति शेयर था।

केनरा रोबेको 5% की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 266 रुपये के मुकाबले 5% से अधिक बढ़त के साथ गुरुवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई और एनएसई पर शेयर ने 5.35% चढ़कर 280.25 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 6,056.31 करोड़ रुपये रहा। केनरा रोबेको के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन गत सोमवार को 9.74 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने 1,326 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 253-266 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया था।

दूसरे दिन सेंसेक्स 862, निफ्टी 262 अंक चढ़ा

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में रही तेजी

- **विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से भी स्थानीय शेयर बाजार को मिला समर्थन**

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला गुरुवार को भी जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स 862 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 25,585 अंक के स्तर पर पहुंच गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी से बाजार बढ़त में रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से भी बाजार की तेजी को समर्थन मिला।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 862.23 अंक चढ़कर 83,467.66 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,010.05 अंक तक चढ़ा था। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 261.75 अंक बढ़कर 25,585.30 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक में सबसे ज्यादा 2.67 प्रतिशत की तेजी आई। इसके अलावा टाइटन, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, इटर्नल और इन्फोसिस के शेयर नुकसान में रहे। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में 2,377 शेयर लाभ में रहे जबकि 1,810 शेयरों में गिरावट रही। वहीं 147 शेयर के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

आईएमएफ के भारतीय वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाए जाने से बाजार की धारणा हुई मजबूत

लेमन मार्केट्स डेस्क के शोध विश्लेषक गौरव गर्ग ने कहा कि भारतीय शेयर बाजारों में गुरुवार को बढ़त जारी रही। सेंसेक्स 900 अंक चढ़ा और निफ्टी चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। बैंक शेयरों में मजबूती और मजबूत वैश्विक संकेतों से यह बढ़त हासिल हुई। उन्होंने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और आईएमएफ द्वारा भारत की वृद्धि दर के अनुमान (वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 6.6 प्रतिशत) को बढ़ाए जाने से बाजार धारणा मजबूत हुई। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि सकारात्मक वैश्विक संकेतों और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को लेकर नई उम्मीद बंधने से उत्साहित घरेलू शेयर बाजारों ने अपनी बढ़त को जारी रखा। वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में मांग में सुधार की उम्मीद, एफआईआई निवेश के शुरुआती संकेत, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नरम नीतिगत टिप्पणियों और डॉलर सूचकांक में नरमी से बाजार धारणा को और बल मिला। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल आज व्यापार वार्ता के लिए अमेरिका में भारतीय प्रतिनिधिमंडल से जुड़ेंगे। भारत ने अमेरिका से ऊर्जा आयात बढ़ाने का संकेत दिया है। भारतीय टीम व्यापार वार्ता के लिए पहले ही वाशिंगटन में है।

डीआईआई ने 4,650.08 करोड़ के शेयर खरीदे

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.57 प्रतिशत बढ़कर 62.26 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 68.64 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 4,650.08 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सेंसेक्स बुधवार को 575.45 अंक के लाभ में रहा था जबकि निफ्टी में 178.05 अंक की तेजी रही थी।

स्मॉलकैप और मिडकैप में भी दिखी तेजी

छोटी कंपनियों का बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0.47 प्रतिशत और मझोली कंपनियों से जुड़ा मिडकैप 0.29 प्रतिशत चढ़ा। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 2.49 प्रतिशत, जापान का निक्की 1.27 प्रतिशत और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.10 प्रतिशत चढ़ा। हांगकांग का हैंग सेंग नुकसान में रहा। यूरोपीय बाजारों में दोपहर कारोबार में तेजी का रुख रहा। बुधवार को अमेरिकी बाजारों में ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुए।

दिवाली से पहले सोने में उछाल

आभूषण के बजाय छड़ और सिक्के खरीद रहे हैं ग्राहक

मुंबई, एजेंसी

- **एमसीएक्स में दिन में सोने की कीमत 1,28,395 रुपये प्रति 10 ग्राम रही**

व्यापारियों ने गुरुवार को कहा कि दिवाली और शादी के मौसम से पहले सोने की कीमतें अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर हैं, लेकिन इससे उपभोक्ता मांग में कोई कमी नहीं आई है। हालांकि, कई लोग आभूषणों की बजाय ठोस सर्राफा को तरजीह दे रहे हैं।

एमसीएक्स में दिन में सोने की कीमत 1,28,395 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। मुंबई के प्रसिद्ध झावेरी बाजार में उम्मेदलाल तिलोकचंद झावेरी ज्वेलर्स के मालिक वृषांक जैन ने कहा कि सोने की कीमतें हर दिन बढ़ रही हैं और लोग इस पर नज़र रख रहे हैं और निवेश के लिए आ रहे हैं। आभूषणों की मांग धीमी हुई है, लेकिन लोग सोने की छड़ें और सिक्के खरीद रहे हैं। इस त्योहारी मौसम और शादी के मौसम से पहले हम सोने और चांदी की छड़ों की काफी मांग देख रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई खरीदार अग्रिम बुकिंग या सोने के सिक्के खरीदकर मौजूदा कीमतों पर ही खरीदारी कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें आने वाले दिनों में सोने और चांदी की कीमतों में और तेज़ी आने की उम्मीद है। जैन ने कहा कि उपभोक्ता अक्सर सोने को एक दीर्घकालिक निवेश के रूप में देखते हैं और भारत में इसका गहरा सांस्कृतिक महत्व भी है क्योंकि धनतेरस जैसे त्योहारों और शादियों जैसे अवसरों पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। झावेरी बाज़ार में आए एक ग्राहक देवरस भाई परमार ने जैन की बात से सहमति जताई। परमार ने कहा कि दिवाली के दौरान सोना खरीदना शुभ माना जाता है और यह एक निवेश है। आपात स्थिति में हम सोने के बदले नकद प्राप्त कर सकते हैं... मेरे परिवार में हर दिवाली पर सोना खरीदने की परंपरा रही है।

इन्फोसिस का लाभ 13% बढ़कर 7,364 करोड़ पर

नई दिल्ली, एजेंसी

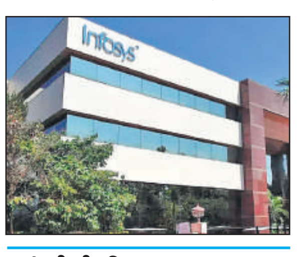

- **कंपनी की परिचालन आय 8.6% बढ़कर 44,490 करोड़ रुपये**

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस का चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 13.2% बढ़कर 7,364 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 6,506 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। इन्फोसिस ने गुरुवार को शेयर बाजारों को जुलाई-सितंबर 2025 तिमाही के वित्तीय नतीजों की सूचना दी।

वित्त वर्ष 2025-26 की सितंबर तिमाही में इन्फोसिस की परिचालन आय 8.6 प्रतिशत बढ़कर 44,490 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में उसकी परिचालन आय 40,986 करोड़ रुपये थी। इसके साथ ही कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने वृद्धि पूर्वानुमान की निचली सीमा को बढ़ाकर दो-तीन प्रतिशत करने की घोषणा की। जून तिमाही में यह सीमा एक-तीन प्रतिशत निर्धारित की गई थी।

आलोच्य अवधि में कंपनी का परिचालन मार्जिन सालाना और तिमाही आधार दोनों में 21 प्रतिशत पर स्थिर रहा। इस दौरान इन्फोसिस का मुक्त नकदी प्रवाह शुद्ध लाभ का 131 प्रतिशत रहा जो 9,677 करोड़ रुपये के बराबर है। बड़े सौदों का कुल अनुबंध मूल्य (टीसीवी) 3.1 अरब डॉलर यानी लगभग 27,525 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने इस तिमाही में कर्मचारियों की संख्या 8,203 बढ़ाकर 3,31,991 कर दी जो जून तिमाही के अंत में 3,23,788 थी। इसके साथ ही इन्फोसिस ने अपने शेयरधारकों के लिए प्रति शेयर 23 रुपये का अंतरिम लाभांश घोषित किया जो पिछले वर्ष की तुलना में 9.5 प्रतिशत अधिक है।

कई देशों से मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता जारीः गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत ने कई विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) लागू किए हैं और इस समय अमेरिका, ओमान एवं यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ ऐसे ही समझौतों के लिये सक्रिय वार्ता चल रही है।

गोयल ने कहा कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के साथ एफटीए लागू किए हैं। वहीं ब्रिटेन के साथ भी एक व्यापार समझौता हुआ है। तीन वर्षों में हमने कई विकसित देशों के साथ एफटीए किए हैं। हम इस समय अमेरिका, यूरोपीय संघ, चिली, पेरू, न्यूजीलैंड और ओमान के साथ सक्रिय वार्ता में हैं। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि भारत निवेश और द्विपक्षीय व्यापार दोनों के लिये पसंदीदा गंतव्य है।

गोयल ने बताया कि ब्राजील के साथ प्राथमिकता वाले व्यापार समझौते को मौजूदा स्तर से आगे बढ़ाने पर भी बातचीत हुई है, ताकि दक्षिण अमेरिकी बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाई जा सके। भारतीय अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल इस समय वाशिंगटन में अपने अमेरिकी समकक्षों से व्यापार वार्ता कर रहा है, जो 17 अक्टूबर तक जारी रहेगी। इस वर्ष फरवरी में भारत और अमेरिका के शीर्ष नेताओं ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत शुरू करने और उसका पहला चरण 2025 के अक्टूबर-नवंबर तक पूरा करने का निर्देश दिया था। अब तक बीटीए पर पांच दौर की बातचीत हो चुकी है।

भारत-ब्राजील व्यापार वार्ता के दौरान ब्राजील के उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन, रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेइरो फिल्हो के साथ वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल।

ईसी से अंतिम सूची में सुधार की अपेक्षा

बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर की कवायद को आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में बताया सटीक

- **आयोग बोला- अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद किसी मतदाता ने अपील नहीं की**

नई दिल्ली, एजेंसी

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने गुरुवार को बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद को 'सटीक' बताते हुए सुप्रीम कोर्ट से कहा कि याचिकाकर्ता राजनीतिक दल और गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) केवल इस प्रक्रिया को बदनाम करने के लिए झूठे आरोप लगाकर संतुष्ट हैं। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद से नाम हटाने के खिलाफ किसी मतदाता ने अपील दायर नहीं की है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर रैलियों के कारण राजनीतिक दलों के सुनवाई से अनुपस्थित रहने का संज्ञान लेते हुए कहा कि वह निर्वाचन आयोग से अपेक्षा करता है कि वह बिहार में एसआईआर के बाद तैयार की गई अंतिम मतदाता सूची में टाइपिंग संबंधी त्रुटियों और अन्य गलतियों की एक जिम्मेदार प्राधिकार के रूप में जांच करे और सुधारात्मक उपाय प्रस्तुत करे।

बिहार में एसआईआर कराने के आयोग के 24 जून के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने का अनुरोध करते हुए आयोग ने कहा कि याचिकाकर्ताओं के 'छिपे हुए इरादे' हैं और वे राजनीतिक दलों के चुनावी हितों के लिए एसआईआर प्रक्रिया, अंतिम मतदाता सूची और आयोग को बदनाम करने के लिए केवल 'झूठे आरोप' लगाकर संतुष्ट हैं।

आयोग ने कहा कि बूथ स्तरीय एजेंटों (बीएलए) की नियुक्ति को छोड़ दें तो राजनीतिक दलों ने यह सुनिश्चित करने में कोई योगदान नहीं दिया कि पात्र मतदाताओं को अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाए।

यमन में भारतीय नर्स की फांसी पर रोक, कोई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं

सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया गया कि यमन में हत्या के जुर्म में मृत्युदंड पाने वाली भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की फांसी पर रोक लगा दी गई है और कोई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं हो रही है। केंद्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को बताया कि इस मामले में एक नया मध्यस्थ सामने आया है। पीठ ने पूछा कि फांसी का क्या हुआ? याचिकाकर्ता संगठन 'सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल' के वकील ने बताया कि फिलहाल फांसी पर रोक लगा दी गई है। यह संगठन प्रिया को कानूनी सहायता प्रदान कर रहा है। वेंकटरमणी ने कहा कि एक नया मध्यस्थ सामने आया है। एकमात्र अच्छी बात यह है कि कुछ भी प्रतिकूल नहीं हो रहा है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि मामले की सुनवाई स्थगित की जा सकती है। पीठ ने कहा कि इसे जनवरी 2026 में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करें। यदि परिस्थिति की मांग हो, तो पक्षकारों के लिए शीघ्र सुनवाई के लिए आवेदन करने का विकल्प खुला रहेगा।

ऑनलाइन जुए पर देशव्यापी प्रतिबंध लगाने के अनुरोध पर होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने जवाबदेही और प्रणालीगत परिवर्तन केंद्र (सीएएससी) द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की, जिसमें केंद्र सरकार को ऐसे ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी मंचों पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है, जो सामाजिक और ई-स्पोर्ट्स गेम्स की आड़ में चल रहे हैं। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने गुरुवार को सीएएससी के वकील विराग गुप्ता की दलीलों पर गौर किया और 17 अक्टूबर को याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। याचिका में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, सूचना एवं प्रसारण, वित्त एवं युवा मामले और खेल मंत्रालयों को ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम, 2025 के प्रचार और विनियमन के प्रावधानों तथा राज्य विधानसभाओं द्वारा बनाए कानूनों की सामंजस्यपूर्ण व्याख्या के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया गया है, ताकि सामाजिक और ई-स्पोर्ट्स गेम की आड़ में ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी के खेल पर रोक लगाई जा सके।

पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण संबंधी तेलंगाना की याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों को 42% आरक्षण देने संबंधी सरकारी आदेश पर रोक लगाने के हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने तेलंगाना हाईकोर्ट के नौ अक्टूबर के आदेश के खिलाफ दायर राज्य की याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने सरकारी आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी। पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण बढ़ाने के सरकारी आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य को चार सप्ताह में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। कुछ याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में कहा था कि 42% आरक्षण देने से निकायों में ये 67% होता है। यह न्यायालय द्वारा तय 50% आरक्षण की सीमा का उल्लंघन है।

ममता पर अवमानना कार्यवाही की याचिका वापस लेने की दी अनुमति

सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में दिए गए फैसले पर प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा की कथित टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध करने वाली याचिका गुरुवार को वापस लेने की अनुमति दे दी। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ को सूचित किया गया कि अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने मुख्यमंत्री के खिलाफ आपराधिक अवमानना शुरू करने की सहमति नहीं दी है। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने प. बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) द्वारा आयोजित 2016 की भर्ती प्रक्रिया को अमान्य करार देने के कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था। मुख्यमंत्री ने फैसले की आलोचना करते हुए कुछ टिप्पणियां की थीं।

पायलट के पिता विमान दुर्घटना की न्यायिक जांच के लिए पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

एयर इंडिया के दिवंगत कैप्टन सुमित सभरवाल के पिता पुष्करराज और भारतीय पायलट संघ ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है और 12 जून को अहमदाबाद में एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के मामले की जांच शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में कराने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। इस हादसे में 260 लोग मारे गए थे। शीर्ष अदालत ने 22 सितंबर को कहा था कि दुर्घटना पर एएआईबी की रिपोर्ट के कुछ पहलुओं से पायलटों की चूक के संकेत मिले है।

भगोड़ों को वापस लाने को निश्चित प्रणाली जरूरी

- **केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने राज्यों से अंतर्राष्ट्रीय स्तर की जेल कोठरी बनाने का किया आग्रह**

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि आर्थिक और साइबर अपराधियों, आतंकी गतिविधियों में शामिल लोगों और अन्य भगोड़ों के प्रति कठोर रवैया अपनाना चाहिए ताकि उन्हें भारतीय न्याय प्रणाली के दायरे में लाया जा सके। सीबीआई द्वारा आयोजित भगोड़ों का प्रत्यर्पण - चुनौतियां और रणनीतियां विषय पर सम्मेलन को शाह ने संबोधित किया।

शाह ने सभी राज्यों से एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर की जेल कोठरी स्थापित करने का आग्रह किया ताकि विदेशी अदालतों में भगोड़ों द्वारा दी जाने वाली निम्न स्तर की जेल की दलीलों को खारिज किया जा सके। उन्होंने कहा कि न केवल भ्रष्टाचार, अपराध और आतंकवाद के विरुद्ध, बल्कि भारत के बाहर से सक्रिय अपराधियों के विरुद्ध भी कतई बर्दाश्त नहीं करने का दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सभी भगोड़ों को कानून के दायरे में लाने और इसके लिए निश्चित तंत्र स्थापित करने के प्रयास किए जाने चाहिए। चाहे वे आर्थिक अपराधी हों, साइबर अपराधी हों, आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हों या संगठित अपराध नेटवर्क का हिस्सा हों, प्रत्येक भगोड़े के विरुद्ध कठोर रवैया अपनाया जाना चाहिए ताकि उन्हें भारतीय न्याय प्रणाली के समक्ष लाया जा सके। इसके लिए समय आ गया है। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने इसके लिए अचूक उपाय किए हैं ताकि कोई भी अपराधी कानून की पकड़ से बच न पाए। भारत न केवल सीमाओं की सुरक्षा के लिए, बल्कि कानून को भी मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

सीबीआई के आयोजित सम्मेलन में एक महिला अधिकारी को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

इंटरपोल से नोटिस जारी कराने का समय कम हुआ : सीबीआई

नई दिल्ली। सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद ने कहा कि किसी भगोड़े को हिरासत में लेने के लिए इंटरपोल से रेड नोटिस जारी करने के अनुरोधों पर कार्रवाई का समय औसतन 14 से घटकर तीन महीने रह गया है। सूद ने कहा कि वर्तमान में एजेंसियों के पास इंटरपोल नोटिस जारी करने के केवल आठ प्रस्ताव लंबित हैं, जिनमें सबसे पुराना प्रस्ताव एक महीने पहले का है। भगोड़ों के खिलाफ इंटरपोल नोटिस प्राप्त करने में हाल की सफलताओं के बावजूद, अभी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। भारत के विभिन्न देशों के पास 338 प्रत्यर्पण अनुरोध लंबित हैं। उन्होंने कहा कि अकेले इस वर्ष 35 भगोड़ों को भारत लाया गया है।

निर्वाचन आयोग ने मतदान के दौरान पर्दानशीं महिलाओं की पहचान के कदम का किया बचाव

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने मतदान केंद्रों पर पर्दानशीं महिलाओं को लेकर उठाए अपने कदम का बचाव करते हुए गुरुवार को कहा कि वह 1994 में लिए निर्णय को लागू कर रहा है, जब टीएन शेषन निर्वाचन आयोग के प्रमुख थे। कुछ विपक्षी दलों ने आयोग से बिहार के मतदान केंद्रों पर पर्दानशीं महिलाओं की पहचान सत्यापित करने के निर्देश को वापस लेने की मांग की है।

आयोग के प्रवक्ता ने कहा कि अक्टूबर 1994 में निर्वाचन आयोग ने मतदान केंद्रों पर पर्दानशीं महिला की पहचान को सम्मानजनक तरीका अपनाने का आदेश दिया था। यह आदेश 21 अक्टूबर 1994 को जारी हुआ था। आदेश में कहा गया था, केंद्र में पर्दानशीं महिलाओं की पहचान को अलग घेरा बनाया जाना चाहिए। 1994 में, आयोग ने रीति-रिवाजों के कारण महिला मतदाताओं के कम मतदान पर चिंता व्यक्त करते हुए यह आदेश दिया था। आयोग ने कहा कि केंद्रों पर पर्दानशीं महिला मतदाताओं की गरिमापूर्ण पहचान को विशेष व्यवस्था की जा रही है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का बेहतरीन उदाहरण ऑपरेशन सिंदूरः राजनाथ

पुणे, एजेंसी

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को ऑपरेशन सिंदूर को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का बेहतरीन उदाहरण बताते हुए कहा कि इस मिशन के दौरान सशस्त्र बलों द्वारा इस्तेमाल किए अधिकतर उपकरण स्वदेशी थे। सिंह ने कहा कि भारत ने अब उस बाधा को तोड़ दिया जो आजादी के बाद से बनी थी और सरकार ने देश के भीतर हथियारों के निर्माण को जोर शोर से बढ़ावा दिया है।

उन्होंने कहा कि 10 वर्षों में रक्षा उत्पादन 46,000 करोड़ से बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये हो गया है। सरकार का लक्ष्य 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण को तीन लाख करोड़ और रक्षा निर्यात को 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। केंद्रीय मंत्री ने पुणे में सिम्बायोसिस स्किल्स एंड प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के छठे दीक्षांत समारोह में कहा कि हमने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। शुरुआती दौर में मुश्किल था क्योंकि हम व्यवस्था को बदलने की कोशिश कर रहे थे। हमने देश में ही हथियारों के निर्माण को बढ़ावा दिया है। यह आसान नहीं था क्योंकि हम दूसरे देशों से हथियार खरीदने के आदी थे। न तो घरेलू स्तर पर हथियारों का उत्पादन करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति थी और न ही रक्षा निर्माण को बढ़ाने के लिए कोई कानूनी ढांचा था।

पुणे में एक विवि के छठे दीक्षांत समारोह में शामिल रक्षामंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस।

कुचिपुड़ी नृत्यांगना अरुणिमा को मिला ब्रिटेन का शाही पुरस्कार

लंदन। ब्रिटेन की प्रसिद्ध कलाकार अरुणिमा कुमार बृहस्पतिवार को भारतीय शास्त्रीय नृत्य में योगदान और समुदाय की सेवाओं को लेकर राजा चार्ल्स तृतीय के मानद ब्रिटिश साम्राज्य पदक से सम्मानित होने वाली पहली कुचिपुड़ी नृत्यांगना बन गईं। यह मानद सम्मान स्थानीय समुदाय के प्रति सेवा के लिए दिया जाने वाला एक शाही सम्मान है, जो भारतीय शास्त्रीय नृत्य, विशेष रूप से कुचिपुड़ी को वैश्विक मंचों पर ले जाने और कलाओं के माध्यम से सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने में कुमार के अथक प्रयासों के सम्मान में दिया गया है। अरुणिमा के नाम कई उपलब्धियां हैं, जिनमें बकिंघम पैलेस, महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की जयंती समारोह और लंदन के 10 डाउनिंग स्ट्रीट में दिवाली उत्सव पर दी गई प्रस्तुतियां शामिल हैं। उनकी संस्था, अरुणिमा कुमार डांस कंपनी को 50 से ज्यादा देशों में 3,000 से ज्यादा प्रस्तुतियों के साथ, ब्रिटेन, भारत और पोलैंड में चार से 75 वर्ष की आयु के सैकड़ों लोगों को प्रशिक्षित करके, कुचिपुड़ी को दुनिया भर में प्रासंगिक बनाने का श्रेय दिया जाता है।

> यह सम्मान प्राप्त करना मेरे लिए शानदार अनुभव है। इस अंतरराष्ट्रीय पहचान के लिए और मेरे काम में विश्वास रखने वाले सभी लोगों की मैं आभारी हूं। मेरे लिए, यह सम्मान सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि विश्व मंच पर भारतीय शास्त्रीय नृत्य का उत्सव है। – **अरुणिमा कुमार**

हरित पटाखे कितने बेहतर

दिवाली और प्रदूषण

दिवाली भारत में सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से सबसे बड़ा त्योहार है, लेकिन दूसरा पहलू यह है कि ये त्योहार अपने पीछे बेहद घातक वायु प्रदूषण भी छोड़ जाता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार दिवाली के 24 घंटे के भीतर वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई में औसतन 40 से 80% तक की वृद्धि होती है। पीएम 2.5 और पीएम 10 का स्तर सामान्य दिनों की तुलना में 4 से 8 गुना तक बढ़ जाता है। देश के कई शहरों में एक्यूआई चार से पांच सौ तक पहुंच जाता है जो कुछ लोगों के लिए जानलेवा हो सकता है। पिछले कुछ वर्षों से इस प्रदूषण में कमी लाने के लिए कोशिशें की जा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और एनसीआर में पटाखों पर पाबंदी लगा दी थी लेकिन दिल्ली सरकार की ओर से दायर याचिका पर दिवाली पर एक निर्धारित समय के भीतर हरित पटाखों को मंजूरी दे दी है। अब यह आंकलन दिवाली बाद ही हो पाएगा की हरित पटाखों से प्रदूषण किस हद तक कम हुआ।

पटाखे और प्रदूषण

- दिल्ली में 2023 में दिवाली बाद एक्यूआई 470 तक पहुंच गया था। नोएडा, गाजियाबाद, लखनऊ, पटना भी उत्तर भारत में सबसे ज्यादा प्रदूषित होते हैं।
- पश्चिम भारत में मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर और पूर्वी भारत में लखनऊ, पटना, कानपुर सबसे ज्यादा प्रदूषण, इन शहरों में एक्यूआई 400 से ऊपर रहता है।
- बेंगलुरू और चेन्नई समेत दक्षिण भारत के प्रमुख शहरों में पटाखों से वायु प्रदूषण अपेक्षाकृत कम होता है लेकिन ध्वनि प्रदूषण दर बेहद उच्च होती है।

8,000 करोड़ का बाजार

- पूरे भारत में हर साल दिवाली के समय औसतन 6,000 से 8,000 करोड़ मूल्य के पटाखों का कारोबार होता है।
- तमिलनाडु के शिवकाशी जिले में 90% पटाखों का उत्पादन होता है और यहीं से देश भर में सप्लाई होती है।
- दिल्ली-एनसीआर में बिक्री पर प्रतिबंध के बावजूद पटाखों की अवैध बिक्री से करोड़ों का कारोबार होता है।

कितनी घातक गैसें

- चकरी, रॉकेट और सुतली बम में सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड से पीएम-2.5 और धुएं का भारी उत्सर्जन होता है।
- एल्युमिनियम और बेरियम जैसे पदार्थों का इस्तेमाल बेहद घातक होता है जो फेफड़ों पर घातक असर छोड़ता है।

प्रदूषण रोकने को कदम

- सुप्रीम कोर्ट की ओर से वर्ष 2018, 2021, 2023 में अलग आदेश जारी कर पटाखों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं।
- दिल्ली सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने रात 8 से 10 बजे तक सिर्फ ग्रीन पटाखों की अनुमति दी है।
- ऑनलाइन बिक्री-आयात पर प्रतिबंध लगाने के साथ राज्यों को निगरानी समितियां बनाने के निर्देश दिए हैं।

हरित पटाखे कितने बेहतर

- हरित पटाखों में सल्फर, बेरियम नाइट्रेट जैसे हानिकारक तत्व नहीं होते, सामान्य पटाखों में भारी धातु और नाइट्रेट की अधिकता होती है।
- हरित पटाखों की ध्वनि का स्तर भी 110 डेसीबल से कम होता है जबकि सामान्य पटाखों में आमतौर पर 130 डेसीबल से ज्यादा ही होता है।
- प्रदूषण में कमी के लिहाज से हरित पटाखे 30 से 40% तक बेहतर माने जाते हैं। गैसों और पीएम- 2.5 का भी उत्सर्जन काफी कम होता है।
- हरित पटाखों की कीमत अपेक्षाकृत ज्यादा होने की वजह से लोग इनका इस्तेमाल कम करते हैं। इनकी पहचान करना भी मुश्किल होता है।

... मगर इनकी पहचान मुश्किल

- हरित पटाखों की पहचान करना कठिन होता है। इस कारण इनकी निगरानी नहीं हो पाती और प्रदूषण नियंत्रण के उद्देश्य पूरे नहीं होते।

वर्ल्ड ब्रीफ

हमास ने दो बंदियों के अवशेष इजराइल भेजे

गाजा सिटी। हमास ने दो और मृत बंधकों के अवशेष प्राप्त किए हैं, जिनकी पहचान इजराइली नागरिक इनबार हैमन और मुहम्मद अल-अतरश के रूप में हुई है। बुधवार रात उनके शव दो ताबूतों में इजराइल भेज दिए। हिब्रू मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार दोनों ताबूतों को रेड क्रॉस ने गाजा सिटी में हमास से एकत्र किया था, फिर एक बाहरी सीमावर्ती क्षेत्र में इजराइली रक्षा बल के सैनिकों को सौंप दिया, जिन्होंने उन्हें गाजा पट्टी से बाहर निकाला और उनके परिवारों को दे दिया। हमास ने बुधवार को चार शवों को सौंपा था, जिसमें से एक फिलिस्तीनी था।

पाकिस्तान पर काबुल में ड्रोन हमले का आरोप

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि पाकिस्तान ने एक दिन पहले काबुल में ड्रोन से दो हमले किए थे। बुधवार को किए गए ये हमले दोनों देशों द्वारा कई वर्षों में उनके बीच हुई सबसे भीषण झड़पों के बाद संघर्षविराम की घोषणा से ठीक पहले हुए। काबुल पुलिस प्रमुख के प्रवक्ता खालिद जदरान ने बताया कि शहर में पहला निशाना एक नागरिक का घर था, जबकि दूसरा एक बाजार था। एक अस्पताल के चिकित्सकों ने कहा था कि पांच लोग मारे गए हैं और 24 से अधिक घायल हुए हैं।

पश्चिमी नेपाल में आया 4.9 तीव्रता का भूकंप

काठमांडू। पश्चिमी नेपाल के सुदूर पश्चिम प्रांत में बृहस्पतिवार को 4.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र के अनुसार, भूकंप सुबह 1:08 बजे दर्ज किया गया, जिसका केंद्र बझांग जिले के दंतोला क्षेत्र में स्थित था। बझांग जिला काठमांडू से लगभग 475 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। पड़ोसी जिलों बाजुरा, बैतड़ी और दारचुला में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है।

पाकिस्तान में टीटीपी के 34 आतंकी मारे गए

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने कई अभियानों में प्रतिबंधित संगठन टीटीपी के 34 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। सेना की मीडिया शाखा, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर), ने एक बयान में कहा कि ये अभियान सोमवार और बुधवार के बीच प्रांत के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादियों की कथित मौजूदगी के बाद चलाए गए। इसमें कहा गया है कि ये अभियान उत्तरी वजीरिस्तान, दक्षिणी वजीरिस्तान और बन्नू जिलों में चलाए गए।

रूस के ताबड़तोड़ मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद अंधेरे में डूबा पूरा यूक्रेन

ऊर्जा संयंत्रों पर निशाना, कीव में भी बिजली गुल, जेलेंस्की ने ट्रंप से मांगी मदद

कीव, एजेंसी

रूस ने बुधवार रात यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों पर सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों मिसाइलों से हमला किया। इन हमलों के बाद यूक्रेन के ज्यादातर हिस्सों में बिजली गुल हो गई और अंधेरा छा गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से और अधिक वायु रक्षा प्रणाली एवं लंबी दूरी की मिसाइलों की मांग की है।

यूक्रेन की राष्ट्रीय ऊर्जा संचालक कंपनी यूक्रेनेर्गो के मुताबिक ड्रोन एवं मिसाइल हमलों के बाद आठ यूक्रेनी क्षेत्रों में बिजली काटनी पड़ी। देश की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी, डीटीईके ने राजधानी कीव में बिजली गुल होने की सूचना दी और कहा कि हमलों के कारण उसे मध्य पोल्टावा क्षेत्र में प्राकृतिक गैस निष्कर्षण रोकना पड़ा। जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने रात भर में यूक्रेन पर 300 से ज्यादा ड्रोन और 37 मिसाइलें दागीं। उन्होंने रूस पर क्लस्टर हथियारों का इस्तेमाल करने और ग्रिड की मरम्मत में लगे आपातकालीन कर्मचारियों एवं इंजीनियरों को निशाना बनाने के लिए एक ही लक्ष्य पर बार-बार हमले करने का आरोप लगाया।

जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा, इस मौसम में, रूसी हर दिन हमारे ऊर्जा ढांचे पर हमला कर रहे हैं। जेलेंस्की के शुक्रवार को ओवल ऑफिस में ट्रंप के साथ बैठक से पहले बृहस्पतिवार को अमेरिका पहुंचने की उम्मीद है। कीव के अधिकारियों का कहना है कि यूक्रेन अमेरिका से क्रूज़ मिसाइलें, वायु रक्षा प्रणालियां और संयुक्त ड्रोन उत्पादन समझौते चाहता है और पहले से इसका अनुरोध करता रहा है। जेलेंस्की मास्को पर कड़े अंतरराष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंध भी चाहते हैं। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि ट्रंप अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति प्रयासों में गतिरोध को तोड़ने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव बढ़ाने की ओर अग्रसर हैं।

नाटो पहल के जरिए यूक्रेन को ज्यादा मदद देगा नॉर्वे

ओस्लो। नॉर्वे की योजना यूक्रेन के लिए नाटो-समन्वित सहायता पैकेज में दो अरब नॉर्वेजियन क्रोनर (19.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर) प्रदान करना है। यह जानकारी नॉर्वे सरकार ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर ने कहा कि नॉर्डिक देश यूक्रेन के लिए रक्षा उपकरण सुरक्षित करने वाले पैकेज का वित्तपोषण करने के लिए यूरोपीय देशों के समूह में शामिल हो रहा है। कई यूरोपीय देश अमेरिका के नेतृत्व वाली नयी पहल, प्राथमिकता प्राप्त यूक्रेन आवश्यकता सूची (पीयूआरएल) के तहत योगदान का समन्वय कर रहे हैं। यह एक ऐसा कार्यक्रम है जिसके माध्यम से नाटो सहयोगी यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता का वित्तपोषण सीधे अमेरिकी हथियार भंडार से करते हैं। इससे पहले नॉर्वे ने पीयूआरएल पैकेज में 1.5 अरब नॉर्वेजियन क्रोनर का योगदान दिया था। पीयूआरएल पहल को आधिकारिक रूप से 14 जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और नाटो महासचिव मार्क रूटे ने शुरू किया था।

गाजा युद्धविराम के बाद अब ट्रंप का जोर रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने पर

वाशिंगटन। इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम समझौता होने के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अब वह रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। ट्रंप इस दिशा में रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए यूक्रेन को लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइल देने पर विचार कर रहे हैं ताकि मॉस्को को वार्ता के लिए राजी किया जा सके। ट्रंप ने अपने 2024 के चुनाव अभियान में यूक्रेन और गाजा के युद्धों को समाप्त कराने का वादा किया था और तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन की नीतियों की कड़ी आलोचना की थी। हालांकि, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से सीधे वार्ता कराने की उनकी कोशिशें अब तक नाकाम रही हैं। गाजा में युद्धविराम के बाद ट्रंप ने कहा कि अब उन्हें उम्मीद है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने की दिशा में भी प्रगति होगी। ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच इस साल शुक्रवार को चौथी बैठक होगी। इस बैठक से पहले ट्रंप ने कहा कि यदि पुतिन जल्द शांति वार्ता शुरू नहीं करते, तो वह यूक्रेन को टॉमहॉक क्रूज मिसाइल बेचने पर विचार करेंगे। इन मिसाइल की मारक क्षमता लगभग 1,600 किलोमीटर है और ये यूक्रेन को रूसी क्षेत्र के भीतर गहराई तक प्रहार करने की क्षमता देंगी।

काबुल में जल्द ही खुलेगा भारतीय दूतावासः भारत

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में भारतीय दूतावास अगले कुछ दिनों में ही खुल जाएगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरूवार को यहां साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में इस बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि काबुल में जून 2022 से भारत का तकनीकी मिशन काम कर रहा है और अगले कुछ दिनों में इसकी जगह दूतावास खुल जाएगा। उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की हाल ही में संपन्न हुई यात्रा के दौरान भारत ने काबुल में दूतावास खोलने की घोषणा की थी।

विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने मुत्ताकी के साथ वार्ता के दौरान भारत के इस निर्णय की जानकारी दी थी। भारत के इस महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम को अफगानिस्तान के साथ संबंधों के मजबूत होने के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। भारत ने अफगानिस्तान में अफगान तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद अपने काबुल स्थित दूतावास को बंद कर दिया था।

आतंकवाद को बर्दाश्त न करें गुट निरपेक्ष आंदोलन के देश

कंपाला (युगांडा), एजेंसी

भारत ने बृहस्पतिवार को गुटनिरपेक्ष आंदोलन (नाम) के सदस्य देशों से आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने का आह्वान किया और कहा कि जो भी इसे किसी भी रूप में प्रायोजित करता है और न्यायोचित ठहराता है या इस पर पर्दा डालने का काम करता है, आतंकवाद उलटा उसे ही नुकसान पहुंचाएगा।

यहां नाम की 19वीं मध्यावधि मंत्रिस्तरीय बैठक में भारत की ओर से वक्तव्य देते हुए विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि आतंकवाद एक साझा खतरा है जिसका समाधान केवल गहन अंतरराष्ट्रीय सहयोग से ही किया जा सकता है। उन्होंने कहा, दशकों से भारत बर्बरतापूर्वक किए गए सीमा पार आतंकवादी हमलों का शिकार रहा है, सबसे हालिया हमला 22 अप्रैल 2025 को हुआ, जब जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी गई। सिंह ने कहा कि इस आंदोलन का लगभग हर सदस्य आतंकवाद द्वारा उत्पन्न चुनौती से अवगत है और इसका मुकाबला करने के लिए प्रतिबद्ध है।

- **विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कंपाला में चीन और पाकिस्तान पर साधा परोक्ष निशाना**

उन्होंने पाकिस्तान का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए कहा, हालांकि, यह अत्यंत खेद की बात है कि जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहलगाम आतंकवादी हमले पर विचार-विमर्श किया, तो एक सदस्य देश ने अपराधी (द रेजिस्टेंस फ्रंट) का बचाव करने के लिए इस हद तक प्रयास किया कि उसने उसके बारे में किसी भी सार्वजनिक उल्लेख को हटाने की मांग तक कर दी। पाकिस्तान के सदाबहार मित्र चीन का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा, दुर्भाग्य से हमारे पास एक और सदस्य देश है जो इस देश की कार्रवाई का बचाव करता है।

बांग्लादेश : अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना के लिए मृत्युदंड की मांग

ढाका। बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के मुख्य लोग अभियोजक ने पिछले सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हुई मौतों के लिए बृहस्पतिवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मृत्युदंड देने की मांग की।

- **अभियोजन पक्ष ने लगाया मानवता के क्रूर अपराधों का आरोप**

उन्होने आरोप लगाया कि पिछले वर्ष बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के दौरान मानवता के खिलाफ किए गए अपराधों की हसीना मास्टरमाइंड और प्रमुख सूत्रधार थीं। हसीना (78) के खिलाफ बांग्लादेश में कई मुकदमे चल रहे हैं। पिछले साल अगस्त में देश में बड़े पैमाने पर छात्र आंदोलन के बाद उन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल 15 जुलाई से 15 अगस्त के बीच हसीना सरकार द्वारा प्रदर्शनकारियों पर की गई कार्रवाई के दौरान 1,400 लोग मारे गए थे।

नई पाबंदियों के विरोध में पत्रकारों ने किया पेंटागन का बहिष्कार

न्यूयॉर्क। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधों को अस्वीकार करते हुए कई पत्रकारों ने बुधवार को अमेरिका के रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन में प्रवेश के अपने आधिकारिक कार्ड (एक्सेस बैज') लौटा दिए और पेंटागन) से बाहर निकल गए।

- **समाचार संगठनों ने रक्षामंत्री की ओर से लागू नियम खारिज किए**

समाचार संगठनों ने रक्षा मंत्री द्वारा लागू किए नए नियमों को सर्वसम्मति से खारिज किया है। इन नियमों के तहत हेगसेथ द्वारा स्वीकृत न की गई किसी जानकारी की रिपोर्टिंग पर पत्रकारों को पेंटागन से निष्कासित किया जा सकता है चाहे जानकारी गोपनीय हो या नहीं । शाम चार बजे की समय सीमा से पहले पत्रकारों ने सामूहिक रूप से पेंटागन खाली कर दिया। करीब 40-50 पत्रकारों ने एक साथ बैज सौंपे और बाहर निकल गए। द अटलांटिक की रिपोर्टर नैन्सी यूसुफ ने कहा, यह दुखद है, लेकिन मुझे गर्व है कि प्रेस समुदाय एकजुट रहा। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि नए नियमों का व्यवहारिक असर क्या होगा।

धर्मपथ पर लगेंगे 30 डिजिटल स्तंभ

अयोध्या कार्यालय। दीपोत्सव 2025 में इस बार अयोध्या केवल दीपों से ही नहीं, बल्कि डिजिटल आभा से भी जगमगाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या को विश्व के सांस्कृतिक मानचित्र पर डिजिटल और आध्यात्मिक नगरी के रूप में स्थापित करने की तैयारी अंतिम चरण में है। प्रकाश व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रहे एडयूक्स डिजाइन कंपनी के डिज़ाइन मैनेजर नितिन कुमार ने बताया कि धर्मपथ पर नेशनल हाईवे से प्रवेश द्वार तक दोनों ओर 18-18 फिट ऊंचे 30 डिजिटल पिलर लगाए जा रहे हैं। इन स्तंभों पर रामायण के प्रसंगों की झलकियां और डिजिटल लाइट शो प्रदर्शित होंगे। यह डिजिटल प्रस्तुति 18 से 20 अक्टूबर तक चलेगी।

फ्रांस : संसद में अविश्वास प्रस्ताव गिरा सरकार बचाने में कामयाब रहे लेकोर्नू

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू के खिलाफ संसद में लाया गया अविश्वास प्रस्ताव बृहस्पतिवार को कुछ मतों के अंतर से विफल हो गया। यह अविश्वास प्रस्ताव लेकोर्नू की नई सरकार को गिराने के साथ फ्रांस को गहरे राजनीतिक संकट में धकेल सकता था।

नेशनल असेंबली में हुए इस मतदान से सियासी संकट से जूझ रहे लेकोर्नू की मौजूदा बाधा दूर हो गई है। उनकी अगली बड़ी चुनौती यूरोपीय संघ की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (फ्रांस) के लिए 2026 का बजट संसद के शक्तिशाली लेकिन गंभीर रूप से विभाजित निचले सदन से इस वर्ष के अंत से पहले पारित करवाना होगा। लेकोर्नू की सरकार के बचने से राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को नेशनल असेंबली को फिर से भंग करने और अचानक विधान सभा चुनाव कराने की तत्काल जरूरत भी नहीं पड़ेगी, जो एक खतरनाक विकल्प था। हालांकि इसके बारे में फ्रांसीसी नेता ने पहले ही संकेत दे दिया था कि अगर लेकोर्नू सत्ता से बाहर हो गए तो वह इस पर अमल कर सकते हैं।

- **अब करना होगा बजट पारित कराने की चुनौती का सामना**

अमेरिकाः कर्मचारियों की बर्खास्तगी पर रोक

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका की एक संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन को शटडाउन के दौरान संघीय कर्मचारियों को बर्खास्त करने से अस्थायी रूप से रोक लगा दी है।

कैलिफोर्निया के उत्तरी जिले की न्यायाधीश सुज़ैन यवोन इल्स्टन ने बुधवार को अस्थायी रोक का आदेश जारी करते हुए कहा कि ये गतिविधियां कानून के विपरीत हैं। यह निषेधाज्ञा प्रशासन द्वारा कर्मचारियों की संख्या में कमी लाने के लिए 4,000 से ज्यादा संघीय कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के कुछ ही दिनों बाद आई है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 17 अक्टूबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-कृष्ण पक्ष, एकादशी 11.12 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

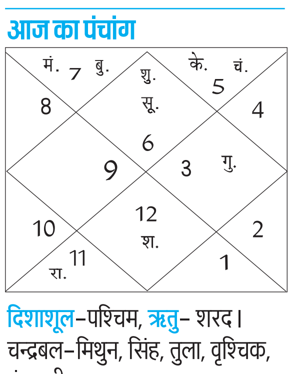

दिशाशूल-पश्चिम, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल-मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मघा 13.57 तक तत्पश्चात पूर्वाफाल्गुनी।

मेष: आज व्यवसाय में आपको शानदार धन लाभ होगा। नई नौकरी के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। आपकी दिनचर्या अत्यंत व्यवस्थित रहेगी। पारिवारिक तनाव दूर होगा। मन में अज्ञात कारणों से चिंता रहेगी। आपका मन अत्यंत प्रसन्न रहेगा।

वृष: आज नए प्रेम संबंध विकसित हो सकते हैं। संतान की उन्नति से आप अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। पूर्व में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा। आपकी प्रतिभा और योग्यता की प्रशंसा होगी। पति-पत्नी के आपसी संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मिथुन: आज विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य को लेकर निष्ठावान रहना चाहिए। राजनीति से जुड़े लोगों को सावधान होकर वक्तव्य देने चाहिए। कार्यक्षेत्र का वातावरण आपके अनुकूल रहेगा। बढ़ते खर्चों को लेकर निराशा होने की संभावना है।

कर्क: आज अति उत्साह में कोई नया कार्य आरंभ न करें। अटके हुए कार्य पुन: प्रारंभ होंगे। आपको शारीरिक पीड़ा हो सकती है। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता होगी। ससुराल पक्ष से धन लाभ होगा। प्रेम संबंधों में थोड़ी अनबन हो सकती है।

सिंह: आज अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। कड़वे वचन बोलने से आपको बचना चाहिए। आपको कार्यक्षेत्र में नकारात्मक परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। ससुराल पक्ष के साथ अपने संबंध खराब न करें।

कन्या: आज अपनी बुद्धि का उचित प्रयोग नहीं कर पा रहे हैं। आपके ऊपर मानसिक दबाव बढ़ सकता है। ससुराल पक्ष के लोगों को परेशानी हो सकती है। माइग्रेन के रोगियों को भोजन और नींद का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

तुला: आज सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। प्रियजनों के साथ आप समय बिताना पसंद करेंगे। आय के नए स्रोत बनने की संभावना है। व्यापार को लेकर बड़ी डील हो सकती है। जीवनसाथी की भावनाओं का ध्यान रखें।

वृश्चिक: आज आपको व्यापार में बड़े अवसर मिल सकते हैं। अपनी पुरानी गलतियों का विश्लेषण करेंगे। मानसिक रूप से काफी मजबूत रहने वाले हैं। कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों से सराहना प्राप्त होगी। धन की कमी से रुके हुए कार्य प्रारंभ हो सकते हैं।

धनु: आज आपके सहकर्मी आपकी अत्यधिक आलोचना करेंगे। जीवनसाथी के साथ नोक-झोंक होने की आशंका है। गरिष्ठ भोजन का सेवन आपको नहीं करना चाहिए। इससे कमर दर्द और पेट की बीमारियां परेशान कर सकती है।

मकर: आज अपने स्वाभिमान से समझौता न करें। घर में आपका मन नहीं लगेगा। तीर्थ स्थल की यात्रा हो सकती है। हिसाब-किताब में आपको पारदर्शिता रखनी चाहिए। विज्ञान और तकनीक के प्रति अत्यधिक आकर्षित रहेंगे।

कुंभ: आज धार्मिक प्रवृत्ति के लोगों से मुलाकात होगी। पुराना रोग कष्ट दे सकता है। कार्यक्षेत्र का वातावरण सुखद रहेगा। आपकी आय में वृद्धि होगी। बच्चे काफी अनुशासित रहेंगे। रिश्तेदारों के घर जाने का अवसर मिलेगा।

मीन: आज अति-उत्साह में आपके काम बिगड़ सकते हैं। कानूनी मामलों में आपको लाभ प्राप्त होगा। विरोधी आपके प्रति सक्रिय रहेंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परीक्षा परिणाम आपके पक्ष में होने की संभावना है।

सुडोकू-132

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1		7			
		8			6	9		
	1				4	5	2	
7		3						
	5		7		8			
	9			2		7		
	4	9	6				7	
6		2	5			1		
			8		1			

सुडोकू - 131 का हल

5	6	8	3	4	9	7	1	2
9	3	1	2	6	7	8	4	5
7	4	2	5	8	1	3	6	9
2	8	5	9	1	6	4	3	7
6	7	9	4	3	8	5	2	1
3	1	4	7	2	5	6	9	8
1	2	7	6	5	3	9	8	4
8	9	3	1	7	4	2	5	6
4	5	6	8	9	2	1	7	3

भारत एक विशाल देश है। वहां हर किसी को खेलने का मौका नहीं मिलता, हर कोई सफल नहीं हो पाता। अगर कोई खिलाड़ी टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सकता, लेवल सी या लेवल डी का अनुबंध नहीं पा सकता, तो उसे बिग बैश लीग में खेलने से क्यों रोका जाए।

-रवि शास्त्री

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, शुक्रवार 17 अक्टूबर 2025

हाईलाइट

ओलंपिक चैंपियन तैराक एरियन टिटमस ने संन्यास लिया

ब्रिस्बेन : ओलंपिक चैंपियन एरियार्न टिटमस ने तैराकी से संन्यास लेने की घोषणा की है। जिससे ऑस्ट्रेलियाई खेल प्रशंसक हैरान हैं। ऑस्ट्रेलिया की चार बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता 25 वर्षीय टिटमस ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक खेलों के बाद ब्रेक ले लिया था, लेकिन उम्मीद की जा रही थी 2028 में लॉस एंजेलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों की तैयारी के लिए वह जल्दी ही प्रतिस्पर्धी तैराकी में वापसी करेंगी। टिटमस ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा मुझे तैराकी शुरू से पसंद रही है। जब मैं छोटी थी तब से यह मेरा जुनून रहा है, लेकिन मुझे लगता है कि मैंने इस खेल से कुछ समय दूर रहकर यह महसूस किया है कि मेरे जीवन में कुछ चीजें अब मेरे लिए तैराकी से थोड़ी अधिक महत्वपूर्ण हैं। और मुझे यह मंजूर है।

बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में तन्वी शर्मा चीन की सुन ली युआन के खिलाफ वापसी करती हुईं।

तन्वी और उन्नति ने किया शानदार प्रदर्शन

गुवाहाटी : भारत की उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ियों तन्वी शर्मा और उन्नति हुड्डा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बृहस्पतिवार को यहां अपने-अपने मुकाबले जीतकर बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियन लड़कियों के एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जी दतु टीटी ने लड़कों के एकल वर्ग जबकि भव्य छाबड़ा और विशाखा टोप्पो ने मिश्रित युगल में अपने से बेहतर रैंकिंग वाले खिलाड़ियों को हराया जिससे नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में भारतीय खिलाड़ियों के लिए एक और अच्छा दिन रहा। तन्वी ने चीन की सुन ली युआन के खिलाफ दबदबा बनाते हुए 15-8, 15-5 से जीत दर्ज की।

उत्तर प्रदेश के बल्लेबाज माधव कौशिक आंध्र प्रदेश के खिलाफ डटे। अमृत विचार

रणजी ट्रॉफी: आंध्र प्रदेश का विशाल स्कोर, यूपी की सतर्क शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **आंध्र प्रदेश की पारी 470 रनों पर समाप्त, भरत-रशीद के शतक से टीम मजबूत स्थिति में**
- **दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक यूपी टीम एक विकेट पर 73 रन पर, अभी 397 रन पीछे**

अमृत विचार। ग्रीनपार्क स्टेडियम में खेले जा रहे रणजी ट्राफी मुकाबले के दूसरे दिन आंध्र प्रदेश की पारी 470 रनों पर समाप्त हुई। बल्लेबाज शिकर भरत 142 और शेख रशीद ने 136 रनों की शतकीय पारी से दूसरे दिन टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

500 रनों के योग की ओर बढ़ रहे आंध्र प्रदेश के बल्लेबाजों पर यूपी के गेंदबाजों ने अंकुश लगाया और मेहमान टीम के सात विकेट 181 रनों के भीतर झटककर अपनी टीम की वापसी कराई। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक यूपी टीम 29 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 73 रन बना चुकी है। क्रीज पर 31 रन के साथ माधव कौशिक और 17 रन पर आर्यन जुयाल खेल रहे हैं। पारी के लिहाज से अभी यूपी आंध्र प्रदेश से 397 रन पीछे है।

मुकाबले के दूसरे दिन गुरुवार को आंध्र प्रदेश ने 289 रनों से आगे पारी को बढ़ाया। अपने शतक से सिर्फ सात रन पीछे चल रहे बल्लेबाज रशीद और करन शिंदे ने संभलकर खेलते हुए पारी को 300 रनों के पार पहुंचाया। रशीद ने अपना शतक पूरा किया और दूसरे छोर पर खेल रहे करन 17 रन पर विप्रज की गेंद पर पगबाधा हुए। इसके बाद 22 रन पर रेवंत रेड्डी कप्तान करन शर्मा की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। दूसरे दिन लंच से पहले दो विकेट गिर जाने के बाद रशीद भी 136 रन पर पवेलियन लौटे। वह स्पिनर शिवम की गेंद पर विकेट के पीछे आर्यन जुयाल के हाथों कैच हुए। हालांकि इसके बाद अश्विन 20, केवी शशिकांत 8 रन पर विप्रज की गेंद पर लौटे। आंध्र प्रदेश का नौवां विकेट सौरभ कुमार के रूप में 31 रन पर गिरा। सौरभ को शिवम ने रन आउट किया। अंतिम ओवर में पृथ्वी ने 24 व स्टीफन ने 9 देकर आंध्र प्रदेश की पारी को 470 रनों पर पहुंचा दिया। स्टीफन रन लेने के चक्कर में विप्रराज के सधे थ्रो का शिकार हुए। इसके बाद आंध्र प्रदेश के 470 रनों के जवाब में उतरी यूपी टीम की शुरुआत ठीक नहीं रही। 25 के योग पर पहला विकेट अभिषेक गोस्वामी का 24 रन पर गिरा। अभिषेक केवी शशिकांत की गेंद पर रन आउट हुए। एक विकेट जल्दी गिर जाने के बाद माधव कौशिक 31 और उप कप्तान आर्यन जुयाल 17 रन के साथ संभलकर खेलते हुए 73 रन बना लिए हैं। अब तीसरे दिन का मुकाबला मैच का निर्णायक साबित हो सकता है।

विप्रज निगम की फिरकी में फंसे चार बल्लेबाज

कानपुर : रणजी मुकाबले पहले दिन एक विकेट लेने वाले स्पिनर विप्रज की फिरकी में दूसरे दिन आंध्र प्रदेश के बल्लेबाज फंसे। उन्होंने खिलाड़ियों को खुलकर नहीं खेलने दिया। विप्रज को शिवम व कप्तान करन का साथ मिला। 41 ओवर की गेंदबाजी में 136 रन देकर चार विकेट झटके। शिवम शर्मा ने 35 ओवर में एक और करन शर्मा ने 27 ओवर गेंदबाजी में 94 रन देकर एक विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया से टकराने पर्थ पहुंची भारतीय टीम

तीन वनडे और पांच टी-20 मैचों की होगी श्रृंखला, कोहली और रोहित के लिए दर्शकों में सबसे ज्यादा उत्साह

पर्थ, एजेंसी

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा तथा नवनियुक्त कप्तान शुभमन गिल सहित भारतीय एकदिवसीय टीम 19 अक्टूबर से आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की सीरीज के लिए गुरुवार को यहां पहुंच गई।

कोहली, रोहित और गिल के अलावा केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी तथा सहयोगी स्टाफ के कुछ सदस्य पहले बैच में यहां पहुंचे। मुख्य कोच गौतम गंभीर, स्पिनर कुलदीप यादव, ऑलराउंडर अक्षर पटेल और गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल तथा सहयोगी स्टाफ के अन्य सदस्य बुधवार को दिल्ली से शाम की उड़ान लेकर बाद में उनके साथ शामिल हुए।

वनडे सीरीज का पहला मैच यहां रविवार को खेला जाएगा। उसके बाद अगले दो मैच एडिलेड (23 अक्टूबर) और सिडनी (25 अक्टूबर) में खेले जाएंगे। इसके बाद 29 अक्टूबर से पांच मैचों की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज शुरू होगी। इस साल मार्च में भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीत के बाद रोहित और कोहली का यह पहला अंतर्राष्ट्रीय मैच होने के कारण इस सीरीज को लेकर काफी चर्चा हो रही है। माना जा रहा है कि यह सीरीज इन दोनों खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर काफी महत्वपूर्ण है। यह दोनों पहले ही टेस्ट और टी-20 अंतर्राष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन माना जा रहा है कि वे कम से कम 2027 वनडे विश्व कप तक खेलना जारी रखना चाहते हैं। इन दोनों खिलाड़ियों को नए कप्तान गिल का समर्थन हासिल है जिनका मानना है कि उनका अनुभव वनडे टीम के लिए काफी मायने रखता है।

ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में भारतीय कप्तान शुभमन गिल व विराट कोहली। एजेंसी

रोहित और कोहली के लिए केवल एक प्रारूप में खेलना चुनौतीपूर्ण होगा : वॉटसन

नई दिल्ली : ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के लिए एकदिवसीय क्रिकेट में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखना चुनौतीपूर्ण होगा। क्योंकि अब वे केवल एक ही प्रारूप में खेलते हैं। आधुनिक क्रिकेट में टी-20 का बोलबाला है जबकि भारत टेस्ट क्रिकेट भी खूब खेलता है, जिससे वनडे प्रारूप के लिए बहुत कम जगह बचती है। टी-20 और टेस्ट से संन्यास लेने वाले रोहित और कोहली फरवरी-मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अपना पहला मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली एक दिवसीय सीरीज में खेलेंगे। किसी खिलाड़ी के लिए एक प्रारूप के क्रिकेटर के रूप में अपनी लय को बरकरार रखना मुश्किल होता है। इसका एक उदाहरण भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन हैं, जो एकदिवसीय टीम में अपनी जगह बरकरार नहीं रख सके। वॉटसन ने कहा विराट और रोहित के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट का सिर्फ एक प्रारूप में खेलना चुनौती होगी।

अभ्यास के दौरान जमकर बहाया पसीना

पर्थ : सीनियर स्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा ने यहां पहुंचते ही जमकर अभ्यास किया और रविवार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही एकदिवसीय सीरीज से पहले भारतीय टीम के पहले ट्रेनिंग सत्र के दौरान नेट्स पर काफी पसीना बहाया। सभी की निगाहें रोहित और कोहली पर है जो पिछली बार भारत के लिए फरवरी-मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान खेले थे और अब केवल 50 ओवर के प्रारूप में ही उपलब्ध हैं। दोनों पूर्व भारतीय कप्तान ने नेट्स में करीब 30 मिनट तक बल्लेबाजी की। रोहित को नेट्स में समय बिताने के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ लंबी बातचीत करते भी देखा गया। कोहली और रोहित दोनों ने इस साल की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और पिछले साल बारबडोस में विश्व कप जीतने के बाद टी-20 अंतर्राष्ट्रीय करियर को अलविदा कहा था।

सलमान की जगह शादाब बन सकते हैं टी-20 टीम के कप्तान

कराची : अनुभवी ऑलराउंडर शादाब खान को सलमान अली आगा की जगह पाकिस्तान की टी-20 टीम का कप्तान नियुक्त किया जा सकता है। पाकिस्तान की तरफ से अब तक 70 एकदिवसीय और 112 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा ले चुके शादाब ने इस साल के शुरू में लंदन में अपने कंधे की सर्जरी कराई थी इसके बाद वह खेल से बाहर हैं। शादाब हालांकि अब फिट हैं और वह अगले महीने वापसी कर सकते हैं। उनकी वापसी महत्वपूर्ण होगी क्योंकि वह सलमान की जगह राष्ट्रीय टी20 कप्तान बन सकते हैं। सर्जरी से पहले वह इस प्रारूप में उप-कप्तान थे।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने बताया कि शादाब 11 से 15 नवंबर के बीच श्रीलंका के खिलाफ द्विपक्षीय घरेलू श्रृंखला में वापसी करेंगे, क्योंकि उनका रिहैब अच्छा चल रहा है। अगले साल होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप का कप्तान नियुक्त किया जा सकता है। पाकिस्तान सलमान की अगुवाई में एशिया कप में खेला था जहां उसे फाइनल में भारत से हार का सामना करना पड़ा था।

एलिसा के शतक से ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को 10 विकेट से रौंदा

शतक लगाने के बाद जश्न मनातीं ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली। एजेंसी

विशाखापत्तम, एजेंसी

गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के बाद सलामी बल्लेबाज और कप्तान एलिसा हीली के नाबाद शतक और फोएबे लिचफील्ड के साथ उनकी पहले विकेट की अटूट साझेदारी से महिला एकदिवसीय विश्व कप में बृहस्पतिवार को यहां बांग्लादेश को 10 विकेट से रौंद दिया।

बांग्लादेश के 199 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान हीली (नाबाद 113 रन, 77 गेंद, 20 चौके) और लिचफील्ड (नाबाद 84 रन, 72 गेंद, 12 चौके, एक छक्का) के बीच पहले विकेट की 202 रन की अटूट साझेदारी से 151 गेंद शेष रहते बिना विकेट खोए 202 रन बनाकर बेहद आसान जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले एलेना किंग (18 रन पर दो विकेट), जॉर्जिया वेयरहैम (22 रन पर दो विकेट), एनाबेल सदरलैंड (41 रन पर दो विकेट) और ऐशलेग गार्डनर (48 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी की बदौलत बांग्लादेश को नौ विकेट पर 198 रन पर रोक दिया। बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया की अनुशासित गेंदबाजी के सामने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। शोभना मोस्तरी ने एक छोर संभाले रखा और 80 गेंद में नौ चौकों की मदद से नाबाद 66 रन की पारी खेलते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। मोस्तरी की यह पारी महिला क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बांग्लादेश की किसी भी बल्लेबाज का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। सलामी बल्लेबाज रूबया हैदर ने भी 44 रन की उम्दा पारी खेली।

लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान एलिसा और लिचफील्ड ने ऑस्ट्रेलिया को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और बांग्लादेश को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। फरीहा तृष्णा ने गेंदबाजी की शुरुआत मेडन ओवर के साथ की लेकिन उनके अगले ओवर में लिचफील्ड ने दो चौके मारे।

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णीत	अंक	रन रेट
ऑस्ट्रेलिया	5	4	0	1	9	1.818
इंग्लैंड	4	3	0	1	7	1.864
द.अफ्रीका	4	3	1	0	6	-0.618
भारत	4	2	2	0	4	0.682
न्यूजीलैंड	4	1	2	1	3	-0.245
बांग्लादेश	5	1	4	0	2	-0.676
श्रीलंका	4	0	2	2	2	-1.526
पाकिस्तान	4	0	3	1	1	-1.887

श्रीलंका -दक्षिण अफ्रीका मैच में मौसम बन सकता विलेन

समय : दोपहर 3 बजे से

कोलंबो, एजेंसी

अगर मौसम मेहरबान रहा तो श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका की टीमें शुक्रवार को यहां महिला एकदिवसीय विश्व कप के महत्वपूर्ण मुकाबले में एक-दूसरे के सामने कड़ी चुनौती पेश करने की कोशिश करेंगी।

आर प्रेमदासा स्टेडियम में पिछले दो मैच बारिश के कारण रद्द करने पड़े और शुक्रवार को भी बारिश और आंधी आने का अनुमान है। अगर बारिश नहीं आती है और यह मैच खेला जाता है तो श्रीलंका टूर्नामेंट की अपनी पहली जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखना चाहेगा। श्रीलंका ने दो मैच रद्द होने के कारण अभी तक दो अंक हासिल किए हैं और वह चार मैचों के बाद अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर हैं। श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले मैच में बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया था, पर बारिश ने जीत हासिल करने की उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया था। उस मैच में श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू और नीलक्षिका सिल्वा ने अर्धशतक जमाए थे। श्रीलंका को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखना होगा।

मन शर्मा ने रचा इतिहास, ब्रॉड बर्पीज मैराथन में बनाया विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के एथलीट और सामाजिक उद्देश्य से प्रेरित खिलाड़ी, मन शर्मा ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने विश्व की पहली ब्रॉड बर्पीज मैराथन पूरी की है, जिसमें उन्होंने 42.195 किलोमीटर की दूरी केवल ब्रॉड बर्पीज के माध्यम से नौ दिनों में जवाहरलाल नेहरू (जेएलएन) स्टेडियम में तय की।

इस असाधारण उपलब्धि को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा एक नए विश्व रिकॉर्ड के रूप में मान्यता दी गई है। यह रिकॉर्ड पिछले 5.1 किलोमीटर के रिकॉर्ड से आठ गुना अधिक है, जिसे मन ने अपने मैराथन के पहले ही दिन पार कर लिया था। वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन के प्रतिनिधि इस अवसर पर मौजूद रहे और उन्होंने आधिकारिक रूप से मन शर्मा को विश्व रिकॉर्ड प्रमाणपत्र और पदक प्रदान किया, जो भारत के लिए वैश्विक मंच पर एक गौरवपूर्ण क्षण रहा।

ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के बाद अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए मन शर्मा ने कहा यह मेरे जीवन का सबसे चुनौतीपूर्ण और संतोषजनक अनुभव रहा है। जब मैंने इस यात्रा की शुरुआत की थी, मेरा एकमात्र लक्ष्य मानव सहनशक्ति की सीमाओं को पार करना और यह साबित करना था कि निरंतरता असंभव को संभव बना सकती है। हर बर्पी, हर किलोमीटर इस बात की याद दिलाता रहा कि असली ताकत सिर्फ शरीर में नहीं, बल्कि मन और दिल में होती है। मेरा यह रिकॉर्ड प्रयास केवल सहनशक्ति की परीक्षा नहीं था, बल्कि प्रभाव पैदा करने का एक प्रयास था - द वन फ्रेंड एनजीओ के लिए धन और जागरूकता जुटाने का, जो भारत भर में वंचित बच्चों को शिक्षा और सशक्तिकरण का अवसर प्रदान करता है। मैं खेल मंत्रालय, फिट इंडिया, अपनी टीम, अपने प्रायोजकों और हर समर्थक का गहराई से आभारी हूँ, जिन्होंने मेरे साथ खड़े रहकर यह सपना साकार किया।

- **विश्व की पहली ब्रॉड बर्पीज मैराथन पूरी की, जिसमें उन्होंने 42.195 किलोमीटर दूरी तय की**

उपलब्धि

शर्मा ने एशिया कप और स्मृति ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में किया था शानदार प्रदर्शन

अभिषेक और मंधाना सितंबर माह के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

दुबई, एजेंसी

भारत के स्टार सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और स्मृति मंधाना को क्रमशः एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद बृहस्पतिवार को सितंबर के लिए आईसीसी के महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

अभिषेक ने इस दौरान सात मैच में 44.85 के औसत और 200 के शानदार स्ट्राइक-रेट से 314 रन बनाए। एशिया कप में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुने गए 25 वर्षीय इस खिलाड़ी ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में अब तक के अपने सर्वोधिक रेटिंग अंक भी हासिल किए। उन्होंने टीम के अपने साथी कुलदीप यादव और जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट को पछाड़कर महीने के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का गौरव पाया। अभिषेक ने कहा आईसीसी का यह पुरस्कार जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है और मुझे खुशी है कि यह मुझे कुछ महत्वपूर्ण मैचों के लिए मिला है जिनमें मेरी मदद से जीत संभव हो सकी। मुझे उस टीम का हिस्सा होने पर फक्र है जो सबसे कठिन परिस्थितियों में भी जीत दिला सकती है। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हमारा हालिया रिकॉर्ड हमारी बेहतरीन टीम संस्कृति और सकारात्मक सोच को दर्शाता है। वहीं मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया और तीन मैचों में 58, 117 और 125 रन बनाए। भारतीय महिला टीम की उप-कप्तान ने इस दौरान चार एकदिवसीय मैचों में 77 के औसत और 135.68 के स्ट्राइक रेट से 308 रन बनाए।

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में भारत के अभियान की तैयारी में जुटी मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के दौरान किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज शतक लगाया, जब उन्होंने तीसरे मैच में सिर्फ़ 50 गेंदों पर शतक पूरा किया। दक्षिण अफ्रीका की तजमीन ब्रिट्स और पाकिस्तान की सिदरा अमीन भी इस पुरस्कार की दौड़ में शामिल थीं। मंधाना ने कहा इस तरह का सम्मान एक खिलाड़ी के रूप में आपको आगे बढ़ने और अच्छा करने के लिए प्रेरित करता है।

विदेशी लीग में खेलने से भारतीय खिलाड़ियों को अच्छा अनुभव मिलेगा : शास्त्री

सिडनी : भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने अधिक से अधिक भारतीय खिलाड़ियों को विदेशी लीग में खेलने की अनुमति देने की वकालत करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेलने से उन्हें अच्छा अनुभव मिलेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अभी अपनी सक्रिय खिलाड़ियों को विदेशी टी-20 लीग में खेलने की अनुमति नहीं देता। भारतीय क्रिकेटर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सहित घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने और बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करने के बाद ही विदेश में खेल सकते हैं। अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन हाल ही में बिग बैश लीग (बीबीएल) में शामिल होने वाले पहले शीर्ष भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने आगामी सत्र के लिए सिडनी थंडर के साथ अनुबंध किया है। शास्त्री ने विलो टॉक पॉडकास्ट पर कहा भारत एक विशाल देश है। वहां हर किसी को खेलने का मौका नहीं मिलता, हर कोई सफल नहीं हो पाता। अगर कोई खिलाड़ी टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सकता, लेवल सी या लेवल डी का अनुबंध नहीं पा सकता, तो उसे बिग बैश लीग में खेलने से क्यों रोका जाए। उन्होंने कहा इन लीग में खेलने का अनुभव उनके लिए मददगार साबित होगा, जैसे आईपीएल ने कई युवा खिलाड़ियों की मदद की है, क्योंकि वे शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों के साथ खेलते हैं। वे दबाव को झेलना सीखते हैं। यहां आपको काफी कुछ सीखने को मिलता है।